THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

क्या चुनाव वाकई स्वतंत्र और निष्पक्ष हो रहे हैं?

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य वोटर लिस्ट और पूरक वोटर लिस्ट में इतना बड़ा अंतर क्यों है? इसके अलावा, उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की बैटरी को लेकर भी सवाल खड़े किए। मनीष तिवारी ने कहा, 'जब ईवीएम चुनाव के पूरे दिन इस्तेमाल होती है और फिर तीन-चार दिनों तक स्टोर रूम में रखी जाती है, तो इसकी बैटरी 99 फीसदी तक कैसे रह सकती है?' उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग इन अहम सवालों का जवाब नहीं दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'जो भी चुनाव हो रहे हैं, क्या वे वास्तव में स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं?' कांग्रेस सांसद के इन सवालों से एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया को लेकर बहस छिड़ गई है।

वर्ष-29 अंक : 357 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.6 2081 गुरुवार, 20 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पृथ्वी पर लौटीं सुनीता

> स्पेसक्राफ्ट का टेम्परेचर बढ़ने पर 7 मिनट संपर्क टूटा > फ्लोरिडा समुद्र तट पर लैंडिंग

फ्लोरिडा, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 9 महीने 14 दिन बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। इनके साथ क्रू-9 के दो और एस्ट्रोनॉट अमेरिका के निक हेग और रूस के अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी हैं। उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट भारतीय समयानुसार 19 मार्च को सुबह 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर स्प्लैशडाउन हुआ, यानी पानी में लैंडिंग हुई।

ये चारों एस्ट्रोनॉट मंगलवार (18 मार्च) को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से रवाना हुए थे। स्पेसक्राफ्ट के धरती के वायुमंडल में प्रवेश करने पर इसका तापमान 1650 डिग्री सेल्सियस हो गया था। इस दौरान करीब 7 मिनट के लिए कम्युनिकेशन ब्लैकआउट रहा, यानी यान से संपर्क नहीं रहा। हालांकि, ऐसा होना आम बात है। प्लाजमा के कारण ऐसा होता है।

स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर लौटने में 17 घंटे लगे

ड्रैगन कैप्सूल के अलग होने से लेकर समुद्र में लैंडिंग तक करीब 17 घंटे लगे। 18 मार्च को सुबह 08:35 बजे स्पेसक्राफ्ट का हैच क्लोज हुआ, यानी दरवाजा बंद हुआ। 10:35 बजे स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से अलग हुआ। 19 मार्च को रात 2:41 बजे डीऑर्बिट बर्न शुरू हुआ। यानी, कक्षा से उल्टी दिशा में स्पेसक्राफ्ट का इंजन फायर किया गया। इससे स्पेसक्राफ्ट की पृथ्वी के वातावरण में एंट्री हुई और सुबह 3:27 बजे स्प्लैशडाउन।

8 दिन के मिशन पर गए थे, लेकिन 9 महीने से ज्यादा समय लग गया

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर बोइंग और नासा के 8 दिन के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे। इस मिशन का उद्देश्य बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट की एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन तक ले जाकर वापस लाने की क्षमता को टेस्ट करना था। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन पर 8 दिन में रिसर्च और कई एक्सपेरिमेंट भी करने थे। लेकिन थ्रस्टर में आई गड़बड़ी के बाद उनका 8 दिन का मिशन 9 महीने से ज्यादा समय का हो गया था।

'आपका स्वागत है, क्रू9! धरती ने आपको मिस किया'

> अंतरिक्ष से विलियम्स की वापसी पर पीएम का संदेश

(फाइल फोटो)

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सुनीता विलियम्स की धरती पर सकुशल वापसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में उन्होंने लिखा, आपका स्वागत है, क्रू9 ! धरती ने आपको मिस किया। पीएम ने लिखा, उनका यह अनुभव धैर्य, साहस और असीम मानवीय भावना की परीक्षा रहा है। सुनीता विलियम्स और क्रू 9 के अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया है कि दृढ़ता का सही अर्थ क्या है। विशाल अनिश्चितता के सामने उनका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने क्रू 9 का वापसी अभियान पूरा होने के बाद अपने संदेश में कहा, अंतरिक्ष अन्वेषण का मतलब है मानवीय क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाना, सपने देखने का साहस करना और उन सपनों को हकीकत में बदलने का साहस करना। पीएम ने सुनीता विलियम्स के बारे में कहा कि वे एक पथप्रदर्शक और एक आइकन हैं। उन्होंने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण दिया है। हम उन सभी पर अविश्वसनीय रूप से गर्व करते हैं जिन्होंने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने दिखाया है कि जब सटीकता जुनून से मिलती है और तकनीक दृढ़ता से मिलती है तो क्या होता है।

मोदी सरकार में आतंकी घटनाएं 71% घटीं

आतंकी जेल या जहन्नुम जा रहे, सरकारी कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र पर कोई प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। बजट सत्र के दूसरे फेज के छठे दिन बुधवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आतंकी घटनाओं पर केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार के तहत देश में आतंकवादी घटनाओं में 71 प्रतिशत की कमी आई है और आतंकवादी अब या तो जेल जाएंगे या जहन्नुम जाएंगे।' राय ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों के प्रश्नों का जबाव दिया। उन्होंने कहा-पहले जब आतंकवादियों का महिमामंडन किया जाता था और उन्हें 'अच्छा खाना' परोसा जाता था, उसके विपरीत मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है। लोकसभा में केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, 'सरकारी कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र में बदलाव को लेकर कोई भी प्रस्ताव पेंडिंग नहीं है। न ही इस पर विचार किया जा रहा है। कर्मचारियों के रिटायरमेंट के बाद खाली होने वाले पदों को खत्म करने की केंद्र सरकारी की कोई नीति नहीं है।'

राय ने कहा-एनआईए के खिलाफ शिकायतें निराधार हैं

राय ने कहा कि मैं इन आरोपों से सहमत नहीं हूं कि एनआईए के खिलाफ शिकायतें हैं। ये सब निराधार हैं। अगर कोई कंप्लेंट है भी तो वो ऐसे लोगों की गई मनगढ़ंत कहानी है, जिन्हें आतंकियों के खिलाफ लिए जा रहे एक्शन से परेशानी है। सिंह से केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों के कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र और रिटायरमेंट की उम्र में असमानता के कारणों की डिटेल शेयर पर भी सवाल किया गया। उन्होंने जबाव में कहा कि सरकार में ऐसा कोई डेटा सेंट्रली स्टोर नहीं किया जाता है। क्योंकि ये मामला राज्य सूची में आता है। उन्होंने कहा कि एनआईए लंदन और ओटावा में इंडियन हाई कमिशन और सैन फ्रांसिस्को में वाणिज्य दूतावास पर हमले की घटनाओं की जांच कर रही है।

केंद्र-किसानों के बीच बैठक फिर बेनतीजा

चंडीगढ़, 19 मार्च (एजेंसियां)। किसानों की केंद्र के साथ बैठक खत्म। तीसरी बार हुई यह बैठक भी बेनतीजा रही। इस बैठक में भी किसानों की मांगों को लेकर कोई सहमती नहीं बन पाई है। अब चार मई को केंद्र और किसानों के साथ फिर बैठक होगी। केंद्र ने एक सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी की नियुक्ति की है, जो फसलों की एमएसपी को लेकर देश भर के किसानों के साथ लेकर सुझाव लेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों के साथ अच्छे माहौल में बैठक हुई गई। अब 4 मई को अगली बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अनुसार किसानों की तरफ से सबमिट की गई रिपोर्ट पर सभी हितधारकों की राय लेनी जरूरी है, क्योंकि अगर एमएसपी को लेकर जो भी फैसला लिया जाएगा, वो देश भर में लागू होगा। यह बैठक चंडीगढ़ सेक्टर-26 के महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट में हुई। पहले यह बैठक शाम 5 बजे होनी थी, लेकिन अब इसके समय में बदलाव कर दिया गया है। बैठक में दोनों किसान संगठनों के 28 सदस्य भाग पहुंचे थे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा है कि किसान बैठक में मजबूती से अपना पक्ष रखेंगे और उम्मीद है कि केंद्र सरकार उनके मुद्दों का समाधान करेगी। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने पंजाब और हरियाणा के बॉर्डर पर फोर्स बढ़ाने पर कहा कि सरकार की किसी भी तरह कार्रवाई की फिलहाल कोई प्लानिंग नहीं है।

अरबपति कारोबारी बिल गेट्स ने जेपी नड्डा से की मुलाकात

> स्वास्थ्य और तकनीक को लेकर हुई बात

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। अरबपति कारोबारी और मशहूर परोपकारी शख्सियत बिल गेट्स ने बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। बिल गेट्स, जेपी नड्डा से मिलने संसद भवन पहुंचे। दोनों के बीच सरकार और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को लेकर चर्चा हुई। बिल गेट्स ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से भी मुलाकात की।

चंद्रबाबू नायडू से इन मुद्दों पर हुई बात

बिल गेट्स और चंद्रबाबू नायडू के बीच स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और रोजगार सृजन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर बात हुई। बिल गेट्स से मुलाकात के बाद जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि गेट्स फाउंडेशन की मदद से मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। बिल गेट्स से मुलाकात के बाद चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया पर 'स्वर्ण आंध्र प्रदेश 2047' के दीर्घकालिक लक्ष्य को पाने के लिए गेट्स फाउंडेशन की भूमिका की सराहना की।

शिवराज सिंह चौहान से भी मिले बिल गेट्स

बिल गेट्स ने बुधवार को संसद का भी दौरा किया, जहां बजट सत्र चल रहा है। इससे पहले सोमवार को बिल गेट्स ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की।

इस चर्चा में खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण विकास और कृषि में एआई और मशीन लर्निंग जैसे विषयों पर चर्चा हुई। शिवराज सिंह चौहान ने एक बयान में कहा, 'गेट्स फाउंडेशन कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ काम कर रहा है और हम नए क्षेत्रों में सहयोग की योजना बना रहे हैं।'

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर 16 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 16 अप्रैल को सुनवाई करेगा। याचिका में चुनाव आयुक्तों की साल 2023 के कानून के तहत नियुक्ति को चुनौती दी गई है। मामले में याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने अपील की कि इस मामले पर जल्द सुनवाई की जाए क्योंकि यह मामला लोकतंत्र के जड़ में है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले पर सुनवाई की तारीख 16 अप्रैल तय कर दी।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आज कई जरूरी मामलों पर सुनवाई होनी है, इसलिए इस मामले पर 16 अप्रैल को सुनवाई होगी। प्रशांत भूषण याचिका दायर करने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की तरफ से सुनवाई में शामिल हुए।

नागपुर हिंसा-मास्टरमाइंड फहीम गिरफ्तार

एफआईआर में लिखा-दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मी के कपड़े उतारने की कोशिश की, गलत तरीके से छुआ

नागपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में औरंगजेब का पुतला जलाने पर 17 मार्च को हुई सांप्रदायिक हिंसा मामले में पुलिस ने बुधवार को मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान को गिरफ्तार किया। उसे 21 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। फहीम खान ने 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा किया और हिंसा को बढ़ावा दिया था। दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मी के कपड़े उतारने और झड़प के दौरान उन्हें गलत तरीके से छूने की भी कोशिश की। यह जानकारी गणेशपेठ पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में सामने आई है। दंगाइयों ने भालदरपुरा चौक के पास रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए महिला अधिकारी के साथ अश्लील हरकत की थी।

अब तक 50 लोगों को हिरासत में लिया गया

पुलिस ने कहा कि 17 मार्च को भड़की हिंसक झड़पों के बाद नागपुर में 10 पुलिस जिला क्षेत्रों में लगातार दूसरे दिन भी कर्फ्यू लागू रहा और 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है। 19 आरोपियों को 21 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

औरंगजेब की कब्र नो ड्रोन जोन घोषित

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग के बीच प्रशासन ने मुगल शासक की कब्र को ड्रोन प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है। सोशल मीडिया पर पुलिस इस मामले में आपत्तिजनक पोस्ट को ट्रैक करके उन्हें डिलीट करवा रही है। अब तक 500 से अधिक ऐसी ऑनलाइन पोस्ट डिलीट की जा चुकी हैं।

शिवसेना यूबीटी बोली-भाजपा शिवाजी से ज्यादा औरंगजेब को महत्व दे रही

औरंगजेब की कब्र को ध्वस्त करने की बढ़ती मांग के बीच शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को भाजपा पर हमला करते हुए दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी मुगल सम्राट को छत्रपति शिवाजी महाराज से ज्यादा महत्वपूर्ण मानती है। साथ ही इसने कहा कि केंद्र को दंगों को रोकने और राज्य में कट्टरपंथियों के गुस्से को शांत करने के लिए छत्रपति संभाजीनगर में स्थित औरंगजेब की समाधि को संरक्षित स्मारक का दर्जा हटा देना चाहिए। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बुधवार को कहा कि हिंसा का कोई भी रूप समाज की भलाई के लिए हानिकारक है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 17वीं सदी के मुगल बादशाह औरंगजेब की आज के दौर में कोई वैल्यू नहीं रही। आंबेकर ने ये बातें बेंगलुरु में 21-23 मार्च को होने वाली आरएसएस की आगामी तीन दिन बैठक से पहले आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं।

विहिप और बजरंग दल के आठ कार्यकर्ताओं का आत्मसमर्पण

पुलिस ने दर्ज किया था केस

नागपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। नागपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आठ कार्यकर्ताओं ने कोतवाली पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। बता दें कि, महाराष्ट्र पुलिस ने नागपुर जिले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के पदाधिकारियों के खिलाफ छत्रपति संभाजीनगर में मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन के दौरान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

राज्यसभा में उठी सांसद निधि को बढ़ाकर 20 करोड़ करने की मांग

सभापति बोले-इस पर चर्चा की जरूरत

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा में बुधवार को सांसद निधि बढ़ाने का मुद्दा उठा। सपा से राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने सांसद निधि को पांच करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ करने की मांग की।

इस मुद्दे पर राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सदन में मुफ्त सुविधाओं, सब्सिडी जैसे मुद्दों पर व्यवस्थित चर्चा और सरकारी निवेशों के व्यापक हित के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की जरूरत है। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव की मांग का जवाब देते हुए धनखड़ ने कहा कि अगर सरकार और विपक्ष सहमत होते हैं तो वह इस मुद्दे पर एक व्यवस्थित चर्चा कराने के लिए तैयार हैं। शांतिदायक तंत्र और मनुहार के लिए दिए जाने वाले मुफ्त उपहारों को लेकर सदन को विचार-विमर्श करने की जरूरत है।

यूपीआई से लेन-देन पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

महाराष्ट्र में बनेगा हाईवे, केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। इसमें भीम यूपीआई से लेन-देन करने पर प्रोत्साहन राशि देने का एलान किया गया। इसके अलावा महाराष्ट्र में जेएनपीए पोर्ट (पगोटे) से चौक (29.219 किमी) तक छह लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईस्पीड राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई। केंद्रीय कैबिनेट ने नए राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम को भी स्वीकृत किया। कैबिनेट ने असम के नामरूप में यूरिया प्लांट के निर्माण को भी मंजूर किया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कम मूल्य वाले भीम यूपीआई लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। इस योजना पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि योजना के तहत छोटे व्यापारियों को बड़ा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इसमें छोटे व्यापारियों को दो हजार रुपये तक के लेनदेन के लिए प्रति लेनदेन मूल्य पर 0.15% की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। हर तिमाही पर बैंक स्वीकृत दावा राशि का 80 फीसदी बिना किसी शर्त के वितरित करेंगे। जबकि 20 फीसदी राशि का भुगतान कुछ शर्तों के बाद किया जाएगा। सरकार का कहना है कि छोटे व्यापारियों को यूपीआई के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए यह फैसला लिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने महाराष्ट्र में जेएनपीए पोर्ट (पगोटे) से चौक (29.219 किमी.) तक छह लेन के ग्रीनफील्ड हाईस्पीड राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 4500.62 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह परियोजना जेएनपीए बंदरगाह (एनएच 348) (पगोटे गांव) से शुरू होगी और मुंबई-पुणे राजमार्ग (एनएच-48) पर समाप्त होकर मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे और मुंबई गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-66) को जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि नया छह लेन ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट कॉरिडोर बेहतर बंदरगाह कनेक्टिविटी बढ़ाएगा। इससे सुरक्षित और कुशल माल ढुलाई में मदद मिलेगी। यह परियोजना मुंबई और पुणे के आसपास के विकासशील क्षेत्रों में विकास, प्रगति और समृद्धि के नए रास्ते खोलेगी।

संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम को मंजूरी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) को भी स्वीकृत किया। इस योजना में एक हजार करोड़ रुपये बजट बढ़ाया गया है।

'भारत को अगले पांच दशकों में दो अमेरिका बसाने पड़ेंगे'

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। नीति आयोग के पूर्व सीईओ और जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने देश के विकास में सतत शहरी विकास की अहमियत के बारे में बताया और कहा कि अगले पांच दशकों में भारत को दो अमेरिका के बराबर शहरी विकास करना होगा। अमिताभ कांत ने कहा कि शहर ही नवाचार और विकास का केंद्र बनेंगे। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का मुद्दा उठाया और कहा कि हर देश जलवायु परिवर्तन से प्रभावित है। अमिताभ कांत ने रायसीना डायलॉग में एक पैनल चर्चा के दौरान कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि शहर विकास के केंद्र हैं, नवाचार, समृद्धि के केंद्र हैं। इसलिए अगर भारत अगले 5 दशकों में 50 करोड़ लोगों को शहरीकरण की प्रक्रिया में शामिल होते देखना चाहता है।

'तकनीक सक्षम बना सकती है, लेकिन ये लोगों की जगह नहीं ले सकती'

> सीडीएस अनिल चौहान का बयान

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि तकनीक सक्षम बना सकती है, लेकिन ये लोगों की जगह नहीं ले सकती। सीडीएस ने कहा कि देश इस समय असममित खतरों का सामना कर रहा है और देश में उप-परंपरागत तरह का संघर्ष देखने को मिल रहा है। रायसीना डायलॉग में एक चर्चा के दौरान सीडीएस ने कहा कि पश्चिम के वैश्विक युद्ध या आतंकवाद जैसे टर्म से बहुत पहले ही भारत ने 'अपरंपरागत प्रकार का संघर्ष' जैसी संज्ञा दे दी थी।

सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि 'भारत को देश के भीतर और बाहर दोनों जगह चुनौती मिल रही है। जहां तक इससे मिली सीख की बात है तो मुझे लगता है कि जमीन पर सैनिकों की मौजूदगी का कोई विकल्प नहीं है। तकनीक मदद कर सकती है, लेकिन ये लोगों की जगह नहीं ले सकती और ये बेहद अहम है।' साथ ही उन्होंने युद्ध की तैयारियों को मजबूत करने और खुफिया विभाग को भी मजबूत करने की जरूरत बताई। सीडीएस चौहान ने कहा कि दुनिया में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। पहले परंपरागत युद्ध होते थे, लेकिन अब समय बदल गया है, लेकिन संघर्ष अभी भी जारी हैं। सेना को परंपरागत युद्ध के लिए तैयार करने के लिए साथ ही जो हाइब्रिड लड़ाई लड़ी जा रही है, उसके लिए तैयार करना भारत की सबसे बड़ी चुनौती है। सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि एक बहुसांस्कृतिक, बहु-धार्मिक और बहु-जातीय समाज में भ्रामक सूचनाओं को रोकना भी एक बड़ी चुनौती है। हम इसे दिमागी लड़ाई कहते हैं। सीडीएस ने कहा कि जिस तेजी से तकनीक में बदलाव हो रहे हैं, उस तेजी से उसे अपने सिस्टम में लाना और लोगों को प्रशिक्षित करना भी एक बड़ी चुनौती है।

घुसपैठ मामले में बड़ा एक्शन

जम्मू,19 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। जम्मू की 12 जगहों पर तलाशी अभियान चल रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी सीमापार से आतंकवादियों की घुसपैठ से संबंधित मामलों के सिलसिले में छापेमारी कर रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि खुफिया इनपुट के आधार पर सुबह से ही पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ मिलकर छापेमारी की जा रही है। ओवरग्राउंड वर्कर्स और हाइब्रिड आतंकवादियों के ठिकानों पर छापा मारा है। समर्थकों और कार्यकर्ताओं के परिसरों पर तलाशी ली जा रही है। वहीं दूसरी तरफ एनआईए ने गृह मंत्रालय के निर्देश पर 24 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के जरिए भारतीय क्षेत्र में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े सक्रिय आतंकवादियों की घुसपैठ के संबंध में सूचना के आधार पर मामला दर्ज किया था।

शिवसेना-यूबीटी बोली- भाजपा के पेट में नया शिवाजी पल रहा

मुंबई,19 मार्च (एजेंसियां)।

इतिहास खत्म करने की कोशिश; बीजेपी सांसद बोले थे- मोदी हमारे छत्रपति शिवाजी

नागपुर हिंसा को लेकर शिवसेना (उद्धव गुट) के मुखपत्र 'सामना' ने भाजपा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। लेख में कहा गया है भाजपा के पेट में नया शिवाजी पल रहा है। इसी वजह से वे छत्रपति शिवाजी के इतिहास को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। सामना ने लिखा कि लोकसभा में भाजपा के ओडिशा के बरगढ़ से सांसद प्रदीप पुरोहित ने कहा था, 'हमारे शिवाजी मोदी हैं। मोदी पिछले जन्म में छत्रपति शिवाजी थे।' तो अब भाजपा ने नए शिवाजी को जन्म दिया है और इसके लिए मूल शिवाजी को खत्म करने की उनकी योजना है। फिर छत्रपति शिवाजी महाराज को खत्म करना है तो पहले औरंगजेब की कब्र को ध्वस्त करना होगा। मतलब इतिहास अपने आप नष्ट हो जाएगा।

1 महाराष्ट्र में औरंगजेब का महिमामंडन कोई नहीं करेगा

महाराष्ट्र में औरंगजेब का महिमामंडन कोई नहीं करेगा। यहां केवल छत्रपति शिवाजी महाराज की ही जय-जयकार होगी। 'छावा' फिल्म के प्रदर्शन के बाद से संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल जैसे संगठनों और भाजपा के नवहिंदुत्ववादी तत्वों ने औरंगजेब की कब्र के खिलाफ राजनीतिक रौद्र रूप दिखाया और महाराष्ट्र का माहौल खराब कर दिया।

2 मोदी- भागवत को खुद औरंगजेब की कब्र को खोदना चाहिए

केंद्र में मोदी और महाराष्ट्र में फडणवीस हैं। दोनों भाजपा के। इसलिए खुद मोदी, फडणवीस, मोहन भागवत, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार इन पांच लोगों को सरकारी आदेश के तहत औरंगजेब की कब्र को खोदना चाहिए। इससे महाराष्ट्र में दंगे रुकेंगे और उन्मादियों के दिमाग शांत होंगे।

3 औरंगजेब को फिर से जिंदा किया गया

आज महाराष्ट्र बंटा हुआ है और धर्म के नाम पर धधक रहा है। कुरान की प्रति कहीं मिल जाए तो सम्मान से वापस करें, ऐसा छत्रपति शिवाजी महाराज का आदेश पत्र बताता है। लेकिन नागपुर में कुरान की आयतों को जलाने की घटना हुई। चार सौ साल पहले दफनाया गया औरंगजेब फिर से जिंदा किया गया है।

सामना ने लिखा- फडणवीस सिर्फ भाषण देने में व्यस्त

सामना ने लिखा कि नागपुर का 300 साल पुराना इतिहास है और वहां कभी दंगे नहीं हुए, लेकिन अब शहर को हिंसा की आग में झोंक दिया गया है। सामना ने पूछा है कि जब फडणवीस खुद होम मिनिस्ट्री संभाल रहे हैं, तो फिर दंगाइयों को शहर में घुसने और आगजनी करने की परमिशन कैसे मिली?

नागपुर हिंसा के बाद 11 इलाकों में कर्फ्यू

नागपुर में औरंगजेब का पुतला जलाने पर हुई हिंसा के बाद मंगलवार को 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया। सोमवार शाम हुई हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए, इनमें 3 डीसीपी हैं। 5 आम लोग भी घायल हैं, इनमें से एक आईसीयू में भर्ती है। दंगाइयों ने 12 बाइक, कई कारें, 1 जेसीबी जला दी। पुलिस ने दंगे के आरोप में 50 लोगों को अरेस्ट किया गया है। वहीं, छत्रपति संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कब्र की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। हर आने-जाने वालों की जांच की जा रही है।

भाजपा औरंगजेब की कब्र हटा सकती है

शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा- भाजपा छत्रपति संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र हटा सकती है, क्योंकि पार्टी केंद्र और राज्य दोनों में सत्ता में है। मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं, न ही मैं गृह मंत्री हूं, मुख्यमंत्री से पूछिए कि नागपुर हिंसा के पीछे कौन है। क्योंकि आरएसएस मुख्यालय वहीं है। उन्होंने कहा- महाराष्ट्र डबल इंजन की सरकार है। अगर डबल इंजन की सरकार विफल हो गई है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर आप चाहें, तो आप औरंगजेब की कब्र हटा सकते हैं, लेकिन उस दौरान चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को बुलाएं। उन्होंने कहा कि औरंगजेब वास्तव में गुजरात में पैदा हुए। उनका जन्म 1618 में गुजरात के दाहोद में हुआ था और उनकी मृत्यु 1707 में महाराष्ट्र के भिंगर के पास हुई थी। उनकी मौत को 300 साल हो चुके हैं। वहीं, आदित्य ठाकरे ने कहा- भाजपा महाराष्ट्र को मणिपुर बनाने की कोशिश कर रही है। दुख की बात है कि जब भाजपा शासन नहीं कर पाती तो हिंसा और दंगों का सहारा लेती है। अगर आप मणिपुर को देखें तो वे महाराष्ट्र को बिल्कुल वैसा ही बनाना चाहते हैं।

आवारा गायों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में लगाई गई याचिका, की गई सुरक्षा की गुहार

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका के ज़रिए राजधानी में बढ़ती आवारा गायों की समस्या और उनके शोषण को लेकर तुरंत कदम उठाने की गुहार लगाई गई है। याचिका में इन बेजुबानों की सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रभावी समाधान की मांग की गई है। इस याचिका में कहा गया है कि 1 जनवरी 2023 से 19 फरवरी 2025 के बीच दिल्ली पुलिस को सड़कों पर गायों द्वारा उत्पन्न खतरे से संबंधित लगभग 25,593 पुलिस को पीसीआर कॉल्स प्राप्त हुईं। यह आंकड़ा केवल समस्या की गम्भीरता को दिखाता है, जबकि कई मामलों में आवारा मवेशियों के कारण लोगों को गंभीर चोटें भी पहुंची हैं।

सेव इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट ने दाखिल की याचिका

दिल्ली हाई कोर्ट में सेव इंडिया फाउंडेशन नाम के एक रजिस्टर्ड ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है। दिल्ली हाईकोर्ट के दाखिल याचिका में आरोप लगाया गया है कि सरकारी एजेंसियों उन संगठित गिरोहों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, जो पंजाब और उत्तर प्रदेश की डेयरियों से गायों को खरीदकर उन्हें दिल्ली की सड़कों पर छोड़ देते हैं। याचिका में कहा गया है कि कुछ एमसीडी के अधिकारियों की सांठगांठ से इन गायों को जानबूझकर छोड़ दिया जाता है जिससे सार्वजनिक जगहों और सड़कों पर भारी समस्याएं पैदा हो रही हैं। याचिकाकर्ता संगठन ने स्वयंसेवी सहायता देने की पेशकश भी की थी। लेकिन इसके बावजूद अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल अर्जी में कहा गया सिविक एजेंसी ने इस मुद्दे से निपटने के लिए मौजूद बुनियादी ढांचे की पारदर्शिता नहीं दिखाई है। दिल्ली में गौशालाओं की संख्या, पानी की सुविधाएं, घायल या बीमार मवेशियों के इलाज के लिए मौजूद पशु चिकित्सकों और इस समस्या से जुड़ी शिकायतों के निवारण की व्यवस्था आदि का कोई स्पष्ट ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है। याचिका में यह भी किया गया है कि ये गायें प्रायः दूध न देने वाली (नॉन-मिल्च) होती हैं, इसलिए उनके मालिकों के लिए अनुपयोगी मानी जाती हैं। लेकिन जैसे ही ये गायें बछड़ों को जन्म देती हैं, मालिक वापस आकर उनके बछड़ों को ले जाते हैं और उन्हें डेयरियों में बेचकर मुनाफा कमाते हैं। इससे एक दुष्चक्र उत्पन्न होता है, जिसमें गायों को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है और केवल प्रजनन के उद्देश्य से उनका शोषण किया जाता है।

यू ट्यूबर के घर हमला लड़की के घर छिपाकर रखा गया था ग्रेनेड पुलिस ने किया गिरफ्तार अब तक तीन आरोपी काबू

जालंधर,19 मार्च (एजेंसियां)। जालंधर में यू-टयूबर नवदीप सिंह संधू उर्फ रोजर संधू के घर हुए ग्रेनेड हमले में एक लड़की की शमूलियत भी सामने आई है। इस लड़की का नाम लक्ष्मी है और उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लक्ष्मी के घर पर दो दिन बैग में ग्रेनेड छिपाया गया था। लक्ष्मी का नाता अलीपुर के अमृतपाल से था जिसने संबंधों की खातिर साथ दिया। उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं हमले के दूसरे आरोपी को भी काबू कर लिया है। इससे पहले देहात पुलिस व आरोपी के बीच मुठभेड़ भी हुई। एनकाउंटर देर रात पुलिस ने आदमपुर के चुड़वाली के पास किया गया। आरोपी की पहचान अमृत निवासी जालंधर के रूप में हुई है।

दिल्ली पुलिस के पूर्व अधिकारी ने की आत्महत्या लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारी

बहादुरगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के एक पूर्व सब इंस्पेक्टर ने सुसाइड कर ली है। पूर्व सब इंस्पेक्टर ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारी है। मामला हरियाणा के बहादुरगढ़ से सामने आया है। अधिकारी ने इस घटना को उस वक्त अंजाम दिया, जब वह घर में अकेला था। बहादुरगढ़ में दिल्ली पुलिस के पूर्व सब इंस्पेक्टर ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर ली। उसने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारी। घटना बहादुरगढ़ के सेक्टर 6 स्थित मकान नंबर 1155 की घटना है। मृतक की पहचान मूल रूप से बामडोली गांव निवासी नरेंद्र छिकारा के रूप में हुई है। मृतक की उम्र 54 साल थी। नरेंद्र छिकारा ने काफी समय पहले दिल्ली पुलिस से वीआरएस ले लिया था। हादसे के समय पूर्व सब इंस्पेक्टर नरेंद्र छिकारा घर में अकेला था। पुलिस मौके पर मामले की जांच में जुटी है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

हालही में सीआईएसएफ की एक महिला हेड कांस्टेबल ने खुद को मार ली थी गोली

एक हफ्ते पहले ही दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ की एक महिला हेड कांस्टेबल ने भी शौचालय में कथित रूप से गोली मारकर खुदकुशी कर ली थी। मृत हेड कांस्टेबल की पहचान किरण के रूप में हुई थी। महिला पुलिस की उम्र 37 साल बताई जा रही थी। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया था और शव को पोस्टमार्टम के लिए सफदरजंग अस्पताल भेजा गया था। इससे पहले दिल्ली के द्वारका जिला के बाबा हरिदास नगर एरिया में दिल्ली पुलिस के एक एएसआई ने देर रात खुद को गोली मारकर जान दे दी थी। मृतक की शिनाख्त भगतराम (55) के रूप में हुई थी। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ था। कहा जा रहा था कि बीमारी से परेशान होकर भगतराम ने यह कदम उठाया था।

भूकंप के हल्के झटकों से लोगों में दहशत

कहीं बड़ी मुसीबत का इशारा तो नहीं

इंफाल,19 मार्च (एजेंसियां)। लगातार भूकंप का आना किसी बड़ी आपदा का संकेत दे रहा है। कुछ दिनों से लगातार देश और दुनिया की अलग-अलग जगहों पर भूकंप आ रहा है। 19 मार्च की सुबह भी मणिपुर में भूकंप के झटकों से लोगों की नींद खुली। झटके इतने तेज थे कि लोगों को पलंग हिलने का एहसास हुआ। कई लोगों की तो नींद ही इसी से खुली। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.1 मापी गई है। इसका केंद्र धरती से सिर्फ 10 किलोमीटर नीचे था।

कितने बजे आया भूकंप

बुधवार की सुबह-सुबह 3 बजकर 40 मिनट पर मणिपुर के चंदेल में भूकंप आया। लोग सो रहे थे, धरती हिलने लगी किसी को समझ ही नहीं आया कि ये क्या हो रहा है। अचानक आए भूकंप से लोगों में दहशत का माहौल था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर धरती के नीचे दर्ज किया गया। इससे पहले मार्च की शुरुआत में दिल्ली में भूकंप आया था जिससे धरती इतनी तेज हिलने लगी थी कि लोग घरों से बाहर निकल आए।

कितना हुआ नुकसान

भूकंप के नाम से ही लोगों में दहशत देखने को मिलती है। मणिपुर के चंदेल में आए इस भूकंप से लोगों में दहशत देशने को मिली। भूकंप की तीव्रता 3.1 मापी गई, लेकिन अभी तक किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। जिस समय भूकंप आया उस समय लोग गहरी नींद में सोए हुए थे।

बेंगलुरु में इस बार मार डालेगी गर्मी! हीटस्ट्रोक को लेकर सामने आई चौंकाने वाली रिपोर्ट, डर रहे लोग

बेंगलुरु,19 मार्च (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने अंदेशा जताया है कि देश भर में इस बार गर्मी सारे पुराने रिकार्ड तोड़ सकती है। खासतौर पर बेंगलुरु में इस बार हीट स्ट्रोक से मौत की संख्या बढ़ सकती है। यह रिपोर्ट किंग्स कॉलेज लंदन, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, प्रिंसटन विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के वैज्ञानिकों ने विभिन्न शहरों में संयुक्त अध्ययन के बाद प्रकाशित की है। इस अध्ययन में बेंगलुरु के अलावा वैज्ञानिकों की टीम ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, फरीदाबाद, ग्वालियर, कोटा, लुधियाना, मेरठ और सूरत जैसे 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों को शामिल किया था। आम तौर पर मार्च के महीने में बेंगलुरु में तापमान सामान्य रहता है, लेकिन यहां अभी से गर्मी बढ़ने लगी है।

कर्नाटक के अलग अलग हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ने लगा है। बुधवार को ही यहां अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। वहीं न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को शहर के तापमान में थोड़ी गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

हफ्ते के आखिर में बारिश संभव

वहीं न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इसी प्रकार शहर में औसत आर्द्रता का स्तर 46 प्रतिशत रह सकता है। मौसम विभाग के बेंगलुरु केंद्र के मुताबिक हफ्ते के आखिर में बारिश भी हो सकती है। इसके बावजूद वैज्ञानिकों की शोध रिपोर्ट चौंकाने वाली है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बेंगलुरु सहित कई अन्य भारतीय शहरों में हीटस्ट्रोक तबाही ला सकता है। हीट स्ट्रोक से मौत के आंकड़े तेजी से बढ़ सकते हैं।

मुंबई में पड़ रही सर्वाधिक गर्मी

इस रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने संबंधित राज्य सरकारों से एहतियाती उपाय करने की सलाह दी है। कहा कि समस्या का समाधान दीर्घकालिक उपचारात्मक उपायों से ही संभव है। रिसर्च में शामिल वैज्ञानिकों के मुताबिक देश के अलग अलग हिस्सों में गर्मी का प्रकोप आगामी वर्षों में भी जारी रह सकता है।

हाईकोर्ट में पेश हों यूपी-उत्तराखंड के अधिकारी

अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी

नैनीताल,19 मार्च (एजेंसियां)। नैनीताल हाईकोर्ट ने कालागढ़ डैम के समीप वन व सिंचाई विभाग की भूमि पर रह रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों समेत करीब 213 परिवारों को हटाने के मामले में उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को अगली सुनवाई पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश होने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 21 को होगी। मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। इस मामले में जनहित याचिका पर पूर्व के आदेश पर डीएम आशीष चौहान ने कोर्ट में रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में कहा गया था कि वहां पर तीन तरह के लोग निवास कर रह रहे हैं। इनमें कुछ कर्मचारी अभी कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारी, उनके परिजन, मजदूर, दुकानदार, ठेकेदार और माल सप्लायर हैं। इनको विस्थापित करने के लिए उनके द्वारा अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

यही नहीं यहां पर यूपी सरकार की भूमि भी है। इस कारण यूपी सरकार से भी अनुमति लेनी जरूरी है। जिस पर हाईकोर्ट ने उत्तराखंड और यूपी सरकार के अधिकारियों को वीसी के माध्यम से 21 मार्च को कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। कालागढ़ जन कल्याण उत्थान समिति ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि तत्कालीन यूपी सरकार ने 1960 में कालागढ़ डैम बनाने के लिए वन विभाग की कई हजार हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर सिंचाई विभाग को दी थी। डैम बनने के बाद कई हेक्टेयर भूमि वन विभाग को वापस की गई, लेकिन शेष बची जमीन पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों व अन्य लोगों का कब्जा है। अब राज्य सरकार 213 लोगों को विस्थापित कर रही है।

निवेश के नाम पर हजारों लोगों को करोड़ों का चूना लगा सोसायटी गायब

शिमला,19 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल के आठ जिलों के हजारों लोगों को करीब 500 करोड़ रुपये का चूना लगाकर दिल्ली की कोऑपरेटिव सोसायटी गायब हो गई। ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसायटी ने प्रदेश में 37 शाखाएं खोल रखी हैं और नौ साल से लोगों से एफडी पर 9 से 14 फीसदी ब्याज देने का प्रलोभन देकर निवेश करवाया जा रहा था। ठगी की शिकायतें मिलने के बाद सेंट्रल रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटी ने उक्त सोसायटी को कई नोटिस भेजे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अब जब दिल्ली स्थित मुख्य कार्यालय बंद होने की पुष्टि हुई तो सोसायटी के खिलाफ लिक्विडेशन (विघटन) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस प्रक्रिया के तहत सोसायटी की संपत्तियों से निवेशकों की देनदारियां निपटाई जाएंगी।

आप विधायक ने किया ऐसा काम कि स्पीकर ने सदन से बाहर निकलवाया

अहमदाबाद,19 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा में टी-शर्ट से भूमि सर्वेक्षण रोधी स्टिकर को हटाने से इनकार करने के लिए आम आदमी पार्टी के एक विधायक को सदन से बाहर कर दिया गया। 'आप' विधायक हेमंत खावा सदन में 'दोषपूर्ण भूमि मानचित्रण कार्य रद्द करें' नारे वाली टी-शर्ट पहनकर आए थे। जब विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने बताया कि सदन के अंदर इस तरह के विरोध की अनुमति नहीं है, तो 'आप' विधायक ने कहा कि वह केवल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार का ध्यान कृषि भूमि रिकॉर्ड को अंतिम रूप देने के लिए जारी भूमि पुनः सर्वेक्षण प्रक्रिया के कारण किसानों को होने वाली समस्याओं की ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहे थे। चौधरी ने बजट सत्र के

प्रश्नकाल के दौरान खावा से टी-शर्ट बदलने या सदन से बाहर जाने के लिए कहा, जिसपर 'आप' विधायक ने कहा, "मैं विरोध नहीं कर रहा हूं। मैं सिर्फ सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहा हूं।" टी-शर्ट के सामने चिपकाए गए गोल स्टिकर पर 'दोषपूर्ण भूमि मानचित्रण कार्य रद्द करें' का नारा छपा हुआ था। जामनगर जिले की जामजोधपुर सीट से 'आप' विधायक ने बहस जारी रखी और सदन से बाहर जाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शलों से उन्हें 'पूरे सम्मान के साथ' बाहर निकालने को कहा।

मोहल्लों का सारा सीवर गलियों में रोक लो

मनीष सिसोदिया ने बताया बीजेपी सरकार का यमुना सफाई प्लान

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के पूर्व डिप्टी सीएम और पटपड़गंज सीट से पूर्व विधायक मनीष सिसोदिया ने बीजेपी पर निशाना साधा है। मनीष सिसोदिया ने पटपड़गंज की सड़कों पर पानी भरा हुआ एक वीडियो रिपोस्ट किया है। इस वीडियो को रिपोस्ट करते हुए मनीष सिसोदिया ने रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। यह वीडियो पटपड़गंज के वेस्ट विनोद नगर का है, जहां पानी भरा हुआ है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, डबल इंजन की नाव में सवारी। साथ ही उन्होंने सरकार

का यमुना सफाई प्लान भी बताया।

मनीष सिसोदिया ने बीजेपी पर साधा निशाना

मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, ये नई सरकार के यमुना सफाई प्लान का हिस्सा है। मोहल्लों का सारा सीवर गलियों में रोक लो, यमुना में सीवर नहीं जाएगा तो नदी अपने आप साफ हो जाएगी। वैसे भी क्षेत्र के नए बीजेपी विधायक जी को सड़कों पर भरे पानी में नाव चलाना बहुत पसंद है, हो सकता है उन्होंने अपनी नाव चलाने के लिए ही यह पानी रुकवाया हो। डबल इंजन की नाव में सवारी। यह वीडियो आम आदमी पार्टी की पूर्व पार्षद गीता रावत ने पोस्ट की थी। उन्होंने सड़क पर भरे पानी की वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था, बधाई पटपड़गंज, डबल इंजन सरकार के फायदे अब पटपड़गंज वालों को भी मिलने लगे। बीजेपी का नया नवेला विधायक मस्त है और वेस्ट विनोद नगर की जनता त्रस्त। दिल्ली में फरवरी के महीने में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने मनीष सिसोदिया को परंपरागत सीट पटपड़गंज की जगह जंगपुरा से टिकट दिया था। इस सीट पर पार्टी ने अवध ओझा पर भरोसा जताया था। लेकिन जहां एक तरफ मनीष सिसोदिया को जंगपुरा से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, पटपड़गंज से बीजेपी के रविंद्र नेगी ने 28072 वोटों के साथ जीत दर्ज की थी। मनीष सिसोदिया साल 2013 से 2025 तक इस सीट से विधायक रहे हैं। इसी के चलते एक बार फिर अब विपक्ष की भूमिका निभाते हुए उन्होंने पटपड़गंज के हालातों को लेकर पोस्ट किया है और बीजेपी विधायक पर निशाना साधा है।

शिवपुरी के माता टीला डैम में 15 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी, दो बच्चों समेत तीन की मौत

शिवपुरी,19 मार्च (एजेंसियां)। मप्र के शिवपुरी जिले के रजावन गांव के पास स्थित माता टीला डैम श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई। नाव में 15 लोग सवार थे, जिनमें से आठ को बचा लिया गया है। एक महिला श्रद्धालु का शव करीब 17 घंटे बाद बाहर निकाला गया है, इसके बाद दो शिवा और कान्हा के शव बाहर निकाले गए। अब भी चार लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। एसडीआरएफ के 15 जवान रेस्क्यू अभियान में जुटे हुए हैं। विदिशा और मुरैना से गोताखोर भी बुलाए गए हैं। शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि माता टीला डैम में 15 श्रद्धालुओं से भरी नाव डूब गई। नाव सवार सभी लोग टापू पर बने मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। इस दौरान नाव हादसे का शिकार हो गई। हादसे के बाद आठ में से कुछ लोग खुद बाहर आ गए और कुछ को बचा लिया गया। लेकिन, सात लोग लापता थे।

जिनमें से तीन के शव बरामद कर लिए गए हैं। बाकी छह लोगों की तलाश की जा रही है। एसडीआरएफ समेत अन्य टीमें रेस्क्यू अभियान में जुटी हुई हैं। जानकारी के अनुसार नाव पलटने के बाद सात लोग लातपा हो गए थे। इनमें तीन महिलाएं और चार बच्चे शामिल थे। जिनकी तलाश में रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार सुबह करीब 10 बजे शारदा पति इमरत लोधी (55) का शव पानी से बाहर निकाला गया। इसके कुछ देर बाद दो बच्चों के भी शव पानी से बाहर निकाले गए। अब चार लोगों की तलाश की जा रही है।

सुविचार: मुश्किलें हर किसी के जीवन में आती है आप उससे आगे कैसे बढ़ते हो वो आपके ऊपर है ।

उत्तम ने बजट को किसानों और लोगों के कल्याण के लिए परिवर्तनकारी बताया

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को विधानसभा में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू द्वारा प्रस्तुत 2025-26 के लिए तेलंगाना के 3.04 लाख करोड़ रुपये के बजट की सराहना करते हुए इसे एक साहसिक और प्रगतिशील वित्तीय योजना बताया है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी, कृषि को बढ़ावा देगी और समाज के सभी वर्गों के लिए सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करेगी। बजट प्रस्तुति के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि बजट में किए गए आवंटन मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सतत विकास, ग्रामीण सशक्तिकरण और खाद्य सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिंचाई और नागरिक आपूर्ति में प्रमुख निवेश से दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे किसानों, ग्रामीण समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ होगा।

सिंचाई और कमांड क्षेत्र विकास के लिए 23,373 करोड़ रुपये के आवंटन पर अपनी मजबूत स्वीकृति व्यक्त करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि बजट में लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने और नई परियोजनाएं शुरू करने को प्राथमिकता दी गई है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि तेलंगाना के किसानों को निर्बाध जल आपूर्ति मिलती रहे।उन्होंने उदय समुद्रम-ब्राह्मण वेलमाला लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर प्रकाश डाला, जो उदय समुद्रम संतुलन जलाशय से ब्राह्मण वेलमाला संतुलन जलाशय में 6.70 टीएमसी पानी उठाएगी। इस परियोजना को एक लाख एकड़ भूमि की सिंचाई और नलगोंडा और यादाद्री भुवनागिरी जिलों के 107 फ्लोराइड प्रभावित गांवों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे सूखाग्रस्त क्षेत्रों को बहुत जरूरी राहत मिलेगी। उन्होंने मूसी परियोजना के तहत बुनादिगानी नहर के पुनरोद्धार के लिए 266.65 करोड़ रुपये के आवंटन का भी स्वागत किया, जो यदाद्री जिले में किसानों के लिए जल वितरण को बढ़ाएगा, जिससे बेहतर कृषि उत्पादन सुनिश्चित होगा।

जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए, उत्तम कुमार रेड्डी ने जल उपयोग की निगरानी के लिए एक वास्तविक समय टेलीमेट्री प्रणाली को लागू करने की सरकार की योजना की प्रशंसा की, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और कुशल हो गई।

नागरिक आपूर्ति मंत्री के रूप में, उत्तम कुमार रेड्डी ने नागरिक आपूर्ति विभाग के लिए 5,734 करोड़ रुपये के आवंटन पर संतोष व्यक्त किया, जो लाखों तेलंगाना परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। उन्होंने विशेष रूप से बढ़िया चावल खरीद के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस पर प्रकाश डाला, जिसने बढ़िया चावल की खेती को 25 लाख एकड़ से बढ़ाकर 40 लाख एकड़ करने के लिए प्रोत्साहित किया है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य की धान खरीद प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि किसानों को उचित मूल्य मिले और उन्हें बाजार में उतार-चढ़ाव से बचाया जाए।

जीएचएमसी को बजट में 3101.21 करोड़ रुपए के आवंटन पर महापौर खुश

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएच एमसी गदवाल विजयलक्ष्मी ने राज्य बजट में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को 3101.21 करोड़ रुपये आवंटित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सार्वजनिक सरकार के सत्ता में आने के बाद से जीएचएमसी की वित्तीय कठिनाइयों को हल करने के उनके प्रयासों के लिए राज्य के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पहले जीएचएमसी कर्मचारियों के वेतन और भत्ते का भुगतान करना मुश्किल था, लेकिन जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आई तो बजट में 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए और सरकार ने अपने वादे के अनुसार काम किया। महापौर ने बताया कि पंजीकरण और म्यूटेशन के माध्यम से जीएचएमसी को मिलने वाले 3030 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। महापौर ने बताया कि इन निधियों से पहले दिन ही कर्मचारियों को वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा तथा बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके लिए प्रत्येक जोन को 25 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने हैदराबाद को एक वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने के प्रयासों के लिए सरकार को धन्यवाद दिया, जिसमें शहर भर में यातायात की समस्या को दूर करने के लिए एच सिटी के माध्यम से 7032 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सड़क चौड़ीकरण, आरओबी, अंडरपास और फ्लाईओवर सहित लगभग 40 कार्य शामिल हैं, जो इस वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार द्वारा जीएचएमसी को आवंटित धन के अतिरिक्त है।

शहर के सौन्दर्यीकरण के लिए 150 करोड़ रुपये, जल धारण संरचना निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये तथा नाला विकास के लिए 100 करोड़ रुपये है। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि 585 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत करने का श्रेय इस सरकार को जाता है।

हैदराबाद धार्मिक सद्भाव का प्रतीक : पोन्नम प्रभाकर

सिटी पुलिस ने 'दावत-ए-इफ्तार' का आयोजन किया

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने रमज़ान के पवित्र त्योहार को मनाने के लिए चौमहल्ला पैलेस में 'दावत-ए-इफ्तार' का आयोजन किया। इफ्तार दावत में वरिष्ठ अधिकारियों और राजनेताओं के अलावा विभिन्न मुस्लिम परिवारों के लगभग 1500 रोजेदारों ने भाग लिया। इफ्तार इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने, रमज़ान के पवित्र महीने के दौरान दैनिक उपवास समाप्त करने के लिए सूर्यास्त के बाद लिया जाने वाला भोजन है। मग़रिब की नमाज़ के बाद सूर्यास्त के समय इफ्तार किया जाता है। इस अवसर पर पोन्नम प्रभाकर, मंत्री परिवहन और बीसी कल्याण तेलंगाना और हैदराबाद के प्रभारी मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए और तेलंगाना के डीजीपी जितेंद्र हैदराबाद, सीवी आनंद डीजी सीपी हैदराबाद ने स्वागत भाषण के बाद अन्य अतिथियों के साथ उपवास तोड़ा। परिवहन और बीसी कल्याण,

तेलंगाना और हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सभी मुस्लिम भाइयों को रमजान की शुभकामनाएं दीं और कहा कि हैदराबाद धार्मिक सद्भाव का प्रतीक है। हैदराबाद के बारे में अनोखी बात यह है कि हर कोई किसी भी तरह का त्योहार मनाने के लिए एक साथ इकट्ठा होता है। हर मुसलमान खुशी से रमज़ान का त्योहार मनाए, हमने रमज़ान का त्योहार मनाने के लिए सरकार की ओर से सभी व्यवस्थाएं की हैं। मैं हैदराबाद का प्रभारी मंत्री बनकर खुश हूं।' उन्होंने कहा कि अगर यह इफ्तार दावत पुराने शहर चौ महल पैलेस में आयोजित की जाती है तो यह बहुत खास है सी.वी.आनंद डीजी सीपी हैदराबाद ने कहा कि मेरा निमंत्रण स्वीकार करने और इस इफ्तार रात्रिभोज में आने के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा, "आज शाम हम एक पवित्र परंपरा का सम्मान करने और शांति और प्रेम के संदेश का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए हैं। आइए हम सद्भाव और सद्भावना को साकार करने का प्रयास करें। मीर जुल्फेकार अली (एआईएमआईएम), विधान सभा सदस्य, चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र, हैदराबाद, जफर हुसैन मेराज (एआईएमआईएम), विधान सभा सदस्य, याकूतपुरा निर्वाचन क्षेत्र, हैदराबाद, अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला, (एआईएमआईएम), विधान सभा सदस्य, मलकपेट निर्वाचन क्षेत्र, हैदराबाद, विक्रम सिंह मान, आईपीएस, अतिरिक्त।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Durgesh Shekhawat, wife of Mr Bhawani Singh Shekhawat presently residing at Vill- Pandit-pura, PO- Paota, Teh- Kotputali, Distt- Jaipur (Rajasthan) PIN-303106 have changed my name from Durgesh Kanwar to Durgesh Shekhawat vide affidavit dt 15th Mar 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad.

I, Chaudhari Jayshri Devendra, wife of Mr Chaudhari Devendra Raghunath presently residing at Vill & PO- Ful-gaon, Teh- Bhusawal, Distt- Jalgaon (Maharashtra) PIN- 425305 have changed my name from Chaudhari Jayashri Devendra to Chaudhari Jayshri Devendra vide affidavit dt 15th Mar 2025 before P Raveendranath Advo-cate and Notary, Secunderabad.

I, Dwarakabai Kalyan Hande mother of Mr Hande Bhalchandra Kalyan presently residing at Vill & PO- An-tarwali (Khandi), Teh- Paithan, Distt- Aurangabad (M.H.) PIN-431121 have changed my name from Dwarka Bai to Dwarakabai Kalyan Hande vide affidavit dt 15th Mar 2025 before P Raveendranath Ad-vocate and Notary, Secunderabad.

I, Kalyan Narayan Hande father of Mr Hande Bhalchandra Kalyan presently residing at Vill & PO- An-tarwali (Khandi) , Teh- Paithan, Distt- Aurangabad (M.H.) PIN-431121 have changed my name from Hande Kalyan Narayan to Kalyan Narayan Hande vide affidavit dt 15th Mar 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

महिंद्रा यूनिवर्सिटी ने की पीजी दाखिले की घोषणा

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महिंद्रा विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा की है। इसमें एमटेक, एमबीए, एमए एजुकेशन, एलएलबी (ऑनर्स), एमडीईएस और एमजेएमसी कार्यक्रम शामिल हैं। एमजेएमसी कार्यक्रम के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए विज्ञान, कला, वाणिज्य, इंजीनियरिंग या डिजाइन में स्नातक की डिग्री आवश्यक है और प्रवेश एक प्रवेश परीक्षा और उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से होगा। प्रवेश परीक्षाओं के बदले सीयूईटी (पीजी) और जीआरई (सामान्य) स्कोर स्वीकार किए जाएंगे। एमडीएस कार्यक्रम के लिए आवेदकों को प्रासंगिक चार वर्षीय डिग्री (इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, बीएफए, या समकक्ष) या कला, विज्ञान, या कंप्यूटर एप्लीकेशन में मास्टर डिग्री के साथ पेशेवर अनुभव की आवश्यकता होगी। प्रवेश एक प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होगा जिसके बाद एक साक्षात्कार होगा और प्रवेश परीक्षा के बदले सीयूईटी (पीजी) और सीईईडी स्कोर स्वीकार किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अन्य स्कूलों, जिनमें इकोले सेंट्रल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, इंदिरा महिंद्रा स्कूल ऑफ एजुकेशन, स्कूल ऑफ लॉ और स्कूल ऑफ मैनेजमेंट शामिल हैं, द्वारा प्रस्तावित मास्टर डिग्री कार्यक्रमों के लिए पात्र स्नातकों और स्नातकोत्तर छात्रों से भी आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जा सकते हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं. वाय/सी.210/हाल्ट/नोटिफिकेशंस/2024-25, दि.14-03-2025

PUB/0281

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, सिकंदराबाद-500025 द्वारा निम्न विवरित अवधि के लिए, अनुबंध के आधार पर, हाल्ट एजेंट्स की नियुक्ति हेतु, योग्य व्यक्तियों से प्रधान रुप से जहां पर तत्संबंधित हाल्ट स्टेशन स्थित हो, तत्संबंधित स्थायी निवासियों से आवेदन आमंत्रित हैं। जिन हाल्ट स्टेशनों पर हाल्ट एजेंट की नियुक्ति की जा रही है, का विवरण निम्न प्रकार है:

क्रम सं.	हाल्ट स्टेशन का नाम/कोड:	समीपीय स्टेशन	तत्संबंधित स्टेशनों के मध्य स्थित	सेक्शन	अनुबंध अवधि
1	श्रीनिवास नगर (एसएचएएन)	मसाइपेट	मसाईपेट से वाडियारम	सिकंदराबाद-मुदखेड	(5) पांच वर्ष
2	अलवाल (एएलडब्ल्यू)	बोलारम	मलकाजगिरी से बोलारम	सिकंदराबाद-मुदखेड	
3	बोलारम बाजार(बीओजेड)	बोलारम	मलकाजगिरी से बोलारम	सिकंदराबाद-मुदखेड	
4	आप्पाइपल्ली(एपीएमआर)	गजवेल	मनोहराबाद से गजवेल	मनोहराबाद-सिध्दिपेट	
5	नाचारम(एनसीआरएम)	मनोहराबाद	मनोहराबाद से गजवेल	मनोहराबाद-सिध्दिपेट	अस्थायी-ब्लाक स्टेशनों के रुप में स्टेशनों की स्थापना होने तक
6	लखुदरम(एलकेडीएम)	गजवेल	गजवेल से सिध्दिपेट	मनोहराबाद-सिध्दिपेट	
7	दुद्देडा (डीडीडीए)	सिध्दिपेट	गजवेल से सिध्दिपेट	मनोहराबाद-सिध्दिपेट	
8	कुन्सी (केयूएसआई)	मगनूर	मगनूर से कृष्णा	देवरकद्रा-कृष्णा	(5) पांच वर्ष
9	दसरादोड्डी(डीडीडीआई)	मगनूर	जकलैर से मगनूर	देवरकद्रा-कृष्णा	

आवेदन प्रक्रिया: यथावत रुप से भरे हुए एवं सभी संलग्नकों के साथ पूर्ण आवेदनों को, लिफाफे में डालकर, समुचित तौर पर मुहरबंद करके, निम्न विवरित लोकेशन पर रखे हुए ड्राप बाक्स में डालना चाहिए।

पता/लोकेशन:	टेंडर हाल, डीआरएम/एचवायबी कम्पाउण्ड, ओल्ड आरपीएफ आफिस, हैदराबाद भवन के बाजू, सिकंदराबाद-500025
तिथि	28.03.2025
समय	सु.10.00 से दोप.12.00 बजे

टिप्पणी:

दि. 28.03.2025 के दोप.12.00 के बाद प्राप्त आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा।

उपरोक्त निविदा के किसी भी स्पष्टीकरण एवं विवरण हेतु आप, किसी भी कार्यालयीन दिनों में व्यापार समय के दौरान विभागीय रेल प्रबंधक(वाणिज्यिक) का कार्यालय, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025 पर संपर्क कर सकते हैं।

तत्संबंधित आवेदनों को दक्षिण मध्य रेलवे की वेबसाइट (www.scr.indianrailways.gov.in) से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

A0352 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

"सरल साइबर स्वच्छता कदम" पर व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की सतर्कता शाखा ने रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में "साइबर ब्लैक बेल्ट बनना: साइबर अपराधियों को मात देने के लिए सरल साइबर स्वच्छता कदम" पर व्याख्यान आयोजित किया। सतर्कता शाखा द्वारा क्षमता निर्माण पहल के तहत "फोर्टिफाई लेक्चर सीरीज" के तहत यह दूसरा व्याख्यान है। वर्तमान में रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, सतर्कता अनीश प्रसाद ने मुख्य वक्ता के रूप में साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क और बरती जाने वाली सावधानियों पर व्याख्यान दिया। नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर; जे. विनयन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, एससीआर अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए, अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में धोखेबाजों से

हमारे डेटा की सुरक्षा करना एक बड़ी आवश्यकता है और आग्रह किया कि किसी भी दुरुपयोग से बचने के लिए पासवर्ड सुरक्षा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह सत्र प्रतिभागियों के ज्ञान को समृद्ध करने और दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए साइबर लचीलेपन की उनकी समझ को बढ़ाने में अत्यधिक लाभकारी होगा। जे. विनयन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक ने अपने भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि रेलवे टिकटिंग जैसे बड़े पैमाने पर सार्वजनिक उपभोग के क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों में इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर सुरक्षा और स्वच्छता समय की मांग है। अनीश प्रसाद, कार्यकारी निदेशक (पुलिस) आईआईटी बीएचयू से बी.टेक, पुलिस प्रबंधन में परास्नातक, साइबर कानून में डिप्लोमा और यूनाइटेड किंगडम की रक्षा अकादमी से शेवनिंग साइबर सुरक्षा फैलोशिप की शैक्षणिक पृष्ठभूमि से है। सीबीआई में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने नेटवर्क सुरक्षा, आईसीटी रखरखाव, ई-गवर्नेंस परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी आदि के लिए एसओपी बनाए हैं। व्याख्यान के भाग के रूप में अनीश प्रसाद ने साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता के रखरखाव के विभिन्न विषयों को कवर किया। प्रतिभागियों को खच्चर खातों के संचालन, डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर हमलों से सुरक्षा, क्रिप्टोकरेंसी और अपराध, डार्कनेट और डीप वेब और साइबर कानून के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। उन्होंने व्यक्तिगत जीवन में साइबर स्वच्छता, साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा, कार्यस्थल पर डेटा सुरक्षा आदि के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन भी किया। एससीआर सतर्कता विभाग अपनी बहुमुखी भूमिका में अपने संचालन की अखंडता की रक्षा, संवेदनशील डेटा की सुरक्षा और जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता को प्राथमिकता दे रहा है। आज का व्याख्यान मुख्य रूप से अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से है।

हनमकोंडा में नर्सिंग कॉलेज जब्त

वारंगल, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) के अधिकारियों ने पिछले तीन वर्षों से 44 लाख रुपये के संपत्ति कर का भुगतान नहीं करने पर हनमकोंडा में जया नर्सिंग कॉलेज को जब्त कर लिया। डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर रविंदर ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन ने दावा किया है कि संपत्ति के संबंध में कोर्ट में मामला लंबित है और फिर भी कॉलेज चलाया जा रहा है। कॉलेज को जब्त कर लिया गया क्योंकि प्रबंधन जीडब्ल्यूएमसी द्वारा जारी किए गए लाल नोटिस का जवाब देने में विफल रहा, जिसमें बकाया कर का भुगतान करने की मांग की गई थी। उन्होंने नागरिकों से संपत्ति कर और नल कनेक्शन का बकाया चुकाने की अपील करते हुए बताया कि जीडब्ल्यूएमसी अधिकारियों ने पिछले एक सप्ताह में संपत्ति कर का भुगतान न करने पर 356 संपत्तियों को जब्त किया है।

3 रियल एस्टेट एजेंट गिरफ्तार

खम्मम में एक महीने में तीसरा मामला

खम्मम, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने कहा कि सीसीएस पुलिस ने अनियमितताएं बरतने वाले और निर्दोष लोगों से लाखों रुपये लूटने वाले रियल एस्टेट व्यापारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीपी ने बताया कि खम्मम ग्रामीण मंडल के नायडूपेटा के आरोपी मनुकोंडा श्रीनिवास और खम्मम शहर के तल्लापल्ली राजगिरि और खम्मम के श्रीनिवास नगर के सिलिवरु रवि ने कई भूखंडों के लिए झूठे दस्तावेज बनाए जो उनसे संबंधित नहीं थे और उन्हें अग्रहारम क्षेत्र के सर्वेक्षण संख्या 42/ई और 42/ईई के तहत कई लोगों को बेच दिया।

तीनों ने मिलकर लोगों से 5 लाख रुपए तक की ठगी की और इसी तरह दो अन्य लोगों से 25 लाख रुपए तक की ठगी की। पारसीबंदम इलाके के विनुकोंडा मरियाना की शिकायत पर सीसीएस पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दत्त ने सुझाव दिया कि जमीन और

प्लॉट खरीदने से पहले लोगों को फील्ड में जाकर जांच कर लेनी चाहिए कि संबंधित दस्तावेज सही हैं या नहीं। हाल ही में, रियल एस्टेट व्यापारी/भूमि मालिक प्लॉट विकसित करने और उन्हें फाइनेंसरों के साथ पंजीकृत करने के नाम पर फाइनेंसरों से पैसे ले रहे थे।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि कई शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि उन्हीं प्लॉटों को पैसे लेकर तथा जीपीए किसी और को देकर उनकी रजिस्ट्री न करके धोखाधड़ी की जा रही थी। उल्लेखनीय है कि खम्मम पुलिस ने रियल एस्टेट धोखाधड़ी के तीन मामलों में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें उपरोक्त मामला भी शामिल है। पशुपालन विभाग के उप निदेशक वेंकट नारायण पर 8 मार्च को खम्मम दो-शहर पुलिस ने फ्लैटों के लिए पैसे लेने के बावजूद वेलुगुमटला क्षेत्र में चार एकड़ जमीन पर अपार्टमेंट विकसित करने के लिए खरीदारों के साथ किए गए समझौते का सम्मान न करने के आरोप में मामला दर्ज किया था।

3 मार्च को खानापुरम हवेली पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के साथ रियल एस्टेट कारोबार करने और जनता को धोखा देने के आरोप में मथुरा नगर क्षेत्र के शेख बड़े साहब और चिंताकानी मंडल के पथरलापाडु के कोथापल्ली वेंकटेश्वरलु और टिपपर्ती अशोक कुमार (राजस्व निरीक्षक) के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसी प्रकार, एक महीने पहले कोनिजेरला पुलिस स्टेशन में एक स्थानीय रियल एस्टेट उद्यम की भूमि का 64 अवैध पंजीकरण करने के आरोप में नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-24-25-WC-32, दिनांक : 10.03.2025

कार्य का नाम: सिह्माचलम से संबंधित विद्युतीकरण कार्य-सहायक मण्डल अभियन्ता/MYD/वाल्टियर के अधीन प्लेटफॉर्म नं.2 की ओर चंद्रनगर गांव तक 3 मीटर चौड़ाई युक्त फुट ओवर ब्रिज (FOB) के विस्तार हेतु प्रस्ताव।

निविदा मूल्य (रुपये में): 76,78,288.84, बिड सिक्युरिटी (रुपये में): 1,53,600/-।

(2)निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-24-25-WC-28, दिनांक : 11.03.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के विशाखापट्टनम स्थित कोच केयर सेंटर (NCC),डीजल लोको शेड (DLS) एवं इलेक्ट्रिक लोको शेड (ELS) में पिट लाइन, सिक लाइन, कैटवॉक इत्यादि में रोशनी का उन्नयन के साथ विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था के लिए रख-रखाव सुविधाओं का उन्नयन।

निविदा मूल्य (रुपये में): 2,45,82,836.98, बिड सिक्युरिटी (रुपये में): 2,72,900/-।

(3)निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-24-25-WC-29, दिनांक : 11.03.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के KK-I, KK-II, RV एवं KR सेक्शन में कम घनत्व वाला रेलवे नेटवर्क (1563 Rkm) में स्वदेशी रेल टक्कर निवारण प्रणाली (TCAS) का प्रावधान।

निविदा मूल्य (रुपये में): 1,21,71,095.10, बिड सिक्युरिटी (रुपये में): 2,10,900/-।

पूरा होने की अवधि : 240 दिन (सभी निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 01.04.2025 को 1330 बजे (क्रम सं.1 हेतु) एवं दिनांक: 04.04.2025 को 1330 बजे (क्रम सं.2 एवं 3 हेतु)।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (G)/वाल्टियर

PR-1105/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. eT-BR-WAT-04-2025 दिनांक: 12.03.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के दुसी-पोंदुरु सेक्शन में लांगुलिया नदी के उपर कि.मी. 755/27-756/1 पर अनुकूल कैम्बर (Suitable Camber) आदि को ध्यान में रखते हुए सभी विवरण के साथ अहम पुल सं. 1383 UP (6X45.7M+1X41.7M) के सुपरस्ट्रक्चर (ओपन वेब गर्डर) में 45.7M एवं 41.7M के स्पैन के लिए विस्तृत डिजाइन का आकलन (Calculation) एवं ड्रॉइंग की तैयारी एवं प्रस्तुति, जिसमें नवीनतम रेलवे बोर्ड दिशानिर्देश और IRS, BIS, IRBR, IRBC एवं अन्य ब्रिज नियमों के अनुसार DSDC ट्रैफिक एवं 25T एक्सल लोड के अनुकूल उनकी व्यवस्था के साथ बियरिंग, साइट की स्थितियों के अनुरूप रेल के शीर्ष तथा मौजूदा बेड के शीर्ष के बीच की ऊंचाई 1200 से 1300 MM तक सीमित रखना एवं रेलवे / RDSO दिशानिर्देश के अनुसार, बीयरिंग के लिए डिजाइन लोड डाटा के साथ साथ प्रासंगिक IRS / IS कोड के अनुसार सक्षम रेलवे प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करना शामिल है।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 99,12,000.00, EMD : ₹ 1,98,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 04 (चार) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 08.04.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल अभियंता (ब्रिज)/वाल्टियर

PR-1100/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

(1) लॉट नं./वर्ग : ADVT-Int-131667-2-24-1(Advertising-Train Interior)

विवरण ट्रेन नं.18519/18520 विशाखापट्टनम-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस के लिए ट्रेन इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल विज्ञापन का प्रदर्शन।

(2) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-131668-2-24-1 (Advertising-Train Interior)

विवरण: ट्रेन लिंक नं.20805/20806 विशाखापट्टनम-नयी दिल्ली-विशाखापट्टनम एपी सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल विज्ञापन का प्रदर्शन।

(3) लॉट नं./वर्ग : ADVT-Int-131905-3-24-1 (Advertising-Train Interior)

विवरण: ट्रेन लिंक नं. 20807/20808 विशाखापट्टनम-अमृतसर-विशाखापट्टनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं 20811/20812 विशाखापट्टनम-हुजूर साहिब नान्देड-विशाखापट्टनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल विज्ञापन का प्रदर्शन।

(4) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-129368-2-24-1(Advertising-Train Interior)

विवरण: ट्रेन नं.12861/12862 विशाखापट्टनम-महबूबनगर-विशाखापट्टनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल विज्ञापन का प्रदर्शन।

(5) लॉट नं./वर्ग : ADVT-Int-131665-2-24-1(Advertising-Train Interior)

विवरण: 12807/12808 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम समता सुपरफास्ट एक्सप्रेस की रेल लिंक के साथ ट्रेन नं.12803/12804 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम स्वर्णजयंती सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल विज्ञापन का प्रदर्शन।

दर यूनिट: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (सभी क्रम सं. हेतु), ट्रिप/दिवस: 1096 (सभी क्रम सं. हेतु), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (सभी क्रम सं. हेतु), लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (सभी क्रम सं. हेतु)।

लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय: दिनांक 20.03.2025 को 1100 बजे (सभी क्रम सं. हेतु), **लॉट समाप्त होने की तिथि व समय:** दिनांक 20.03.2025 को 1130 बजे (क्रम सं.1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं.2 हेतु), 1150 बजे (क्रम सं.3 हेतु), 1200 बजे (क्रम सं.4 हेतु) एवं 1230 बजे (क्रम सं.5 हेतु)।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल वणिज्य प्रबंधक-II/वाल्टियर

PR-1104/P/24-25

राजस्थान के सीएम के फैसले से खुश हुए अखिलेश यादव

कहा- सुपा का काम राजस्थान के नाम, इससे नारी सुरक्षा पर सार्थक व्यवस्था तैयार होगी

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राजस्थान सरकार के एक फैसले से काफी खुश हैं। उन्होंने इसको लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट भी किया। कन्नौज सांसद ने लिखा- सपा के शासनकाल में उप्र में शुरु हुए 'महिला सुरक्षा' के लिए समर्पित '1090' मॉडल को अब राजस्थान सरकार अपना रही है। आशा है इससे राजस्थान में नारी की सुरक्षा की एक प्रभावकारी और सार्थक व्यवस्था तैयार होगी। उन्होंने कहा कि पीडीए के आंदोलन में आधी आबादी के रूप में स्त्री हमेशा महत्वपूर्ण रही है, इसीलिए समाजवादी सरकार में हर बालिका, युवती और नारी में सुरक्षा के भाव और उनमें आत्मविश्वास का संचार करने के लिए ऐसे सुरक्षात्मक क़दम उठाए गये थे। सकारात्मक काम, सकारात्मक राजनीति के लिए प्रेरणा बनते हैं, समाज को समर्पित सपा के कामों की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है। सपा का काम, राजस्थान के नाम! बीते दिनों राजस्थान पुलिस की एक टीम लखनऊ आई थी और उसमें वुमेन पावर लाइन 1090 के दफ्तर का दौरा किया था। यहां यूपी पुलिस के अधिकारियों ने टीम का सहयोग किया और उन्हें 1090 के काम और तौर-तरीकों से परिचित कराया। राजस्थान पुलिस के डिप्टी कमिश्नर, एडिशनल सुप्रीटेंडेंट महेश शर्मा और धर्मेंद्र कुमार ने दौरा किया। यूपी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि टीम ने वुमने पावर लाइन के काम को करीब से देखा। टीम ने 1090 द्वारा की जाने वाली काउंसलिंग और साइबर सेल के बारे में जानकारी ली। टीम ने 1090 और यूपी डायल 112 के बीच समन्वय का भी अध्ययन किया।

जमुई में पुलिस पर हमला करने वाले 13 आरोपी धराए

जमुई, 19 मार्च (एजेंसियां)। जमुई में पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने रात छापेमारी कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि टाउन थाना क्षेत्र के इस्लामनगर में एक सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत के बाद दो ट्रकों को जला दिया गया था। इस मामले के मुख्य साजिशकर्ता राजा कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। सिकंदरा थाना क्षेत्र के अकोनी गांव में कुछ युवकों ने आग लगाने का प्रयास किया। पुलिस के रोकने पर उन्होंने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस घटना में आठ युवकों को गिरफ्तार किया गया है। खैरा थाना क्षेत्र के भोड़ गांव में बालू माफिया ने चरखापत्थर थाना प्रभारी अनिरुद्ध कुमार पर हमला किया था। इस मामले में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में उमेश मांझी, कांग्रेस मांझी, गिरधारी मांझी और चपरा मांझी शामिल हैं। एसडीपीओ ने बताया कि अन्य अज्ञात अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान जारी है। साथ ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित कार्रवाई की जा रही है।

भाभी के साथ रिलेशन में पति दहेज में मांग रहा गाय और भैंस

गाजीपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक महिला ने अपने पति, जेठ सहित कुल 10 लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि पति उसे छोड़कर भाभी के साथ रिलेशन में है। जब उसने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट हुई। वहीं, पति के बड़े भाई ने भी उसके साथ अश्लील हरकत की। उसे घर से भी निकाल दिया गया है। ससुराल वाले उससे कार, कैश और भैंस की डिमांड कर रहे हैं। मामला सादात थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां की एक युवती की शादी 25 मई 2021 को को हुई थी। आरोप है कि युवती के परिवार के लोगों ने दहेज के रूप में कैश, जेवरात सहित अन्य सामान भी दिए थे। लेकिन शादी के बाद भी ससुराल के लोगों का दिए हुए दहेज से मन नहीं भर रहा था। इसके चलते विवाहिता को आए दिन परिवार के सभी सदस्यों के द्वारा ताना दिया जाता था। युवती का पति नेवी में काम करता है। ससुरालवाले शादी में चार पहिया गाड़ी, भैंस और गाय की डिमांड कर रहे थे। लेकिन ये सब नहीं मिला था।

सुनीता के लौटने पर पक्ष-विपक्ष एकमत

डिप्टी सीएम केशव और सपा नेता अखिलेश भी हुए खुश

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश क राजनीति में यह अक्सर देखा गया है कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव एक ही मुद्दे पर एकमत नहीं होते। हालांकि अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के 9 महीने बाद धरती पर वापस लौटने को लेकर दोनों ही नेताओं ने खुशी जाहिर की है। इस मुद्दे पर यूपी में पक्ष और विपक्ष दोनों एकमत हैं। सुनीता विलियम्स की वापसी पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों में भारत का नाम रोशन करने वाली सुनीता विलियम्स के अदम्य साहस और धैर्य को नमन। उन्होंने लिखा- लगभग नौ महीने तक अंतरिक्ष में अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करने के बाद उनकी सुरक्षित वापसी हम सभी के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। डिप्टी सीएम ने लिखा- उन्होंने अपने संकल्प,

समर्पण और अद्वितीय धैर्य से एक मिसाल कायम की है कि कोई भी चुनौती अडिग इच्छाशक्ति के आगे छोटी पड़ जाती है। उनकी इस अद्भुत संकल्पशक्ति और जज़्बे पर हमें गर्व है।

अखिलेश यादव ने क्या लिखा?

वहीं सपा नेता अखिलेश यादव ने लिखा- सुनीता विलियम्स जी की सकुशल वापसी पर हार्दिक स्वागत और बधाई। अंतरिक्ष की उड़ान मनुष्य के ज्ञान-विज्ञान की उपलब्धि के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी सुदृढ़ आधार बनती है क्योंकि अंतरिक्ष की ऊंचाइयों से पृथ्वी को देखने से ये प्रतीत होता है कि जब वहाँ से हजारों मील फैले देशों में कोई अंतर नहीं दिखता है तो फिर उन भेदभाव का अस्तित्व ही क्या है जो मनुष्यों के बीच में होते हैं। अखिलेश ने लिखा- अंतरिक्ष मानवीय सोच को भी सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण बनाता है या यूँ कहें कि अंतरिक्ष संकीर्णताओं को मिटाता है और इंसानी नज़रिये और ख़यालात को भी अंतरिक्ष जैसा विस्तार देता है।

दहेज में स्कॉर्पियो नहीं मिली तो नवविवाहिता की हत्या

मोतिहारी, 19 मार्च (एजेंसियां)। मोतिहारी में दहेज के लिए एक नवविवाहिता की कथित हत्या का मामला सामने आया है। तुरकौलिया थाना क्षेत्र की यह घटना 25 दिसंबर को हुई शादी के बाद की है। मृतका गुलिस्ता खातून (20) की शादी तुरकौलिया के माधोपुर तनसरिया निवासी अख्तर देवान के बड़े बेटे इरशाद आलम से हुई थी। मृतका के पिता खुर्शीद आलम ने बताया कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले स्कॉर्पियो गाड़ी की मांग कर रहे थे। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने गुलिस्ता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। ससुराल पक्ष का दावा है कि गुलिस्ता की मौत सीढ़ी से गिरने के कारण हुई। हालांकि, पिता का आरोप है कि यह एक सोची-समझी साजिश है। खुर्शीद आलम ने बताया कि ससुराल पक्ष ने केस दबाने के लिए पैसों का प्रस्ताव भी दिया। पीड़ित परिवार न्याय के लिए थाना, डीएसपी और एसपी कार्यालय का चक्कर लगा रहा है। उनका आरोप है कि पुलिस ससुराल पक्ष के प्रभाव में है। तुरकौलिया थानाध्यक्ष सुनील कुमार के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और केस का सुपरविजन रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

'बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के लोग तो दंगाई हैं'

नागपुर की घटना पर बोले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव

पूर्णिया, 19 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने प्रदर्शन किया जिसके बाद सेंट्रल नागपुर में सोमवार को हिंसक घटनाएं हुईं। इस बीच बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की प्रतिक्रिया आई है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि बजरंग दल या विश्व हिंदू परिषद, ये लोग दंगाई हैं। संविधान विरोध हैं। देश विरोधी हैं। इंसान विरोधी हैं। मानवतावादी विरोधी हैं। इन लोगों पर तो आजीवन प्रतिबंध लगा देना चाहिए। पप्पू यादव ने कहा, जो संविधान से ऊपर हो जाए और गीता, कुरान, बाइबिल की आध्यात्मिकता और उदारवादी मानवीय मूल्यों के इतर हो जाए, ऐसी संस्था और ऐसे लोगों की जगह जेल में या श्मशान में होनी चाहिए। देश की संप्रभुता, संस्कृति और आध्यात्मिकता से कोई समझौता नहीं करना चाहिए। इन सभी को सरकार का संरक्षण मिलता है। हाथी के खाने के दांत कुछ होते हैं दिखाने के दांत कुछ होते हैं। इन लोगों को तो पूरी सुरक्षा मिलती है। सांसद पप्पू यादव ने आगे कहा, औरंगजेब या कोई इतिहास सही है या गलत है इसका समय अभी नहीं है। हर चीज में कुर्सी और सियासत ढूंढने की जरूरत नहीं है। हर मिनट हर सेकेंड नफरत को ढूंढने की जरूरत नहीं है। इसलिए मेरा मानना क्लियर है कि देश की प्रगति पर असर पड़ रहा है। देश की इकोनॉमी पर असर पड़ रहा है।

50 दिन बाद जेल से बाहर आए कांग्रेस सांसद राकेश राठौर, बंधक बनाने और रेप करने का है आरोप

सीतापुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की कोर्ट ने बीएनएस की धारा 69 के तहत दर्ज एक मामले में कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को जमानत दे दी, जिसके बाद वह बुधवार सुबह जेल से बाहर आ गए। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने मांग की कि अगर उन्होंने कुछ गलत किया है तो उन्हे सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। कांग्रेस सांसद राकेश राठौर ने कहा, 'अगर मैंने कुछ गलत किया है, तो मैं अपने लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग करता हूं। यह मेरे लिए प्रायश्चित का समय था। जल्द ही सब कुछ साफ हो जाएगा। मैं इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहता था। मुझे पार्टी से पूरा समर्थन मिला है।' कांग्रेस सांसद पर बीएनएस की धारा 64 और 69 के तहत रेप का आरोप है। धारा 64 रेप के लिए सजा से संबंधित है, जबकि धारा 69 धोखे से यौन संबंध बनाने से संबंधित है। हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद को बीएनएस की धारा 64 के तहत दर्ज रेप के मामले में 11 मार्च को जमानत दे दी थी।

पीड़िता ने कांग्रेस सांसद पर क्या लगाए थे आरोप?

आरोपी कांग्रेस सांसद ने हाई कोर्ट बेंच के सामने दलील दी थी कि उसे राजनीतिक कारणों से झूठा फंसाया गया था और उनके खिलाफ कथित तौर पर घटना के चार साल बाद एफआईआर दर्ज की गई। राठौर के खिलाफ एफआईआर पीड़िता ने दर्ज कराई थी, जिसने 18 जनवरी, 2025 को कोतवाली थाने में रेप, आपराधिक धमकी और गलत तरीके से बंधक बनाने का आरोप लगाया था। महिला ने दावा किया कि आरोपी ने पार्टी की जिला इकाई में उसे पद देकर विश्वास जीतने के लिए अपने पद का इस्तेमाल किया। पुलिस ने चार्जशीट में बीएनएस की धारा 69 के तहत आरोप बाद में जोड़े थे इसलिए राठौर को इस मामले में पहले जमानत नहीं मिल सकी। पुलिस और अभियोजन अधिकारियों ने बताया कि राठौर को 30 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह सीतापुर जिला जेल में बंद थे। सीतापुर पुलिस ने उन्हें उनके घर से उस समय गिरफ्तार किया जब वह आरोपों पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

बिहार में मिली चार आंखों वाली रहस्यमयी मछली एरोप्लेन जैसे पंख देखकर सभी रह गए दंग

मोतिहारी, 19 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी जिले में एक अनोखी मछली ने सभी को चौंका दिया है। अरुणा नदी में स्थानीय युवकों द्वारा पकड़ी गई चार आंखों वाली मछली को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह अमेरिका की अमेजन नदी में पाई जाने वाली सकर माउथ कैटफिश है। जो भारत के जलस्रोतों के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। भारत-नेपाल सीमा के पास झरौखर थाना क्षेत्र के पीठवा गांव में कुछ स्थानीय युवक मछली पकड़ रहे थे। जब उनके जाल में यह अजीबोगरीब मछली फंस गई। इसके चार आंखें और एरोप्लेन जैसे पंख देखकर सभी दंग रह गए।

इलाहाबाद एचसी ने एएमयू को इस मामले में सतर्कता बरतने के दिए निर्देश, कहा- मनमानी थी कार्रवाई

अलीगढ़, 19 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) को प्रवक्ता पद पर नियुक्ति में पात्रता मापदंड को लेकर किसी प्रकार की अस्पष्टता से बचने के लिए अपने भावी विज्ञापनों में सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। अदालत ने विश्वविद्यालय में प्रवक्ता (रसायन विज्ञान) पद के लिए पात्रता को लेकर जारी विवाद के मामले में सुनवाई करते हुए यह निर्देश पारित किया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने 2019 और 2020 में प्रवक्ता (रसायन विज्ञान) के पद के लिए विज्ञापन जारी किया था, जिसमें "संबद्ध/प्रासंगिक/सहायक विषय" में स्नातकोत्तर डिग्री धारक को उक्त पद के लिए पात्र होने की बात कही गयी थी। अम्मा खातून और दो अन्य याचिकाकर्ताओं ने चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग की अनुमति के लिए अदालत का रुख किया। याचिकाकर्ताओं ने अदालत में दलील थी कि विज्ञापन में "संबद्ध/प्रासंगिक/सहायक विषय" जैसे शब्दों का उपयोग अस्पष्ट था, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई कि क्या औद्योगिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर इस पद के लिए योग्य है या नहीं। याचिकाकर्ताओं के वकील ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल की डिग्री एक सहायक विषय के तौर पर पात्रता रखती है और वे उक्त पद के लिए पात्र होंगे। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा, "इस तरह की अस्पष्टता दूर की जानी चाहिए और विश्वविद्यालय को पात्रता के बारे में स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए ताकि सभी पात्र उम्मीदवार विज्ञापन में दिए गए पद के लिए प्रतिभाग कर सकें।"

अदालत ने कहा कि विश्वविद्यालय की कार्रवाई मनमानी थी क्योंकि विश्वविद्यालय ने औद्योगिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री को सहायक विषय माना, वहीं दूसरी ओर मनमाने ढंग से यह निर्णय किया कि रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर उम्मीदवार नहीं मिलने पर अंत में दूसरे उम्मीदवारों पर विचार किया जाएगा। अदालत ने याचिका लंबित रहने के दौरान चयन प्रक्रिया पूरी किए जाने पर कहा कि इस चरण में पद पहले ही भरा जा चुका है,

मुख्तार अंसारी को स्पेशल सुविधाएं देने वाले जेलर को मिली नई तैनाती, गाजीपुर की जेल संभालेंगे

गाजीपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले की जेल एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई है। इस जेल की कमान अब नए जेलर को दी गई है। यहां राकेश कुमार वर्मा की जगह वीरेंद्र कुमार वर्मा को नया जेलर बनाया गया है। बड़ी बात ये हैं कि वीरेंद्र कुमार वहीं जेल हैं जो बांदा जेल में माफिया मुख्तार अंसारी को जेल में रहते हुए स्पेशल सुविधाएं देने के आरोप में सस्पेंड किए गए थे। उन्होंने जेल के नियमों को ताक पर रखकर मुख्तार को कई तरह की सुविधाएं दी थीं। माफिया मुख्तार अंसारी जब यूपी की बांदा जेल में बंद था तब वीरेंद्र कुमार वर्मा ही उस जेल के जेलर थे। इस दौरान उन्होंने जेल में मुख्तार को स्पेशल सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जेल के नियमों के विरुद्ध जाकर उन्होंने मुख्तार को पैसे लेकर अवैध फोन बूथ, बैरक आवंटन और प्राईवेट किचन में मनचाहा खाना जैसी सुविधाएं दी थी। उन्होंने मुख्तार के अलावा कुछ और कैदियों को भी इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई थी। वीरेंद्र वर्मा ने शाम को गाज़ीपुर जिला जेल के जेलर के तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले वीरेंद्र वर्मा 15 महीने निलंबित रह चुके हैं। निलंबन के बाद उन्हें पहले नवंबर 2024 को वाराणसी केंद्रीय कारागार के जेलर बनाया गया था

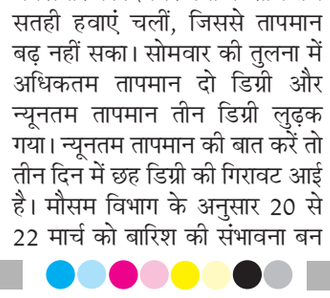

'सात दारोगा के हाथ पैर तुड़वाकर गड्ढे में फिंकवाया' यूपी के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने दिया विवादित बयान

सुल्तानपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संजय निषाद ने जनाधिकार यात्रा में पुलिस को लेकर विवादित बयान दिया है। उनके इस बयान का वीडियो भी सामने आया है। उन्होंने कहा, 'हम यहां ऐसे नहीं पहुंचे, 7 दारोगा के हाथ-पैर तुड़वाकर उसे गड्ढे में फिंकवाकर यहां पहुंचे हैं।' उनके इस बयान को लेकर विवाद हो गया है और विपक्षी दलों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जनाधिकार यात्रा के तहत चांदा के मदारडीह में एक जनसभा को संबोधित करते हुए संजय निषाद ने कहा, 'हम यहां ऐसे नहीं पहुंचे हुए हैं, सात दरोगा के हाथ-पैर तुड़वाकर उसे गड्ढे में फेंकवाकर यहां पहुंचा हूं।' संजय निषाद के इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने इसे कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बताया है। बता दें कि संजय निषाद इन दिनों अपने समाज को साधने के लिए संवैधानिक अधिकार यात्रा लेकर निकले हैं। यह यात्रा 30 नवंबर 2024 को सहारनपुर के मां शाकंभरी देवी शक्तिपीठ से शुरू हुई थी और सोनभद्र तक जाएगी। सुल्तानपुर में कई जगहों पर जनसभाएं हुईं, जिनमें चांदा बाजार की सभा में यह विवादित बयान सामने आया। सुल्तानपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा, 'समाजवादी पार्टी को यह सोचना चाहिए कि वे औरंगजेब को आदर्श मानते हैं या भगवान श्रीकृष्ण को। हम निषादराज को अपना आदर्श मानते हैं और आज भगवान राम को आदर्श मानने वाली सत्ता चल रही है। उन्होंने कहा कि सपा के कुछ नेता ही अपनी पार्टी के दुर्भाग्य का कारण बन रहे हैं और उसे 'समाप्तवादी पार्टी' बना रहे हैं।' बता दें कि संजय निषाद के इस विवादित बयान के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। अब देखना ये होगा कि संजय निषाद अपने इस बयान पर क्या सफाई देते हैं।

संभल की जामा मस्जिद की सुनहरे कलर हुई सफेदी:सदर बोले: पूरी मस्जिद को सफ़ेद कर दें, हमें कोई ऐतराज नहीं

संभल, 19 मार्च (एजेंसियां)। बुधवार को संभल के विवादित स्थल (जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर) की रंगाई-पुताई का आज चौथा दिन है। वहीं सुनहरी रंग के ऊपर सफेदी कर दी गई है इसको लेकर मस्जिद कमेटी का कोई विरोध नहीं है और एलईडी लाइटों की रोशनी से विवादित स्थल चमचम रहा है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश रोहित रंजन अग्रवाल के आदेश पर रंगाई-पुताई का काम शुरु हुआ है। एएसआई की देखरेख में करीब 15 मजदूर काम में लगे है। आपको बता दें कि बीती 13 मार्च को दो सदस्यीय टीम ने निरीक्षण कर लंबाई-चौड़ाई को नापा था।

यूपी में मौसम का बदला मिजाज, कल से आंधी-पानी की संभावना

प्रयागराज, 19 मार्च (एजेंसियां)। तापमान का उतार-चढ़ाव जारी है। अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 16.6 सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम है। दिनभर धूप खिली रही पर हवाओं ने तापमान बढ़ने नहीं दिया। ऐसे ही स्थिति बनी रहने की उम्मीद है। हालांकि गुरुवार 20 मार्च से मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिलेगा, गरज-चमक के साथ बारिश होने और तेज़ हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। यह सिलसिला 22 मार्च तक जारी रहेगा, जिससे तापमान में गिरावट होगी और गर्मी से राहत मिलेगी।

तापमान में तीन से छह डिग्री की गिरावट

मंगलवार को दिनभर गर्मी के साथ तेज सतही हवाएं चलीं, जिससे तापमान बढ़ नहीं सका। सोमवार की तुलना में अधिकतम तापमान दो डिग्री और न्यूनतम तापमान तीन डिग्री लुढ़क गया। न्यूनतम तापमान की बात करें तो तीन दिन में छह डिग्री की गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार 20 से 22 मार्च को बारिश की संभावना बन रही है, जबकि 23 मार्च से आसमान फिर साफ होने लगेगा और तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा। 24 मार्च तक तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अगले कुछ दिनों तक तेज हवा और बारिश की संभावना राहत देने वाली है।

मौसम बदला तो पांव पसारने लगी बीमारियां

एक तो गर्मी का शुरुआती मौसम, वहीं मच्छरों की भरमार। ऐसे में संक्रामक बीमारियां पांव पसारने लगी हैं। बुखार और अपच के मरीज इन दिनों बढ़ गए। कीटनाशक के छिड़काव में लेटलतीफी और कहीं-कहीं दूषित पानी 'आग में घी' बन रहा है। अस्पतालों की ओपीडी में मरीज खचाखच भरे रहे। इसके सापेक्ष पैथालाजी केंद्रों में जांच के लिए पर्चों की गड्डियां बन गई हैं। टीबी सप्रू चिकित्सालय 'बेली अस्पताल' में फिजीशियन की ओपीडी में पहुंचे शशि प्रकाश दुबे ने बताया कि तीन दिनों से बुखार है। डाक्टर ने उन्हें मौसम के दुष्प्रभाव से बीमार होने की बात बताई है, खून की जांच के लिए नमूना दिया है। रिपोर्ट 24 घंटे बाद मिलेगी। कटरा बाजार के शंकर गुप्ता का शरीर बुखार से तपता रहा। उन्हें सुबह शाम कंपकपी आ रही थी। डाक्टर ने मलेरिया की आशंका जताते हुए जांच के लिए परामर्श दिया। एसआरएन अस्पताल में इसी तरह के लगभग 60 मरीज पहुंचे। डाक्टरों ने इन पर मौसम के दुष्प्रभाव की आशंका जताई।

फ्लैट में चल रहा था देह व्यापार, छापा पड़ते ही मची भगदड़; लड़कियों को इस हाल में देख दंग रह गई पुलिस

नैनी, 19 मार्च (एजेंसियां)। मानस विहार अपार्टमेंट के एक फ्लैट में लंबे समय से चल रहे देह व्यापार का राजफाश हुआ है। नैनी पुलिस ने छापेमारी करते हुए संचालिका समेत पांच को गिरफ्तार किया गया है। इसमें दो नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं। पुलिस ने फ्लैट से आपत्तिजनक वस्तु, नशीली दवा सहित कई अन्य सामान बरामद किया है। सभी के खिलाफ देह व्यापार अधिनियम का मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों किशोरियों को संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। नैनी क्षेत्र में एडीए कॉलोनी के पास मानस विहार अपार्टमेंट है। यहां एक महिला ने करीब दो साल से एक फ्लैट को किराए पर ले रखा था। वहां रोजाना अलग-अलग महिलाएं और लड़कियां आती-जाती थीं। युवक भी आते-जाते रहते थे। कभी-कभी कार सवार लोग भी फ्लैट में जाते थे और देर रात बाहर निकलते थे। फ्लैट में संदिग्ध गतिविधि को लेकर चर्चा स्थानीय लोगों में होती रहती थी। इसी बीच कुछ लोगों ने एक स्वयंसेवी संस्था को इसके बारे में बताया। संस्था के पदाधिकारी नैनी थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। तब एसीपी करछना वरुण कुमार ने टीम गठित करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। इंस्पेक्टर नैनी ने फोर्स के साथ फ्लैट में छापेमारी की तो खलबली मच गई।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को दी राहत

व्यक्तिगत पेशी से छूट जारी रखी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को राहत देते हुए मानहानि मामले में व्यक्तिगत पेशी से छूट जारी रखी। दरअसल कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने शिवराज सिंह चौहान, मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। तन्खा का आरोप है कि राजनीतिक फायदे के लिए उनकी छवि को खराब किया गया। तन्खा का कहना है कि उन्हें साल 2012 में मध्य प्रदेश पंचायत चुनाव के दौरान अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण का विरोधी बताया गया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने मामले पर सुनवाई 26 मार्च तक टाल दी और तब तक सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने में भी छूट दे दी। शिवराज सिंह चौहान की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने कहा कि तन्खा ने जिस पर आपत्ति की है, वह बयान सदन में दिया गया था और वह संविधान के अनुच्छेद 194(2) के तहत आता है।

इससे पहले मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ दायर मानहानि के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने शिवराज सिंह चौहान समेत तीनों भाजपा नेताओं के खिलाफ जारी वारंट के निष्पादन पर रोक लगा दी।

दिल्ली का 'शीश महल' बनेगा स्टेट गेस्ट हाउस? बीजेपी विधायक बोले मुख्यमंत्री इस तरह के आलीशान बंगलों में नहीं रहेंगी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री आवास को स्टेट गेस्ट हाउस बनाने की योजना बनाई है। बीजेपी इस बंगले को 'शीश महल' का नाम देकर पहले ही दिल्ली पूर्व सरकार पर फिजूलखर्ची का आरोप लगा चुकी है। अब इस मुद्दे पर बीजेपी विधायक ओपी शर्मा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार इस बंगले को जनता के हित में उपयोग करना चाहती है, तो यह स्वागत योग्य कदम होगा।

बीजेपी ने 'शीश महल' को बताया भोग-विलास का प्रतीक

ओपी शर्मा ने कहा, "यह बंगला मुख्यमंत्री के आवास के रूप में नहीं बनाया गया था, बल्कि अरविंद केजरीवाल ने इसे अपनी निजी सुख-सुविधा के लिए तैयार कराया था। बीजेपी इस तरह के भोग-विलास में विश्वास नहीं करती। यही वजह है कि हमारी मुख्यमंत्री इस तरह के आलीशान बंगलों में नहीं रहेंगी " उन्होंने आगे कहा कि इस बंगले को बनाने में जनता का पैसा लगाया गया है, इसलिए इसे नष्ट नहीं किया जा सकता। इसका सही इस्तेमाल जरूरी है, और अगर इसे स्टेट गेस्ट हाउस में बदला जाता है, तो यह एक बेहतर कदम होगा।

सीबीआई जांच पर बोले ओपी शर्मा – "हमें भरोसा है, नुकसान नहीं होगा"

इस बंगले के निर्माण को लेकर पहले ही विवाद हो चुका है, और सीबीआई इसकी जांच कर रही है। इस पर ओपी शर्मा ने कहा, "सीबीआई अपनी जांच करती रहे, हमें पूरा विश्वास है कि इस बंगले में कोई ऐसा नुकसान नहीं होगा जिससे कोई सवाल खड़ा हो।"

पृष्ठभूमि – क्यों है यह बंगला विवादों में?

दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास को लेकर विवाद तब शुरू हुआ, जब यह खुलासा हुआ कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से यह नया बंगला तैयार किया गया। इसमें महंगे इंटीरियर्स, शीशे की दीवारें, महंगे पर्दे अत्याधुनिक-सुख-सुविधाएं और अन्य भव्य निर्माण कार्य किए गए। बीजेपी ने इसे "शीश महल" कहकर दिल्ली सरकार को घेरा और आरोप लगाया कि जनता के पैसे का दुरुपयोग किया गया। विपक्ष का कहना था कि आम आदमी पार्टी सादगी की बात करती है, लेकिन खुद आलीशान बंगले में रहना चाहती है। अब दिल्ली सरकार इस बंगले को स्टेट गेस्ट हाउस बनाने की योजना बना रही है, जिससे सरकारी मेहमानों को ठहराने के लिए उपयोग किया जा सके। अब देखने वाली बात यह होगी कि सरकार इस फैसले को कब तक अमल में लाती है।

चिट्टे पर तपा विधानसभा सदन, सत्ता पक्ष और विपक्ष में नोकझोंक

शिमला,19 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा बजट सत्र में बुधवार को सदन चिट्टे पर खूब गरमाया। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में खूब नोकझोंक हुई। यह प्रश्न डीएस ठाकुर, मलेंद्र राजन, विनोद कुमार और केवल सिंह पठानिया ने संयुक्त रूप से उठाया। इस पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि युवा नशे की लत में पड़े हैं। जबसे सरकार बनी है, तबसे नशा कारोबार में 30 प्रतिशत की कमी आई है। नशा तस्कर हाईकोर्ट से जमानत ले रहे हैं। इसी सदन में ड्रग्स के खिलाफ कानून लाया जा रहा है। आजकल सभी पुलिसकर्मी ड्रग्स के तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। नशा तस्करों की संपत्ति सीज करने की प्रक्रिया चल रही है। पिछली सरकार ने सलाहकार बोर्ड नहीं बनाया। वर्तमान सरकार ने बनाया है। जितने भी सप्लायर हैं, उन्हें छह से नौ महीने तक जमानत लेने से भी रोका जा रहा है। एक भवन को गिरा दिया गया है। जो एक्ट आ रहा है, उसमें सख्त से सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया जा रहा है। 60 से ज्यादा सरकारी कर्मचारी चिट्टे में संलिप्त पाए गए हैं। सत्र के बाद नियमानुसार उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जा रही है। एसटीएफ बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भी इसकी प्रस्तुति होगी। सोलन के कोटला बहेड़ में नशा निवारण केंद्र बनाया जा रहा है। यह 150 बीघा में खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि सारी जेलों में चिट्टे के आरोपी भरे हैं। चिट्टा के खिलाफ कोई भी हो, सीधी बात करें। राजनीतिक व्यक्ति या चिट्टे के पक्ष में सिफारिश करने वाला मिला तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री सुक्खू ने 15 मार्च तक पंचायतों में मैपिंग करने को कहा गया था कि कौन चिट्टा ले रहा है।

राज ठाकरे ने अपनी पार्टी एमएनएस के लिए बनाया नया प्लान, बीएमसी चुनाव में मिलेगा फायदा?

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र के दादर के सावरकर हॉल में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में मनसे का नया ढांचा तैयार करने के सिलसिले में चर्चा हुई। इससे पहले वर्ली की बैठक में राज ठाकरे ने पार्टी के नए ढांचे का प्रस्ताव रखा था। कहा जा रहा है कि 23 मार्च को मनसे पार्टी की नई संरचना सामने आएगी। महाराष्ट्र की राजनीति में चल रहे औरंगजेब मुद्दे पर भी राज ठाकरे ने पदाधिकारियों के सामने अपना पक्ष रखा। राज ठाकरे ने बैठक में उपन्यास 'छावा' का जिक्र करते हुए नागपुर मुद्दे पर भी टिप्पणी की। राज ठाकरे ने कहा कि उपन्यास 'छावा' 60 साल पहले शिवाजी सावंत ने लिखा था, लेकिन अब फिल्म आ गई है और सभी को औरंगजेब याद आ गया है।

कुंभ वाले बयान पर क्या बोले राज ठाकरे?

इसके अलावा कुंभ स्नान और नदियों के जल पर मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे की टिप्पणी के बाद मचे सियासी घमासान पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। राज ठाकरे ने बैठक में कहा कि वह अपने रुख पर कायम हैं। उन्होंने कहा, गंगा नदी को लेकर भले ही मैं धाराप्रवाह बोला, लेकिन सोच समझकर बोला।

23 मार्च को एमएनएस का नया ढांचा सामने आएगा

बता दें 31 मार्च को गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में मनसे गुड़ी पड़वा के मौके पर रैली आयोजित कर रही है। मनसे हर साल मराठी नववर्ष के अवसर पर पड़वा मेला आयोजित करती है। यह मेला मनसे कार्यकर्ताओं का मुख्य आकर्षण होता है और इसे आगामी नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। वहीं इससे पहले 23 मार्च को मनसे पार्टी में कुछ महत्वपूर्ण फेरबदल होंगे। हालांकि, अभी यह नहीं पता चला है कि ये फेरबदल किस तरह का होगा।

मां बेटे ने एक साथ किया सुसाइड सामने आई ये बड़ी वजह

जबलपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। जबलपुर के घमापुर इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक बुजुर्ग मां और उसके जवान बेटे के शव अलग अलग कमरों में फांसी के फंदे पर लटके मिले।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने दरवाजा तोड़कर दोनों शवों को बाहर निकाला और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक बुजुर्ग महिला अपने छोटे बेटे के साथ किराए के मकान में रहती थी फिलहाल पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि आस पड़ोस और रिश्तेदारों से पूछताछ जारी है। जल्द ही हत्या के कारणों का खुलासा हो जाएगा। आर्थिक तंगी भी हो सकती है वजह। बड़े भाई के मुताबिक छोटा भाई था बेरोजगार। बड़े बेटे विनोद का कहना है कि उसका छोटा भाई अजय कोई काम धाम नहीं करता था।

जेवर एयरपोर्ट जाने वालों के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू होगी, दिल्ली सरकार ने लिया अहम फैसला

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने राजधानी से जेवर एयरपोर्ट तक इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने का फैसला किया है। इसके लिए दिल्ली सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच एक समझौता (एमओयू) किया जायेगा । यह जानकारी दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ। पंकज सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जाएगा, जिससे हजारों-लाखों यात्रियों को फायदा मिलेगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि बीजेपी सरकार बनने के बाद से सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग बसों का इस्तेमाल करें, जिससे निजी वाहनों की संख्या कम हो और ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिले। इससे दिल्ली की हवा भी साफ होगी, क्योंकि इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण नहीं फैलाती हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दिल्ली की परिवहन व्यवस्था में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सरकार नई बसें जोड़ने और पुरानी बसों को अपग्रेड करने का भी काम कर रही है।

इन तीन जगहों से मिलेंगी बसें

दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट जाने के लिए फिलहाल तीन स्थानों को चिन्हित किया गया है। इनमें सराय रोहिल्ला बस अड्डा, आनंद विहार बस अड्डा और कमला मार्केट (अजमेरी गेट) शामिल हैं। इन तीनों स्थानों से बसें सीधे जेवर एयरपोर्ट तक जाएंगी। इसके लिए सरकार रोडमैप तैयार कर रही है।

यात्रियों को होगी सुविधा

दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट जाने के लिए अभी यात्रियों को टैक्सी या निजी वाहन लेने पड़ते हैं, जिससे सफर महंगा और असुविधाजनक हो जाता है। नई बस सेवा शुरू होने के बाद लोग सस्ते में और आरामदायक सफर कर सकेंगे।

मई में पूरा होगा पहले फेज का काम

जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। इसका पहला चरण मई 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। एयरपोर्ट बनने के बाद दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और आसपास के राज्यों के लोगों को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए नई सुविधा मिलेगी। इसी को देखते हुए सरकार ने दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट तक इलेक्ट्रिक बसें चलाने का फैसला किया है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मिलेगा बढ़ावा

इस फैसले से न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट को भी बढ़ावा मिलेगा और दिल्ली-एनसीआर के ट्रैफिक व प्रदूषण की समस्या में कमी आएगी।

धर्म परिवर्तन के लिए पैसे देने वाला गिरफ्तार हिंदू देवी-देवताओं पर भी की थी टिप्पणी

सुरेंद्रनगर,19 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में स्थानीय लोगों को धर्म परिवर्तित कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए नकदी और अन्य प्रलोभन देने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोमवार को दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, दोनों आरोपियों ने कुछ लोगों (एक शिकायतकर्ता सहित) को धर्म परिवर्तन के लिए 20 हजार रुपये और अन्य लाभ की पेशकश की थी। प्राथमिकी के अनुसार, उन्होंने यह भी दावा किया कि ईसाई धर्म अपनाने से उन्हें अस्वस्थता एवं आर्थिक कठिनाइयों से उबरने में मदद मिली और जो लोग ईसाई धर्म अपनाएंगे, उन्हें भी इसी तरह के लाभ मिलेंगे। वडाली थाने के प्रभारी निरीक्षक डी। आर। पढेरिया ने बताया कि सुरेंद्रनगर निवासी रतिलाल परमार और राजस्थान के उदयपुर निवासी भंवरलाल पारधी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने जिले के वडाली कस्बे में शिकायतकर्ता और अन्य लोगों से संपर्क किया, जिसके बाद उन्होंने यहां लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए लाभ की पेशकश की। शिकायतकर्ता रंजीत भंगू ने आरोप लगाया कि दोनों आरोपियों ने हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ भी शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। भंगू ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के स्थानीय पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी, जो उस बाजार में पहुंचे जहां आरोपी स्थानीय लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे थे।

उज्जैन में बीजेपी विधायक ने अपनी ही सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, कहा- 'ये किसान विरोधी'

उज्जैन,19 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन से बीजेपी विधायक चिंतामणि मालवीय ने अपने ही सरकार के खिलाफ सिंहस्थ 2028 के लिए अधिग्रहित की जाने वाली भूमि के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। विधायक का कहना है कि सिंहस्थ 2028 के लिए सरकार को अस्थाई रूप से जमीनों का अधिग्रहण करना चाहिए, लेकिन सरकार स्थाई रूप से अधिग्रहण की रणनीति बना चुकी है। दरअसल, उज्जैन में साल 2028 में सिंहस्थ के मेले का आयोजन होना है। इसे लेकर मोहन यादव सरकार कुछ जमीनों को स्थाई रूप से अधिग्रहित कर किसानों के लिए साधु संतों के लिए स्थाई आश्रम और धर्मशाला बनाने के लिए उन्हें देने की योजना बना रही है। इस दौरान किसानों को उनकी जमीन का आधा हिस्सा डेवलप कर दिया जाएगा।

'ये योजना किसान विरोधी'

वहीं इस योजना पर आलोट से बीजेपी के विधायक चिंतामणि मालवीय ने सवाल खड़े कर दिए हैं। चिंतामणि मालवीय का कहना है कि सरकार की योजना किसान विरोधी है। इस पर सरकार को एक बार फिर विचार करना चाहिए। अभी योजनाओं को लागू नहीं किया गया है। उन्होंने सरकार के हित में आवाज को उठाया है। सिंहस्थ टेंट तंबू में आयोजित किया जाता है। इसके लिए किसान अस्थाई रूप से जमीन अधिग्रहित करवाने को तैयार है, मगर स्थाई रूप से किसान जमीन देने को तैयार नहीं है। इसी बात को विधानसभा के पटल पर रखा गया है।

सरकार के पक्ष में भी आगे आए विधायक

उधर, उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा का कहना है कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र उनकी विधानसभा में आता है। सरकार जो योजना ला रही है वह किसान के हित में है। उज्जैन में जो विकास कार्य हो रहे हैं, उसे आने वाले सिंहस्थ में करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए काफी सुविधा जुटाए जा रही है। विधायक अनिल जैन ने कहा कि जिन लोगों को योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं है वह गलतफहमी के चलते विरोध कर सकते हैं, मगर मध्य प्रदेश की डॉक्टर मोहन यादव सरकार किसान हितेषी है और किसानों के हित में ही निर्णय किए जा रहे हैं।

दिल दहलाने वाला हादसा: कर्मचारियों को दफ्तर ले जा रहे वाहन में लगी आग, 4 की मौत

पुणे, 19 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे से दिल दहला देने वाले हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां बुधवार की सुबह 4 लोगों को लेकर ऑफिस जा रहे एक वाहन में आग लग गई जिस कारण अंदर बैठे 4 कर्मचारियों की मौत हो गई है। पुलिस ने इस बारे में जानकारी दी है कि यह दुखी कर देने वाली घटना पिंपरी चिंचवाड़ इलाके के हिंजेवाड़ी में घटित हुई है। आइए जानते हैं इस हादसे के बारे में सबकुछ। पुलिस ने बताया है कि बुधवार की सुबह पुणे के समीप एक प्राइवेट फर्म के वाहन में आग लग गई है। इस वाहन में कर्मचारियों का एक समूह बैठा था। टेम्पो ट्रैवलर कंपनी के कर्मचारियों को उनके ऑफिस ले जा रहा था। हालांकि, पिंपरी चिंचवाड़ इलाके के हिंजेवाड़ी में ये वाहन हादसे का शिकार हो गया। हिंजेवाड़ी के पुलिस उपायुक्त विशाल गायकवाड़ ने इस दर्दनाक घटना के बारे जानकारी देते हुए बताया है कि जब कर्मचारियों को ऑफिस ले जा रहा वाहन डसॉल्ट सिस्टम्स के पास था, तो उसमें अचानक आग लग गई थी। इस कारण से चालक को अपनी गति धीमी करनी पड़ी। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। हिंजेवाड़ी के पुलिस उपायुक्त विशाल गायकवाड़ ने इस हादसे को लेकर कहा- ''कुछ कर्मचारी तो वाहन से बाहर निकल गए, लेकिन उनके चार साथी ऐसा नहीं कर पाए। इसके बाद हादसे में उनकी मौत हो गई।

पंजाब में बुलडोजर एक्शन के खिलाफ आप सांसद हरभजन सिंह

'किसी का घर तोड़ने के मैं हक में नहीं हूं'

चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में भगवंत मान सरकार का ड्रग्स माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ एक्शन जारी है। पुलिस अपराधियों को सबक सिखाने के लिए बुलडोजर चला रही है। इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने ऐसी गुगली फेंकी है जिससे मान सरकार घिर सकती है। हरभजन सिंह ने बुलडोजर एक्शन को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि किसी का घर तोड़ने के मैं हक में नहीं हूं।

कार्रवाई पर क्या कुछ बोले हरभजन?

सांसद ने कहा, "नशे के खात्मे के लिए नशा तस्करों पर कार्रवाई होनी चाहिए। जो नशा तस्करी कर रहे हैं उन्हें पकड़ना चाहिए, जो नशा भेज रहे हैं, उसपर कार्रवाई की जानी चाहिए और उन्हें सीखना चाहिए, कि जो नशा है, वह सब की सेहत के लिए बहुत ही खराब है।" उन्होंने कहा, "अगर किसी का घर बना हुआ है, छत मिल ही गई है, तो उसे किस तरीके मिली है, उस पर कार्रवाई हो, लेकिन घर नहीं तोड़ा जाना चाहिए।"

सरकारी जमीन पर क्या बोले हरभजन?

उन्होंने कहा कि अगर कोई सरकारी जगह पर अपना घर बनकर बैठा है, तो उस पर कार्रवाई कर जरूर सरकार को अपनी जगह वापस लेनी चाहिए। अगर किसी ने जगह बनाकर घर बना लिया है, तो उसे सरकार को चाहिए कि और जगह शिफ्ट करके अपनी जगह खाली करवानी चाहिए। हरभजन सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा नशे के खिलाफ मुहीम चलाई जा रही है। नशा एक बहुत ही खतरनाक चीज है। यह लोगों को समझना चाहिए कि नशे से उनकी जिंदगी के साथ-साथ उनका शरीर भी खराब हो रहा है। नशा पूरे के पूरे परिवार को ही खत्म कर देता है। हम सभी पंजाबियों की जिम्मेदारी है कि एक मूव को शुरू किया जाए और हर एक पंजाबी को नशे के खिलाफ काम करना चाहिए।

विवादित झंडा मामले के बाद पंजाब में हिमाचल की बस पर हमला

नकाबपोश हमलावरों ने की तोड़फोड़

शिमला,19 मार्च (एजेंसियां)। विवादित झंडे को लेकर हिमाचल और पंजाब के बीच दंगल बढ़ता जा रहा है। पंजाब में अब हिमाचल प्रदेश की बसों पर हमले शुरू हो गए हैं। बड़ी खबर है कि मोहाली के खरड़ में हिमाचल रोडवेज की बस पर अटैक हुआ है। हिमाचल रोडवेज की ये बस चंडीगढ़ से हिमाचल के हमीरपुर जा रही थी। इस बीच, खरड़ फ्लाईओवर पर दो अज्ञात लोगों ने बस को रोककर उस पर डंडे से अटैक कर दिया। हमले में हिमाचल रोडवेज की बस के आगे के विंडशील्ड और कुछ खिड़कियों के शीशे टूट गए हैं। ड्राइवर और कंडक्टर ने बताया है कि हमलावर चेहरे को ढककर आए थे। वो कार से आए थे,नंबर प्लेट को छुपाने के लिए उसके ऊपर स्टीकर चिपका दिया गया था।

ड्राइवर ने घटना के बारे में बताया

ड्राइवर और कंडक्टर ने बताया, यह बस चंडीगढ़ से हमीरपुर जा रही थी। शाम 6:15 बजे बस चंडीगढ़ से चली और करीब 6:50 पर दो लड़के जो की सफेद रंग की कार में थे रुकने का इशारा किया। जैसे ही मैंने बस रोकी, तो उन्होंने आगे वाले शीशे तोड़े। फिर पीछे शीशे तोड़े। इसके बाद वो भाग गए। कार की नंबर प्लेट को सफेद रंग से ढका हुआ था। सवारियों को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

क्या है झंडा विवाद मामला?

दरअसल, बीते दिनों हिमाचल में खालिस्तान समर्थकों द्वारा झंडे लहराए जाने का मामला सामने आया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। कई जगहों से झंडा हटाने पर विवाद भी हुआ था और हाथापाई तक बात बढ़ गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर कड़ा संज्ञान लिया। इसके बाद पंजाब में भिंडरावाला के समर्थकों ने हिमाचल की बसों पर ही भिंडरावाला के पोस्टर लगा दिए। अब पंजाब में हिमाचल की बस पर हमला का मामला सामने आया है।

नागपुर के बाद अब एमपी के बुरहानपुर में बवाल, सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हंगामा

बुरहानपुर,19 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हंगामा मच गया है। इंस्टाग्राम पर डाले गए एक पोस्ट पर बीती रात मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए जिसके बाद हंगामा मच गया। समुदाय के लोग पोस्ट लिखने वाले की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए। लोगों ने थाने का घेराव भी किया। पुलिस ने इस मामले पर तत्काल एक्शन लेते हुए आरोपी को हिरासत में लिया है और उसके खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने की शांति की अपील

बुरहानपुर में सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर मचे हंगामे के बीच लोगों को आक्रोशित देख बाजार भी बंद कर दिया गया। पुलिस ने मामले में काफी सूझबूझ दिखाते हुए हालात को संभाल लिया और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेते हुए उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराया

बुरहानपुर शहर में मंगलवार रात सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक'' पोस्ट को लेकर तनाव पैदा होने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और रात करीब 10 बजे प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि एहतियाती आदेश जारी किए गए हैं और लोगों को इस तरह के पोस्ट को शेयर न करने की सलाह दी गई है।

पुलिस ने क्या बताया?

इस मामले पर बुरहानपुर के एसपी देवेंद्र पाटीदार ने बताया- पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री वाली वायरल पोस्ट के संबंध में थाने में एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर दर्ज होने से पहले से पहले बड़ी संख्या में लोग आंदोलन कर रहे थे। इन सभी को तितर-बितर कर दिया गया है। अगर कोई भी सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री पोस्ट करता है या कानून को अपने हाथ में लेता है, तो उसके खिलाफ धारा 188 और 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है, जिसके अनुसार उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी फिलहाल जांच के लिए हिरासत में है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 20 मार्च - 2025

फिल्म छावा के बाद छत्रपति संभाजी के प्रति फैली जागरूकता

अशोक भाटिया

नागपुर का खूबसूरत शहर, जो चमचमाती सीमेंट सड़कों और हरे-भरे पेड़ों के बीच से गुजरने वाली मेट्रो के साथ एक नया आकर्षण बन गया है, सोमवार रात को धार्मिक हिंसा से प्रभावित हुआ, मुगल सम्राट औरंगजेब की कब्र पर राज्यव्यापी विवाद के बाद सोशल मीडिया पर अफवाहें फैल गईं और सैकड़ों लोगों की भीड़ ने उन्हें आग लगा दी। पुलिस को निशाना बनाया गया। चार उपायुक्तों सहित लगभग पैंतीस कर्मी घायल हो गए। भीड़ इतनी हिंसक थी कि पुलिस उपायुक्त निकेतन कदम पर कुल्हाड़ी से वार किया गया। भीड़ को लाठीचार्ज और आंसू गैस का उपयोग करके नियंत्रित किया जाना था। अब हिंसा ने राजनीतिक दंगा शुरू कर दिया है। आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। वे जारी हैं और आगे भी जारी रहेंगे। सत्ताधारी और विपक्षी दल भी लोगों के जीवन-मरण के मुद्दों पर अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ऐसे भावनात्मक और धार्मिक मुद्दों का सहारा लेकर अपने राजनीतिक बर्तन को जलाने की कोशिश करते हैं। आश्चर्य इस बात का भी है कि नागपुर में अचानक हुई हिंसा का क्या हुआ? मुंबई में महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान, 500 मुस्लिम युवाओं की भीड़ सड़कों पर आती है और चिल्लाती है, तोड़फोड़, आगजनी, पथराव, पुलिस को निशाना बनाना, पथराव करना और उन पर हमला करना, पथराव करना और पुलिस पर पेट्रोल बम फेंकना, तीन डिप्टी कमिश्नर सहित तैंतीस पुलिसकर्मियों को घायल करना। यह घटना नागपुर के स्वस्थ पर्यावरण के लिए एक झटका है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नागपुर में हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है। पुलिस ने 100 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में राज्य में सत्तारूढ़ महायुति सरकार के खिलाफ नेताओं द्वारा दिए गए भड़काऊ भाषणों से पता चलता है कि हिंसा भड़की है। दरअसल देखा जाय तो नागपुर, महाराष्ट्र की उप-राजधानी, एक शांतिप्रिय शहर है। नागपुर को एक शैक्षिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में जाना जाता है। नागपुर के संतरे देश में लोकप्रिय हैं। ऑरेंज सिटी नागपुर की प्रतिष्ठा है। नागपुर के लोग स्वभाव से मीठे हैं और उनका वैदिक आतिथ्य भी गले लगा रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, ये नागपुरवासी आज केंद्र और राज्य में सत्ता के उच्च पदों पर बैठे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले नागपुर के प्रभारी मंत्री हैं। नागपुर एक शिक्षित और सुसंस्कृत शहर के रूप में जाना जाता है। हर साल, नागपुर समझौते के अनुसार, नागपुर में राज्य विधानमंडल का एक सत्र आयोजित किया जाता है। फिल्म छावा पूरे देश में जोरों पर चल रही है। फिल्म छावा देखने के बाद छत्रपति संभाजी महाराज के लिए भक्ति, सम्मान और प्रेम हर किसी के मन में व्यक्त हो रहा है। और संभाजी महाराज पर अत्याचार करने वाले औरंगजेब के खिलाफ गुस्सा, नफरत और ईर्ष्या हर किसी के मन में जल रही है। महाराष्ट्र को औरंगजेब की कब्र की जरूरत क्यों है, जिसे बेरहमी से प्रताड़ित किया गया था? इस तरह की भावना हिंदुओं के मन में जोर पकड़ने लगी, जिससे संभाजीनगर से 25 किलोमीटर दूर औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग उठने लगी। भाजपा के विरोधी, विशेष रूप से महागठबंधन के राजनीतिक दल, लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखे बिना औरंगजेब को भड़काने की कोशिश कर रहे थे। वहीं से विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने पहल की और महाराष्ट्र से औरंगजेब की कब्रों को हटाने का अभियान शुरू किया। जब राज्य के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री नागपुर से थे तो नागपुर में हिंसा कैसे हुई? नागपुर दंगों का मास्टरमाइंड कौन? नागपुर में दंगे की साजिश किसने रची? इससे कई सवाल खड़े हुए। मुख्यमंत्री के शहर में दंगों के कारण विपक्ष को सरकार की आलोचना करने का औजार मिल गया, लेकिन लगता है कि वे आसानी से भूल गए हैं कि दंगों के लिए विपक्षी नेता जिम्मेदार थे। नागपुर दंगे अगले दिन उम्मीद के मुताबिक विधानमंडल के दोनों सदनों में गूंज उठे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद में सरकार का पक्ष रखते हुए विपक्ष के 'गैर जिम्मेदाराना व्यवहार' पर तंज कसा। कौन कहता है कि औरंगजेब क्रूर नहीं था? अबू आजमी को इस तरह के लापरवाह बयान देने के लिए विधानसभा द्वारा सत्र की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है। नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सापकाल ने यह कहकर कला का दीप प्रज्वलित किया था कि औरंगजेब और देवेंद्र फडणवीस का करियर एक ही था। उबाथा सेना के विधायक अनिल परब ने बचकाना बयान दिया था कि उन्हें सदन में संभाजी महाराज की तरह प्रताड़ित किया गया था। संभाजी महाराज के साथ उनकी तुलना हास्यास्पद नहीं बल्कि निंदनीय है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सदन में यह सब उजागर किया। महाराष्ट्र समझ गया कि हर्षवर्धन सपकाल या अनिल परब कितने पाखंडी हैं। आप क्या यातना दे रहे थे, आपने मुकदमा चलाने के बाद एक लोटांगण लगाया था, इस मामले से छुटकारा पाने के बाद, आप अपने नेता की तरह उल्टा हो गए, ऐसा एकनाथ शिंदे ने कहा। महाराष्ट्र से औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए राज्य के हर शहर और गांव से मांग की जा रही है। नागपुर में, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने औरंगजेब की छवि जला दी और अपना गुस्सा व्यक्त किया। तब पुलिस ने शांति बनाई थी। लेकिन अचानक रात में मुसलमानों की एक बड़ी भीड़ हाथों में लाठी, लाठी, पत्थर, तलवार लेकर बाहर आती है और तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर देती है। यह कोई संयोग नहीं है कि उस समय वहां कोई वाहन नहीं था। यह सबसे गंभीर बात थी कि भीड़ ने वर्दीधारी पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया। विपक्ष इस बार में एक शब्द कहने को तैयार नहीं है कि कितने पुलिसकर्मी घायल हुए, कितने पुलिस के सिर तोड़े गए, कितने लोगों के हाथ-पैर टूटे। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। समाज की रक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों पर पेट्रोल बम और पत्थर फेंकना बहुत गंभीर है। मुख्यमंत्री ने खुद वीडियो फोन पर घायल पुलिसकर्मियों से संपर्क किया, दंगाइयों से निपटने के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सरकार उनके साथ है और उन्हें नैतिक मजबूती दी और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। नागपुर दंगों को भुनाकर महायुति सरकार को बदनाम करने की महागठबंधन की योजना अच्छी तरह से विफल रही, लेकिन उन पर उल्टा पड़ गया। वास्तव में, एक-दूसरे को दोष देने के बजाय, हमें यह पता लगाना चाहिए कि चार वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के घायल होने के साथ क्या गलत हुआ, और यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं फिर से न हों। महाराष्ट्र की राजधानी नागपुर में इस तरह के धार्मिक दंगों का न तो कोई इतिहास है और न ही विरासत है। नागपुर पिछले 100 वर्षों में अपेक्षाकृत शांत था, 1927 या 1967 को छोड़कर। इस तरह के दंगे कभी नहीं हुए। यह इस शहर की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक विविधता के कारण है। नागपुर की भौगोलिक स्थिति के अनुसार नागपुरकर भोसले का अवध, बंगाल में राज्य का विस्तार और बाद में अंग्रेजों ने कमाठीपुरा के सैन्य शिविर पर धावा बोल दिया, देश के मलयालम, तमिल, उड़िया, बंगाली, आदि उत्तर भारतीय जैसे समाज के सभी वर्ग पीढ़ियों से बढ़ रहे हैं।

यह सामंजस्य शहर के अनूठे त्योहारों और रीति-रिवाजों और परंपराओं में परिलक्षित होता है, जिन्हें बाबा ताजुद्दीन के नाम से जाना जाता है, जो उस आस्था की एक विशेष विशेषता है। पास के वर्धा-सेवाग्राम या पवनार के रूप में, यह क्षेत्र महात्मा गांधी की अहिंसा का घर है। इसके त्योहार इतिहास का प्रतीक हैं। होली के अवसर पर मारबत जुलूस एक सुंदर उदाहरण है। शहर वैचारिक विविधता को भी संरक्षित करता है।

सुनीता विलियम्स पर देश को गर्व

भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स नौ महीने बाद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से धरती पर लौटीं। स्पेस एक्सप्लोरेशन में सुनीता ने मानव क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाने का दृष्टांत प्रस्तुत किया। सुनीता विलियम्स के अमेरिका के फ्लोरिडा की धरती पर अलसुबह अपने कदम रखे तो पूरी दुनिया के साथ ही भारत में जमकर खुशियां मनाई गईं। धरती पर सकुशल लौटने से बुधवार की सुबह गुजरात के मेहसाणा जिले में उनके पैतृक गांव झूलासन में भी जश्न का माहौल रहा। झूलासन के सभी लोग टेलीविजन पर इस घटना का सीधा प्रसारण देखने के लिए गांव के मंदिर में एकत्र हुए थे। सभी दम साधे सुनीता की सुरक्षित वापसी की कामना कर रहे थे। सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्षयात्रियों को लेकर कैप्सूल रूपी यान जैसे ही उतरा, ग्रामीणों ने जमकर आतिशबाजी शुरू कर दी और 'हर हर महादेव' के जयकारे लगाते हुए हर कोई झूमने और नाचने लगा। सुनीता विलियम्स करीब नौ महीने बाद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से वापस धरती पर लौटीं हैं। बता दें कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर बोइंग और नासा के 8 दिन के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे। इस मिशन का उद्देश्य बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट की एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन तक ले जाकर वापस लाने की क्षमता को टेस्ट करना था। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन पर 8 दिन में रिसर्च और कई एक्सपेरिमेंट भी करने थे। मिशन के दौरान उन्हें स्पेसक्राफ्ट को मैन्युअली भी उड़ाना था। 5 जून 2024 को रात 8:22 बजे एटलस वी रॉकेट के जरिए बोइंग का स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट लॉन्च हुआ था। ये 6 जून को रात 11:03 बजे स्पेस स्टेशन पहुंचा था। इसे रात 9:45 बजे पहुंचना था, लेकिन रिएक्शन कंट्रोल थ्रस्टर में परेशानी आ गई थी। सुनीता के वापस लौटने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक्स पर पोस्ट कर उनके अदम्य साहस की सराहना की। इससे पहले पीएम मोदी ने सुनीता विलियम्स को भारत आने का न्योता भी दिया। पीएम मोदी ने एक्स पर अत्यंत भावुक पोस्ट करते हुए कहा, आपका पुनः स्वागत है, क्रू9! पृथ्वी को तुम्हारी याद आई। यह उनके धैर्य, साहस और असीम मानवीय भावना की परीक्षा रही है। सुनीता विलियम्स और क्रू9 अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया है कि दृढ़ता का वास्तविक अर्थ क्या है। विशाल अज्ञात के सामने उनका अडिग दृढ़ संकल्प लाखों लोगों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। स्पेस एक्सप्लोरेशन का अर्थ है मानव क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाना, सपने देखने का साहस करना और उन सपनों को वास्तविकता में साकार करने का साहस करना। एक अग्रणी और आदर्श व्यक्तित्व सुनीता विलियम्स ने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सामाजिक समरसता के पर्व पर हुड़दंग और हिंसा

मनोज कुमार अग्रवाल

समाज में बंधुत्व प्रेम सद्भाव समरसता के संदेश का रंग पर्व आखिर क्यों बन जाता है कलह वैमनस्यता खून खराबे का दिन? आप जानते हैं कि इस बार होली और रमजान का जुमा एक दिन होने की वजह से पूरे देश में होली पर हाई अलर्ट किया गया था। पुलिस व सुरक्षा बलों की चौकसी और नागरिकों के संयम की वजह से देश में कोई बड़ी घटना नहीं हुई। फिर भी कम से कम चार राज्यों में होली पर हिंसा और झड़प की वारदातों को अंजाम दिया गया है। वहीं देश भर में नशा कर गाड़ी चलाने और हुड़दंग मचाने की सैकड़ों वारदातों में पचास लोग जान गंवा गए जबकि सैकड़ों की संख्या में लोग घायल अवस्था में अस्पतालों में इलाज के लिए लाए गए। अकेले उत्तर प्रदेश में 250 से अधिक सड़क दुर्घटना दर्ज की गई है जिसमें 430 लोग घायल हुए हैं। जबकि उत्तराखंड में हुड़दंग हिंसा की वारदातों में कुल 14 लोगों की मौत हो गई। भाजपा ने हिंसा के बाद राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हिंदू त्योहारों पर ही ऐसी हिंसा क्यों होती है? पश्चिम बंगाल के अलावा तीन और राज्यों बिहार छत्तीसगढ़ पंजाब में होली पर हिंसा हुई। बिहार के मुंगेर में ग्रामीणों के हमले में एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई। पटना में दो गुटों में होलिका दहन का विवाद होली के दिन पथराव तक पहुंच गया। पुलिस की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए। वहां फायरिंग की भी खबर है। झारखंड के गिरिडीह में होली के दिन दो गुटों में पथराव के बाद उपद्रवियों ने दुकानों और बाइक में आग लगा दी। इसके अलावा पंजाब के लुधियाना में दो समुदायों के बीच ईंट, पत्थर और बोतलें चलीं। झड़प में 11 लोग घायल हुए हैं। मुसलमानों कहना है कि नमाज अदा करते वक्त पथराव किया गया। वहीं हिंदुओं का कहना है कि पहले मस्जिद की तरफ ईंट फेंकी गई। कई वाहनों में भी तोड़फोड़ हुई है। बेंगलुरु में नशे में धुत कुछ लोगों के बीच हुए झगड़े में तीन लोगों की मौत की खबर आ रही है। मौके से पुलिस ने तीन लोगों के शवों को बरामद किया। पुलिस टीम को पहला शव अपार्टमेंट के रास्ते में मिला, जबकि दूसरा कमरे के अंदर और तीसरा अपार्टमेंट से बाहर मिला। पुलिस ने दो मृतकों की पहचान 22 वर्षीय अनसू और 23 वर्षीय राधे श्याम के रूप में की है। जबकि तीसरे मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। आप को बता दें पश्चिम बंगाल के बीरभूम में दो समूहों के बीच हिंसक झड़प की खबर है। राज्य सरकार ने इलाके में इंटरनेट सेवाओं को सस्पेंड कर दिया। क़ानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात भी किया गया है। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद 20 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिंसक वारदात के बाद पश्चिम बंगाल के गृह विभाग ने इंटरनेट सस्पेंड करने का आदेश जारी किया। पुलिस का कहना है कि स्थिति पर काबू पा लिया गया है। झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित घोड़थंबा में होली 14 मार्च 2025 के दिन जुलूस के दौरान हिंदुओं पर हमला हुआ। ये हमला मस्जिद वाली गली में हुआ। इस हिंसा के दौरान एक खास समुदाय के घरों से पत्थर चले। मस्जिद वाली गली में हिंदुओं के जुलूस को निशाना बनाया गया, पुलिस की गाड़ियों को निशाना बनाया गया। कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने प्रशासन पर हिंदुओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। एफआईआर के अनुसार, 14 मार्च 2025 की शाम 15-20 लोगों की होली की टोली मस्जिद गली से गुजरना चाहती थी, लेकिन नमाज का समय होने की वजह से उन्हें रोका गया। टोली का कहना था कि वे हर साल इसी रास्ते से जाते हैं। समझाने के बावजूद टोली गली में आगे बढ़ गई। इसके बाद कथित तौर पर समुदाय विशेष के लोगों पेट्रोल बम, बोतल, ईंट और पत्थरों से हमला शुरू कर दिया। बाजार चौक के पास पेट्रोल बम फेंककर कई दुकानों, बाइकों और गाड़ियों में आग लगा दी गई (जानकारी के अनुसार प्राथमिकी में इस बात का साफ-साफ जिक्र है कि समुदाय विशेष ने मंदिर पर हमला किया। पत्थर फेंके और पुलिस पहुँची तो उसकी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। इस हिंसा में चार पुलिसकर्मी घायल हुए।

दिल्ली के द्वारका में होली का जश्न हिंसा में बदल गया। गोयला डेरी स्थित छठ घाट पार्क में होली का जश्न मनाया जा रहा था। इस दौरान हुआ छोटा विवाद हाथापाई में बदल गया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, राजू कुमार (35) अपने दोस्त राजेश से मिलने के लिए टैक्सी से पार्क गया था। उत्सव के दौरान, होली का कुछ रंग गलती से एक लड़के पर गिर गया, जिससे दोनों में तीखी बहस हो गई कुछ देर बाद, लड़के ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर राजू कुमार और राजेश पर हमला कर दिया। मारपीट में हमलावरों ने राजू कुमार की टैक्सी में भी तोड़फोड़ की और उसके शीशे तोड़ दिए। पंजाब के लुधियाना में दो समुदायों के बीच ईंट-पत्थर और बोतलें चलीं। झड़प में 11 लोग घायल हुए हैं। विशेष समुदाय के लोगों का कहना है कि नमाज अदा करते वक्त पथराव किया गया। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि पहले मस्जिद की तरफ ईंट फेंकी गई। कई वाहनों में भी तोड़फोड़ हुई है। पश्चिम बंगाल में भी होली पर्व पर हिंसा हुई है। भाजपा ने नंदीग्राम में मूर्ति तोड़ने का आरोप लगाया है। भाजपा आईटी सेल ने भी तस्वीरें पोस्ट कर आरोप लगाया कि बरुईपुर, जादवपुर और मुर्शिदाबाद समेत पूरे प्रदेश में त्योहार पर शरारत करने की घटनाएं सामने आई हैं।

पटना के एनटीपीसी थाना क्षेत्र के सहनौरा गांव में होलिका दहन को लेकर दो पक्षों में शुक्रवार को झड़प हो गई। एक पक्ष के ग्रामीण ने सड़क पर होलिका दहन किया, जिसका दूसरे पक्ष ने विरोध किया (रात से ही दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बनी हुई थी)। धुलेंडी की दोपहर करीब 1 बजे स्थिति बिगड़ गई और दोनों पक्षों में जमकर पत्थरबाजी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को भी आक्रोशित लोगों ने खदेड़ दिया। पुलिस की गाड़ी पर भी पत्थर फेंके गए। देश भर में होली रंग के दौरान व्यापक एहतियात के बावजूद कई स्थानों पर सांप्रदायिक झगड़े छिटपुट हिंसा एक सहायक उपनिरीक्षक की हत्या समुदायों के बीच पनपी घृणा विद्वेष को बयान करती है। क्या जरूरत है कि मस्जिद के सामने ही हुड़दंग किया जाए और पहले से ही पथराव के लिए एक समुदाय पत्थर और पैट्रोल की तैयारी रखे? दोषी दोनों हैं। आजादी के 78 साल बाद भी फिरकापरस्ती और घृणा का यह षड्यंत्र खत्म होना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि रंगों की होली को खून की होली मे तब्दील करने वाले दंगाइयों असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति न हो और सद्भाव के रंगों को बदरंग होने से बचाया जा सके।

ऑनलाइन लूडो जान-माल के लिये खतरनाक

अजय कुमार

12 दिसंबर 2024 लखनऊ में 18 वर्षीय छात्र अनुज ने ऑनलाइन गेम लूडो में बीस हजार रुपये हारने के बाद आत्महत्या कर ली।कमरे में उसका शव पंखे से लटका मिला। 09 अक्टूबर 2024 को यूपी के हाथरस में पिता सुखबीर सिंह द्वारा बेटे आकाश को ऑनलाइन गेम खेलने से मना करने पर नाराज बेटे ने आत्महत्या कर ली। आकाश ऑनलाइन गेम में साढ़े तीन लाख रुपये हार चुका था। 24 सितंबर 2024 को उन्नाव में एक सिपाही ने ऑनलाइन गेम में करीब दस लाख रुपये हारने के बाद विभाग से मदद की गुहार लगाई और आत्महत्या की मजबूरी जताई। इस पर पुलिस के बड़े अधिकारियों ने उसे काफी समझाया बुझाया और उसका ब्रेनवॉश करा,तब जाकर वह अवसाद से उबर पाया। मध्य प्रदेश के इंदौर में आईआईटी का एक मेधावी छात्र अपनी फीस के पैसे चुनाव में हार गया। गरीब घर का छात्र इतना तनावग्रस्त हो गया कि उसने मौत को गले लगा लिया और सोसाइट नोट में लिखकर कहा,'लूडो की लत ड्रग्स से भी ज्यादा खतरनाक है। अभी कुछ दिनों पूर्व उत्तर प्रदेश के जिला हरदोई के कासिमपुर थाना क्षेत्र निवासी और दिल्ली में कबाब पराठा बेच कर अपना परिवार चलाने वाले 25 वर्षीय एक युवक सुरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन गेम लूडो में डेढ़ लाख रुपये हारने के कारण फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। बीती जनवरी में वह गांव आया और इसके बाद दिल्ली में कर्जा होने के कारण बैंगलोर जाकर कबाब पराठा बेचने लगा। होली से एक सप्ताह पहले वह घर आया था। 13 मार्च को वह गुस्से में अपना मोबाइल तोड़कर दिल्ली जाने की बात कहकर घर से निकला था। बड़े भाई विनोद के मुताबिक सुरेंद्र के परिचित दिल्ली निवासी एक शख्स को उन्होंने शनिवार को फोन किया। सुरेंद्र के दिल्ली पहुंचने के बारे में पूछा तो मालूम हुआ कि वह नहीं पहुंचा। इस पर तलाश की तो पता चला कि पुलिस को अलीपुर टंडवा में अज्ञात शव मिला है। परिजनों ने रविवार को मोर्चरी पहुंचकर शव की पहचान कर ली। विनोद के मुताबिक सुरेंद्र बीते दिनों डेढ़ लाख रुपये ऑनलाइन गेम में हार जाने के कारण कर्जदार हो गया था। इसको लेकर परेशान था और आहत होकर खुदकुशी कर ली थी। ऑन लाइन गेम में कर्जदार होने के बाद जान देने की यह कुछ घटनाएं अपवाद भर हैं,जबकि इसी लिस्ट लम्बी चौड़ी है। अक्सर ही इस तरह की खबरें आती रहती हैं,लेकिन इसको सरकार कितना गंभीरता से लेती है,यह चिंतनीय है। यह सच है कि वर्तमान समय में ऑनलाइन लूडो गेम्स का खेलना बहुत ही लोकप्रिय हो गया है।देश में प्रति माह हजारों करोड़ का ऑनलाइन गेम खेला जाता है।इसके चंगुल में हजारों गैम्बलर फंस जाते हैं। कुछ मामले पुलिस तक पहुंचते भी हैं वहीं कई मामलों में तो भुक्तभोगी शर्म के मारे मुंह भी नहीं खोलनते हैं। मोबाइल एप्लिकेशन और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के कारण, लाखों लोग इस खेल का आनंद ले रहे हैं। हालांकि, इस खेल के बढ़ते प्रभाव से जुड़ी कुछ गंभीर समस्याएं सामने आई हैं। खासकर, कुछ खिलाड़ी मानसिक दबाव और लत के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनका अंत आत्महत्या जैसी दुखद घटनाओं में हो रहा है। यह रिपोर्ट इस विषय पर प्रकाश डालती है कि कैसे ऑनलाइन लूडो गेम्स मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं और इसके कारण होने वाली आत्महत्याओं पर चर्चा करती है। लूडो एक पारंपरिक खेल है, जो पहले दोस्तों और परिवार के साथ बोर्ड पर खेला जाता था। लेकिन, इंटरनेट के युग में इसे डिजिटल रूप में पेश किया गया है, जिससे इसे कहीं भी, कभी भी खेला जा सकता है। इसमें भाग लेने के लिए लोगों को किसी विशेष स्थान पर एकत्रित होने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे यह खेल बहुत ही आकर्षक हो गया है। ऑनलाइन लूडो गेम्स को खेलने के लिए लोग पैसे भी दांव पर लगाते हैं, जिससे यह और भी रोमांचक और जोखिम भरा बन जाता है। इस खेल में खिलाड़ी अपने मोबाइल फोन या कंप्यूटर के माध्यम से खेल सकते हैं और रियल-टाइम में अन्य खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकते हैं।

आखिर कब तक हिंदी भाषियों का होगा इस्तेमाल

अजय कुमार शुक्ला

कुछ ही महीने बिहार विधानसभा चुनाव में बचा है तो हैदराबाद में नगर निकाय के चुनाव भी नजदीक है। चुनाव की आहट को देखते ही कुछ राजनीति दल उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के लोगों पर डोरे डालने का काम शुरू कर दिए हैं। विभिन्न आयोजनों के जरिए उनको लुभाने की कोशिशें की जाने लगी है। जबकि समस्याओं से जूझ रहे इन लोगों के मदद के लिए कोई राजनीतिक दल कभी सामने नहीं आता है। अपना घर-बार सब छोड़ कर तेलंगाना में लाखों की संख्या में उत्तर भारतीयों ने तेलंगाना को अपनी कर्मभूमि बनाया है। लेकिन उन्हें हताशा तब हुई जब देश क्या दुनिया में लोगों पर कोविड महामारी बन कर टूट पड़ा था। उस समय लोग अपने घर जाने के लिए परेशान थे। बहुत से लोग तो पैदल ही अपने घरों तक पहुंचने के लिए हजारों किमी तक पैदल यात्रा की। तब संकट की घड़ी में आज के हिमायती कहां थे। यहां तक कि उस समय उनकी अपने लोगों ने भी हालचाल लेना मुनासिब नहीं समझा।

आज जो लोग आयोजनों के झंडाबरदार बने भीड़ जुटाने में लगे हैं वे भी दूर से ही सलाम कर लिए थे। ऐसे में यूपी बिहार के मजदूर आखिर पैदल ही अपने घर न जाते तो क्या करते। तत्कालीन बीआरएस सरकार ने काफी हद तक मदद पहुंचाई थी, जिसकी वजह से लोग अपने घरों तक सुरक्षित पहुंच सके थे। आज बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश के लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या ट्रेन के सफर को लेकर है। उत्तरप्रदेश और बिहार के लिए नियमित एक ट्रेन ही है। सिकंदराबाद-दानापुर ट्रेन में आरक्षित सीट मिलना किसी जंग जीतने से कम नहीं है। गर्भवती महिलाओं, वृद्धजनों के लिए हैदराबाद से यूपी बिहार की यात्रा कितनी कठिन है यह तो कोई भुक्त भोगी ही बता सकता है। श्री राम मंदिर अयोध्या, काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी आदि तीर्थ-स्थल होने के कारण आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक के लोग भी वाराणसी बड़ी संख्या में जाते हैं। दिनोंदिन यात्रियों की संख्या तो बढ़ती जा रही रही है, लेकिन ट्रेन की संख्या नहीं बढ़ रही है। बरसों से लोग यूपी बिहार के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर तेलंगाना का कोई नेता या कोई राजनीतिक दल नहीं जिससे गुहार न लगाई गई हो, लेकिन आश्वासन के सिवाय अभी तक कुछ नहीं मिला है। ध्यान देने वाली बात यह है कि उत्तरप्रदेश और बिहार के नेता भी पटना व वाराणसी से सिकंदराबाद के लिए ट्रेन चलवाने में रुचि नहीं ले रहे हैं। बड़े-बड़े नेता केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकारों के मंत्री, सांसद-विधायक तेलंगाना के दौरे पर आते हैं। यूपी, बिहार के प्रवासी लोग उनके स्वागत में बिछ जाते हैं, बदले में उन्हें आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं मिलता। सिर्फ चुनाव के समय वे अपने संबंधित दलों के प्रचार लिए यहां के लोगों को लुभाने के लिए आते हैं। लाखों की संख्या में तेलंगाना में रह रहे लोगों का कोई राजनीतिक दलों में प्रतिनिधित्व नहीं है। किसी दल ने अभी तक नियमित रूप से उत्तर भारतीय समाज के लोगों को पार्षद तक नहीं बनाया है। इतना ही नहीं संगठन में जिम्मेदार पदाधिकारी भी नहीं बनाया है। जबकि तेलंगाना के पूर्व भाजपा अध्यक्ष डॉक्टर के. लक्ष्मण उत्तरप्रदेश भाजपा के राज्यसभा सदस्य है। उत्तर भारतीयों के सामने कोई समस्या आती है तो वह अपनी बात किसके सामने जाकर रखें और किसको अपनी पीड़ा बताएं। आज के दौर में सिर्फ उनका इस्तेमाल राजनीतिक दल वोट, सपोर्ट के लिए कर रहे हैं। चुनाव के बाद समाज के लोगों को दरकिनार कर देते हैं। अपने साथ जो राजनीतिक दल यूपी, बिहार के लोगों को जोड़ने की बात कर रहे हैं, तो उनको यह भी बताना पड़ेगा तेलंगाना के विकास में अपना खून पसीना लगाने वाले लोगों के लिए उनकी पार्टी के पास कौन सा ठोस प्लान है।

बार-बार उत्तर भारतीय ठगे गए हैं। फिर कुछ चंद लोगों को मोहरा बनाकर चुनाव में ठगने की फिर तैयारी शुरू हो गई है। मजेदार बात यह है कि कुछ लोग उत्तर प्रदेश, बिहार के लोगों के लिए कार्यक्रम आयोजित कर संयोजन बन जाते हैं, लेकिन उनका समाज के लोगों की समस्याओं से कोई दूर-दूर तक लेना देना तक नहीं है। बस वह यह सब इसलिए कर रहे हैं किसी राजनीति दल के साथ ही उनका भी भला हो जाए। इन दिनों एक उत्तर भारतीय हैदराबाद में काफी चर्चा में है। वे बेचारे संयोजक बनने की होड़ में लगे रहते हैं। कई बार उत्तर भारतीय मजदूरों के साथ मारपीट की जाती है। काम के बावजूद वेतन नहीं दिया जाता है। कभी-कभी दुर्घटना का शिकार होकर मजदूर मर जाते हैं। उनके शव को पैतृक आवास भेजना होता है। ऐसे में कोई राजनीतिक दल या कोई बड़ा नेता मदद के लिए आगे नहीं आता है। हां उत्तर भारतीय समाज के कुछ चुनिंदा संस्थाएं इस दिशा में काम करती है। वह नई ट्रेन चलाने की मांग को लेकर लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसे में उत्तर भारतीयों को अपने वोट, सपोर्ट और चंद कीमत को पहचानना होगा और सही वक्त पर सही निर्णय लेना होगा।

नेता जी के नहाने का साबुन

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बात उन दिनों की है जब नेता जी चुनावी दौरे पर थे और जनता के बीच जा कर आत्मीयता दिखाने का नाटक कर रहे थे। भाइयों और बहनों!—नेता जी के इस उद्घोष से जनता में एकाएक ऊर्जा आ जाती, ठीक वैसे ही जैसे पुराने ट्रांजिस्टर में नया सेल डालने से आवाज तेज हो जाती है। वे गाँव की पगडंडियों पर चलते, गरीबों के घरों में बैठते, वहाँ की रोटी तोड़ते और फोटो खिंचवाकर मीडिया में अपनी सादगी की ब्रांडिंग करवाते। पर इस बार किस्सा कुछ अलग था। नेता जी को इस बार किसी गरीब के घर में रुकना पड़ा और सुबह नहाने के लिए साबुन की तलाश करने लगे। अब गाँव के घरों में साबुन कहाँ मिलता? एक बच्चे ने उन्हें कपड़े धोने वाला नीला टुकड़ा लाकर दे दिया। नेता जी उसे देखकर हक्के-बक्के रह गए। अरे भई, ये कौन सा विदेशी ब्रांड है? नेता जी साबुन लेकर बाथरूम में गए, पर जैसे ही उसे हाथ में लिया, उनकी आत्मा काँप उठी। हे भगवान! ये तो ऐसा है जैसे किसी ने रॉकेट लॉन्चर को बारूद से भर दिया हो! फिर भी चुनावी इमेज की खातिर उन्होंने साबुन को हाथों में घिसा, लेकिन झाग तो छोड़ो, साबुन हाथ से फिसलकर जमीन पर जा गिरा। गाँव वालों ने बाहर से पूछा, नेता जी! कैसा लग रहा है हमारा देसी साबुन? नेता जी अंदर से बोले, बस यही देख रहा हूँ कि ये साबुन है या गाँधी जी का तीन बंदर—न झाग देता है, न महकता है, न शरीर से चिपकता है! किस्सा यहीं खत्म नहीं हुआ। जैसे-तैसे साबुन को अपने शरीर पर आजमाने की कोशिश की, तो लगा मानो जिंदगी के सारे पाप धुलने की बजाय चिपक गए हों। अब नेता जी की त्वचा में जलन होने लगी, जैसे किसी ने मिर्ची पाउडर मिला दिया हो। "हे राम! ये साबुन बना है कि लोहा चमकाने वाला केमिकल?" नेता जी बाथरूम से निकलते ही सीधे पानी की टंकी के नीचे बैठ गए और वहाँ से चिल्लाए, भइयो, मुझे तो लग रहा है कि तुम लोग इसी साबुन से बैलगाड़ी के पहिए चमकाते हो! गाँव के लोग हँसने लगे, मगर कोई बोलता क्यों नहीं कि साबुन दरअसल उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम है?अब गाँव के सरपंच से रहा नहीं गया। उन्होंने कहा, नेता जी, हमारी जिंदगी का असली रंग यही है! यह साबुन हमारी असली मेहनत की तरह है—कठोर, सख्त और झाग रहित! आप इसे महसूस कर रहे हैं, लेकिन हम इसे हर दिन जीते हैं। नेता जी को पहली बार एहसास हुआ कि इस चुनावी दौरे का असली सबक यह नहीं कि वे कितने सरल दिख सकते हैं, बल्कि यह कि आम जनता की जिंदगी कितनी कठिन है। लेकिन, यह सोचकर ही उन्होंने अपने आसपास देखा, कहीं कोई पत्रकार तो नहीं? साबुन के झटके से उबरते ही उन्होंने तुरंत अपना विदेशी ब्रांड वाला साबुन मँगवाया और कहा, भाई, कुछ भी कहो, लेकिन चुनावी प्रचार के चक्कर में जान भी दांव पर नहीं लगानी चाहिए! तभी गाँव का एक बुजुर्ग बोला, बेटा, जो साबुन हमारी गरीबी नहीं धो पाया, वो तुम्हारी चालाकी क्या खाक धोएगा? नेता जी चुप हो गए। लेकिन यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती। नेता जी की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तुरंत घोषणा कर दी कि गाँव वालों के लिए मुफ्त साबुन योजना लाई जाएगी।

नागपुर के 350 साल पुराने प्रसिद्ध गणेश पहाड़ी मंदिर का इतिहास और महत्व

प्रसिद्ध गणेश हिल मंदिर नागपुर के सीताबर्डी इलाके में स्थित है। यह मंदिर भोसले कालीन है। इस मंदिर में भगवान गणेश की 350 साल पुरानी मूर्ति है। यह मूर्ति एक पीपल पेड़ के नीचे स्थित है। इस मंदिर में भक्तों को एक ही समय में भगवान विष्णु और गणेश की पूजा और दर्शन करने का सौभाग्य मिलता है।

मंदिर का इतिहास

सीताबर्डी इलाके के पहाड़ी इलाके में अंग्रेजों और भोसले के बीच लड़ाई हुई थी। इस पहाड़ी पर भगवान गणेश का मंदिर है।

ऐसा कहा जाता है कि भोसले राजा नाव से गणेश जी के दर्शन करने जाते थे, क्योंकि पास की शुक्रवारी झील का पानी पहाड़ी तक आ जाता था। अब शहरीकरण के कारण झील का पानी मंदिर तक नहीं रह गया है। साथ ही अब मंदिर का परिसर भी बड़ा कर दिया गया है।

मान्यता

भक्तों का मानना है कि गणपति, जो नागपुर वासियों के आराध्य देवता हैं, मन्नत लेते हैं।

गणेश चतुर्थी पर यहां हजारों भक्त दर्शन के लिए आते हैं। क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा भी नागपुर के इस गणेश पहाड़ी मंदिर में दर्शन करने आते हैं।

इसी क्षेत्र में एक और गणपति हैं, जिन्हें फौजी गणपति के नाम से जाना जाता है। पहाड़ी गणेश की आरती दिन में चार बार की जाती है, जो यहां का विशेष आकर्षण है। इस आरती में हर जाति और धर्म के लोग शामिल होते हैं।

स्वयंभू मूर्ति

गणेश की स्वयंभू मूर्ति दाहिनी सूंड वाली है और पहले दो पैर, चार हाथ, सिर, धड़ दिखाई देते थे लेकिन शेंद्र के पुट के कारण हाल के दिनों में मूर्ति दिखाई नहीं दे रही है।

ड्रैगन पैलेस मंदिर

नागपुर के कम्पी नामक स्थान पर बौद्ध मंदिर है, जिसे ड्रैगन पैलेस मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहां पर बौद्ध को घंटों घंटों तक ध्यान करते हुए देखा जा सकता है।

ड्रैगन पैलेस बौद्ध मंदिर को नागपुर के लोटस टेम्पल के रूप में जाना जाता है। मंदिर की स्थापना 1999 में की गई थी और इसका निर्माण जापान से ओगावा समाज द्वारा दान दिए गए धन से करवाया गया था।

मंदिर में भगवान बुद्ध के एक विशाल चंदन की मूर्ति है और मंदिर के परिसर को पेड़ पौधे और हरे बगीच के साथ खूबसूरती से बनाया गया है।

श्री त्रिशुंड गणपति मंदिर पुणे

णे भगवान गणेश उत्सवों के जीवंत शहर के लिए जाना जाता है, और पेशवा शासन के दौरान, उन्होंने पूजा के लिए सुंदर मंदिरों का निर्माण किया।

250 साल से अधिक पुराना त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर पुणे में एक छुपा हुआ रत्न है, जो सोमवार पेठ शहर में स्थित है। मंदिर का निर्माण इंदौर के पास धामपुर के भीमजीगिरी गोसावी ने किया था।

मंदिर को त्रिशुंड गणपति क्यों कहा जाता है? क्योंकि भगवान गणेश की मूर्ति के तीन दांत और छह हाथ हैं और वह एक मोर पर बैठे हैं। यह बेहद अनोखा है, क्योंकि भगवान गणेश का यह चित्रण भारत में कहीं और नहीं मिलता है। वास्तुकला के बारे में, मंदिर का निर्माण डेक्कन पत्थर बेसाल्ट से किया गया है, जबकि मूर्ति शुद्ध काले बेसाल्ट पत्थर से बनाई गई है। आंतरिक गर्भगृह की एक दीवार पर देवनागरी, संस्कृत और फारसी में शिलालेख हैं, साथ ही भगवद गीता के श्लोक भी हैं। मंदिर भारत की आकर्षक विरासत का एक सुंदर उदाहरण है।

इसके अलावा त्रिशुंड गणपति मंदिर के आसपास के क्षेत्र में अन्य मंदिरों के समूह हैं। इनमें से सबसे लोकप्रिय नागेश्वर मंदिर है, जो भगवान विट्ठल, भगवान मारुति, भगवान कला राम को समर्पित अन्य छोटे मंदिरों से घिरा हुआ है। साथ ही एक मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है, जिसे जूनी बेलबाग मंदिर के नाम से जाना जाता है।

पुणे-शिरुर हाईवे का निर्माण इस साल के मध्य तक शुरू होने के आसार, कितनी होगी लागत और लंबाई? आपको बता दें सुबह 8:30 बजे प्रार्थना के अलावा, मंदिर गणेश जन्मोत्सव का त्योहार भी मनाता है, जो भगवान गणेश की जयंती के रूप में मनाया जाता है।

शमी विघ्नेश्वर गणेश प्रतिमा

प्राचीन गणेश क्षेत्रों में से एक विदर्भ (उत्तर महाराष्ट्र) के अदोष नामक पवित्र स्थान पर वामन अवतार ने श्री गणेश की आराधना की थी। यहाँ श्री वामन ने (1) शमी विघ्नेश्वर की गणेश प्रतिमा स्थापित की तथा (2) गणपति मंदिर का निर्माण कराया।

नागपुर जिले के सावनेर तालुका में स्थित ऐतिहासिक महत्व का गांव आदसा। वामन की सीट के रूप में प्रसिद्ध इस क्षेत्र को अदोष क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है। हिंदुओं में एक हजार साल से भी अधिक समय से यह मान्यता है कि 'अदोष क्षेत्र' का अर्थ है वह स्थान जहाँ सभी पापों से मुक्ति मिलती है। बाद में यह शब्द विकृत हो गया और यह स्थान आदसा नाम से प्रसिद्ध हो गया। यहाँ स्थित गणपति का मंदिर शमी विघ्नेश्वर के नाम से प्रसिद्ध है। गणेश की मूर्ति स्वयंभू है और 12 फीट ऊँची और 7 फीट चौड़ी है। एक हजार साल से भी अधिक पुराना यह मंदिर विदर्भ के आठ प्रसिद्ध गणेश मंदिरों में से एक है। आइए अब इस मंदिर के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को समझें। राजा बलि ने इंद्र (देवताओं के राजा) का पद पाने के लिए पर्याप्त 100 यज्ञ और पुण्य करने का संकल्प लिया था। अपनी अपार भक्ति के माध्यम से उन्होंने अपार शक्ति अर्जित की थी। उनके द्वारा नियोजित अग्नि यज्ञों को नष्ट करने में सक्षम होने के लिए, श्रीविष्णु के वामन अवतार ने नागपुर जिले के अदोष क्षेत्र में शमी विघ्नेश्वर की पूजा की। बाद में उनकी कृपा से वामन ने बलि के अग्नि यज्ञ को नष्ट कर दिया। इस घटना के बाद वामन ने उस पवित्र क्षेत्र में शमी विघ्नेश वक्रतुंड के नाम से श्री गणेश की मूर्ति स्थापित की।

इस क्षेत्र को पुराणों में वामन वरद वक्रतुण्ड का स्थान बताया गया है तथा यह आध्यात्मिक रूप से अत्यधिक सक्रिय माना जाता है।

क्या आप छोटी-छोटी बात पर लेते हैं तनाव

पड़ गई है नशे की लत? कहीं कुंडली में ये योग तो नहीं, जानें बचाव के उपाय

हमारी कुंडली में कई प्रकार के दोष होते हैं, जिनमें से एक है विष दोष। जब कुंडली में शनि और चंद्रमा दोनों ग्रह एक साथ होते हैं, तो यह विष योग बनता है, जो जीवन में विष के समान प्रभाव डालता है। अगर शनि और चंद्रमा किसी भी एक भाव में स्थित हों और उनका परस्पर अंतर 12 डिग्री से कम हो, तो यह दोष अत्यधिक प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा, अगर शनि की चंद्रमा पर दृष्टि हो, तो भी यह दोष कुंडली में बन सकता है। वैसे तो शनि न्याय और अनुशासन के ग्रह हैं, लेकिन अगर वे अशुभ अवस्था में हों, तो यह बहुत बुरे परिणाम देते हैं। शनि अलग-अलग ग्रहों के साथ विभिन्न प्रकार के प्रभाव डालते हैं, लेकिन शनि और चंद्रमा का मेल सबसे अधिक अशुभ माना जाता है। इस योग के कारण जातक मानसिक रूप से अस्थिर हो सकता है।

मानसिक अशांति

चंद्रमा मन का कारक है। जब यह शनि से प्रभावित होता है, तो व्यक्ति अवसाद, चिंता और नकारात्मक सोच से घिर जाता है। ऐसा व्यक्ति अत्यधिक चिंता, अवसाद (डिप्रेशन) और तनाव का शिकार हो सकता है।

रक्त संबंधी विकार

चंद्रमा रक्त का प्रतिनिधित्व करता है। जब यह शनि से पीड़ित होता है, तो रक्तचाप, खून की कमी, या अन्य रक्त विकारों का खतरा बढ़ जाता है।

नशे की लत

इस दोष से प्रभावित व्यक्ति में नकारात्मक विचार, आत्महत्या की प्रवृत्ति, या नशे की लत जैसी समस्याएं हो सकती हैं। क्योंकि चंद्रमा का शनि से मेल मन को कमजोर बना देता है।

माता से संबंध खराब होना

चंद्रमा माता का कारक है। इस दोष के कारण जातक का अपनी माता से संबंध खराब हो सकता है, या माता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इतना ही नहीं विष योग के कारण जातक परिवार से अलग हो सकता है।

शिक्षा और एकाग्रता में कमी

अगर यह दोष पंचम भाव (विद्या का भाव) में हो, तो व्यक्ति की पढ़ाई में रुचि कम हो जाती है और एकाग्रता भंग होती है।

विवाह और पारिवारिक जीवन में समस्याएं अगर यह दोष सप्तम भाव (विवाह का भाव) में हो, तो विवाह में देरी या वैवाहिक जीवन में समस्याएं हो सकती हैं।

जीवन की अस्थिरता

अगर यह द्वितीय, अष्टम, या द्वादश भाव में हो, तो जातक को आर्थिक, मानसिक और शारीरिक कष्ट उठाने पड़ सकते हैं।

विष योग का निवारण

भगवान शिव की पूजा करें

रोज़ शिवलिंग पर जल अर्पित करें।

सोमवार के दिन दूर्वा और कच्चा दूध चढ़ाएं।

"ॐ नमः शिवाय" मंत्र का 108 बार जाप करें।

माह में दोनों एकादशी के दिन उपवास रखें।

रुद्राभिषेक करवाएं।

शनि और चंद्रमा के प्रभाव को संतुलित करें

तुलसी के पत्ते रोज़ सुबह खाएं।

शनिवार को काले तिल, उड़द की दाल, काले कपड़े, या लोहे की वस्तु दान करें।

शनि मंत्र ("ॐ शं शनैश्चराय नमः") का जाप करें।

चंद्रमा के लिए मोती या चंद्र मंत्र ("ॐ सोम सोमाय नमः") का जाप करें।

पीपल के पेड़ के नीचे तेल का दीपक जलाएं।

माता का सम्मान करें

माता का आशीर्वाद लें और उनसे प्रेमपूर्वक व्यवहार करें।

महिलाओं का सम्मान करें, क्योंकि चंद्रमा स्त्रीत्व का भी प्रतिनिधित्व करता है।

ध्यान और योग करें

विष दोष से प्रभावित व्यक्ति को मानसिक शांति के लिए ध्यान, प्राणायाम और योग करना चाहिए। विशेष रूप से चंद्र मुद्रा और अनुलोम-विलोम प्राणायाम लाभदायक होते हैं।

मां विंध्यवासिनी का है भगवान शिव से गहरा नाता

आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी को सृष्टि की संरचना करने वाली देवी कहा जाता है। सर्वशक्तिमान मां विंध्यवासिनी का भगवान शिव से गहरा नाता है। पुराणों में इसका प्रमाण आज भी मिलता है। किदवंतियों के अनुसार मां विंध्यवासिनी पृथ्वी की संरचना के लिए तीनों भगवान ब्रहा, विष्णु और महेश को प्रकट किया। मां ने कहा कि कोई वरण करें। ब्रहा और विष्णु ने इंकार कर दिया। हालांकि, भगवान शिव एक शर्त पर राजी हुए। भगवान शिव ने कहा कि मां मुझे आपका तीसरा नेत्र चाहिए। मां के आशीर्वाद से भगवान शिव को तीसरा नेत्र मिला। पुराणों में वर्णित कथा मां विंध्यवासिनी धाम से जुड़ी हुई है। मां जगदंबा सर्व शक्तिमान है। मां ने जब पृथ्वी की संरचना के बारे में सोचा, तो तीन रूपों में ब्रह्मा, विष्णु और महेश को प्रकट किया। मां ने तीनों से कहा कि मेरा वरण करो। ब्रह्मा और विष्णु ने वरण करने से इंकार कर दिया। हालांकि, भगवान शिव वरण के लिए तैयार हो गए। उन्होंने मां से कहा कि मैं वरण के लिए तैयार हूं, लेकिन मुझे कुछ चाहिए। मां ने पूछा कि क्या चाहिए तो भगवान शिव ने कहा कि आपके मस्तक पर तीसरा नेत्र है। वह हमें चाहिए। मां के आशीर्वाद से भगवान शिव को तीसरा नेत्र मिला।

प्रलयकारी था तीसरा नेत्र

पं. अनुपम महराज ने बताया कि मां का तीसरा नेत्र विध्वंशकारी था। भगवान शिव के द्वारा तीसरा नेत्र खोलने पर मां भस्म हो गई। ऐसा उन्होंने महसूस कराया। मां के भस्म होने से भगवान शिव ने तीन पिंडी बनाई। उसके बाद मां तीन रूप में प्रकट हुई। मां महालक्ष्मी, मां महाकाली और मां महाशक्ति भक्तों का कल्याण कर रही हैं। ऐसी मान्यता है कि मां के स्नान का जो जल जाता है। उसी कुंड में ब्रह्मा और विष्णु की पिंडी है। क्योकि मां के सामने से दर्शन का सामर्थ्य नहीं था और पीछे से दर्शन करना चाह रहे हैं। मां के पैर के नीचे आने से पिंड बन गए और आज भी वहीं पर मौजूद हैं।

करियर में अपार सफलता चाहते हैं, तो गांठ बांध लें आचार्य चाणक्य की ये बातें

बॉस को रखें खुश

जिस तरह से एक राजदरबार का मंत्री सदैव राजा का पक्ष करता है और उसके अनुकूल रहता है। उसी प्रकार अपने वर्कप्लेस पर अच्छा माहौल बनाकर रखने के लिए अपने बॉस को हमेशा बेहतर महसूस कराना चाहिए। ध्यान रखें कि अपने बॉस के आगे अपनी प्रतिभाओं को छिपा कर रखें।

अपने सीक्रेट किसी से ना करें शेयर

कार्यक्षेत्र में कभी भी अपनी गोपनीय योजाएं लोगों को नहीं बतानी चाहिए। ऐसे लोग जो अपने प्लान लोगों से शेयर करते हैं उन्हें पूरा करने में उतनी ही बाधा आती है। चाणक्य नीति के अनुसार कार्यक्षेत्र में व्यक्ति को शांत रहना चाहिए और अपने अगले कदम के बारे में हर बात को गुप्त रखनी चाहिए।

बोलने से ज्यादा करें काम

चाणक्य नीति कहती है कि जो ज्यादा बोलता है, वह अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाता। इसलिए व्यक्ति को चाहिए कि वह कार्यक्षेत्र में शांत रहकर और मन लगाकर कार्य करें। ऐसा करने से वह बिना किसी विवाद में फंसे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है।

दूसरों की लें मदद

कार्यक्षेत्र में कई बार ऐसी परिस्थिति आती है जब आप अकेले कार्य करने में सक्षम नहीं होते ऐसे में जरूरी है कि आप अपने व्यवहार और तर्क के द्वारा दूसरों की महनत का भी लाभ उठाएं। ऐसा करना आपके लिए हमेशा फलदाई रहेगा।

दूसरों को अपने ऊपर निर्भर बनाएं

चाणक्य नीति के अनुसार कार्यक्षेत्र में व्यक्ति को अपनी बुद्धिमानी से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहिए।लोगों को अपने ऊपर इस तरह निर्भर कर दें कि उन्हें आपकी गैर मौजूदगी में कमी महसूस होने लगे।

दुश्मन को भी दोस्त बनाएं

अगर एक सुखी व्यावसायिक जीवन चाहते हैं तो कभी भी अपने दुश्मन को पूरी तरह हराए बिना न छोड़े।अपने दुश्मन से कभी भी बुरी तरह व्यवहार न करें बल्कि उसे ऐसा महसूस कराएं कि आपको उससे कोई वैर नहीं है। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपका दुश्मन कभी भी आपसे ज्यादा ताकतवर बनकर आपसे बदला ले सकता है।

'सिकंदर' को लेकर निर्देशक ने किए बड़े दावे, बताया- फिल्म में गहरी हैं भावनाएं

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' की रिलीज का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में सलमान के अलावा रश्मिका मंदाना अहम किरदार में हैं। फिल्म का निर्देशन मुर्गदास ने किया है जबकि इसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। फिल्म ने अपने जबरदस्त टीजर और गाने से लोगों का दिल जीत लिया है। अब सबकी निगाहें इसके ट्रेलर के रिलीज पर हैं। लोगों की उत्सुक्ता के बीच फिल्म के निर्देशक मुर्गदास ने फिल्म के बारे में अहम बातें बताई हैं।

सिकंदर में हैं गहरी भावनाएं

मुर्गदास से जब पूछा गया कि 'गजनी' में एक्शन के अलावा बहुत गहरी भावनाएं थीं। क्या सिकंदर में भी ऐसी ही भावनाएं हैं? तो मुर्गादास ने टाईम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा 'हां, यकीनन। फिल्म में बहुत अच्छी परिवारिक भावनाएं हैं। गजनी एक गर्लफ्रेंड और ब्यॉयफ्रेंड की कहानी थी। लेकिन ये

फिल्म पती-पत्नि के रिश्ते पर है। यह बताती है कि आज परिवार कैसे चलता है, जोड़े कैसे एक दूसरे के साथ कैसे व्यवहार करते हैं। और हम अपने रिश्ते में क्या छोड़ रहे हैं।'

परिवारिक लोगों को भी पसंद आएगी फिल्म

उन्होंने आगे कहा 'सिकंदर को सबसे अलग बनाती है वह है कि यह फिल्म सलमान के लिए बहुत अहम है। यह सिर्फ ईद पर मजे के लिए नहीं है। इसमें एक्शन, भावनाएं और एक अपील है ताकि लोगों को बांध सके। हमने एक ऐसी फिल्म बनाई है जो सलमान खान के फैंस से लेकर परिवार के दर्शकों को पसंद आएगी।'

इस तारीख को रिलीज होगी फिल्म

निर्देशक ने आगे बताया कि 'जिन लोगों ने सलमान खान को 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन' को पसंद किया है वह 'सिकंदर' को जरूर पसंद करेंगे। क्योंकि ये फिल्म गजनी की तरह ही है। इसमें भावनाएं हैं।'आपको बदा दें कि हाल ही में सिकंदर फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। इसे फैंस की तरफ से अच्छा रिस्पांस मिला था। फिल्म के गाने को भी खूब पसंद किया गया है। फिल्म 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भारतीय फैंस को रिझाने के लिए पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने किया था ये काम, हो गईं ट्रोल

पाकिस्तान की एक्ट्रेस हानिया आमिर के भारत में बहुत फैंस हैं। हानिया आमिर 'कभी मैं कभी तुम', 'मेरे हमसफर', 'दिल रुबा' और 'अना एंड मोर' जैसे टीवी शो में नजर आ चुकी हैं। उनके फैंस सिर्फ पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में भी हैं। हानिया आमिर को पाकिस्तान की आलिया भट्ट बुलाया जता है। यह नाम सुनकर काफी खुश होती हैं। वह इसे अपनी तारीफ समझती हैं।

यूजर ने किया कमेंट

हानिया ने होली के मौके पर सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह बिंदी लगाए हुए नजर आ रही थीं। हानिया आमिर की ये चीज लोगों को पसंद नहीं आई। उन्होंने हानिया को बिंदी लगाने के लिए ट्रोल कर दिया। एक यूजर ने लिखा 'इस बिंदी की वजह से मैं आपको अनफालो कर रहा हूं। रमजान का महीना है और आप ये पाकिस्तान में कर रही हैं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'यार मैं आपकी बहुत बड़ी फैन थी लेकिन आपने निराश किया। आप मुसलमान होकर हिंदुओं के रिवाज करती हो।' एक यूजर ने लिखा 'हमे सब नजर आ रहा है। ये ऐसा भारतीय दर्शकों को रिझाने के लिए कर रही है।' कुछ यूजर ने उन्हें होली की मुबारकबाद देने के लिए भी ट्रोल किया। उन्होंने कहा कि यह गैर इस्लामिक है।

हानिया ने दी होली की मुबारकबाद

हानिया ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई तस्वीरें शेयर की

हैं। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा कि 'एक काबिल इंसान ने एक बार कहा थाः मैं न बुरा सुनूं, न बुरा देखूं, इसलिए मैं न बुरा बोलूं।' सभी को होली की मुबारकबाद'।

यूजर्स ने किया हानिया का सपोर्ट

हानिया के ट्रोल होने के बाद कुछ लोगों ने हानिया के समर्थन में पोस्ट की है। एक यूजर ने लिखा है 'एक अच्छी पोस्ट पर ऐसे जाहिलाना कमेंट देखकर मैं हैरान हूं।'

एक दूसरे यूजर ने लिखा 'अगर आप एक छोटी चीज बिंदी को नहीं बर्दाश्त कर सकते, तो आप हिंदू को कैसे बर्दाश्त करेंगे।' एक यूजर ने लिखा है कि मैं पाकिस्तानी मुस्लिम हूं। मैं जब छोटी थी तो मैं ईद, बकरीद और दूसरे त्योहारों पर बिंदी लगाती थी।

1 मिनट का न्यूड सीन देकर स्टार बन गई थी ये एक्ट्रेस, 20 साल की उम्र में प्रेग्नेंट होने से छोड़ा था बॉलीवुड

80 का दशक सिनेमा जगत में कई तरह के बदलाव लेकर आया। अनिल कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे नए-नए कलाकारों ने बॉलीवुड में डेब्यू किया। जबकि दूसरी तरफ तो श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित और जूही चावला जैसी एक्ट्रेसेज ने भी इंडस्ट्री में एंट्री मारी। लेकिन इन सबके बीच फिल्म की कहानी और हॉट सीन्स को लेकर पैमाने बदलने लगे थे। इस बीच एक ऐसी अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में एंट्री मारी, जिसने ऑन कैमरा छोटे कपड़े पहनने और किसिंग सीन्स देने से परहेज नहीं किया। सिर्फ इतना ही नहीं न्यूड सीन देने के बाद ही वह स्टार बन पाई।

80 के दशक की हॉट हसीना

बॉलीवुड में 80 के दशक के अंत तक फिल्मों में लिपलॉक सीन्स आम बात हो गई थी।

इस मामले में अभिनेत्री सोनम बख्तावर खान दो कदम आगे निकल गईं। जी हां, सोनम खान ही वहीं अदाकारा रहीं, जिन्होंने उस दौर में फिल्म इंडस्ट्री में अपनी बोल्डनेस से तलहका मचा दिया था और हॉट हसीना कहलाईं। ये वहीं सोनम हैं, जिनको सनी देओल और नसीरुद्दीन शाह की फिल्म त्रिदेव के ओये ओये गाने के लिए जाना जाता है।

1987 में आई फिल्म तेलुगु फिल्म सम्राट से उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसी साल मूवी विजय से उन्होंने बॉलीवुड में भी आगाज किया और इसके बाद कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

महज 16 साल की उम्र में बतौर एक्ट्रेस सिनेमा जगत में एंट्री मारकर सोनम अपनी बेबाक खूबसूरती और अदाकारी से सबका दिल जीता। डेब्यू हिंदी फिल्म विजय में ही सोनम ने अपनी हॉटनेस का जलवा बिखेरा और बिकिनी अवतार से सनसनी मचाई। इस दौरान उन्होंने ऋषि कपूर संग लिपलॉक सीन भी दिया।

फिर फिल्म मिट्टी और सोना में न्यूड सीन देकर सोनम खान ने बोल्डनेस की सारी हदें पार कर दी थीं। उन्होंने ऋषि कपूर, जैकी श्रॉफ, सनी देओल, गोविंदा और चंकी पांडे जैसे अभिनेताओं के साथ स्क्रीन शेयर की।

सोनम ने क्यों छोड़ा बॉलीवुड

बतौर एक्ट्रेस सोनम खान को काफी सफलता मिली। लेकिन 20 साल की उम्र में प्रेग्नेंट होने की वजह से उन्होंने करीब 3 साल बाद बॉलीवुड को छोड़ दिया और अपने पति के साथ विदेश शिफ्ट हो गईं। बता दें कि त्रिदेव के निर्देशक राजीव राय के साथ सोनम का अफेयर चला और बाद इन्होंने शादी भी कर ली।

फोटो क्रेडिट- इंस्टाग्राम

इन दोनों का एक बेटा भी है, हालांकि शादी के कुछ सालों के बाद इस कपल का तलाक हो गया। बता दें कि अब सोनम खान मुंबई वापस लौट आई हैं और वह जियो वर्ल्ड प्लाजा इवेंट के दौरान सार्वजनिक तौर पर नजर आईं।

'कुछ कुछ होता है' में ऐश्वर्या ने इसलिए नहीं किया था काम, बताई अहम वजह

ऐश्वर्या राय बच्चन का फिल्मी करियर दो दशक लंबा रहा है। उन्होंने अपने करियर के दौरान कई फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए। उन्होंने ये ऑफर अपनी स्टार वाली छवि को देखते हुए ठुकराए थे। जबकि कुछ ऑफर की वजह से उन्हें बहुत शोहरत मिली। करण जौहर ने ऐश्वर्या राय को फिल्म 'कुछ कुछ होता है' फिल्म ऑफर की थी लेकिन ऐश्वर्या ने इसमें काम करने से मना कर दिया।

ऐश्वर्या ने इसलिए रिजेक्ट की थी फिल्म

'कुछ कुछ होता है' फिल्म में ऐश्वर्या राय को रानी मुखर्जी का रोल अदा करने के लिए दिया गया था। फिल्म में रानी मुखर्जी शाहरुख खान की पहली प्यार थीं। लेकिन ऐश्वर्या राय ने इस रोल को करने से मना कर दिया था। इसकी वजह यह थी कि उनको लग रहा था ये रोल लोगों को पसंद नहीं आएगा और इस पर उन्हें बहुत नाकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे।

ऐश्वर्या ने फिल्मफेयर से बातचीत में बताया कि फिल्म में अपने किरदार को लेकर ठीक नहीं थीं। उनको लग रहा था कि इस फिल्म में अगर वह यह किरदार अदा करेंगी और इस पर नकारात्मक प्रतिक्रिया आएगी तो उन्हें बुरा लगेगा।

कई लोगों ने रिजेक्ट किया था ये रोल

ऐश्वर्या ने कहा 'अगर मैं ये फिल्म करती, तो लोग इस पर हंसी उड़ाते कि देखो ऐश्वर्या वही कर रही हैं जो वह मॉडलिंग के दिनों में कर रही थीं।

क्या आपको पता है कि अगर मैं 'कुछ कुछ होता है' फिल्म करती तो मेरे फैंस मुझे मार देते।' जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि फिल्म में रानी मुखर्जी ने जो रोल किया है वह रोल ट्विंकल खन्ना, उर्मिला मातोंडकर और तब्बू को भी ऑफर किया गया था। इन लोगों ने अलग-अलग वजहों से इसे रिजेक्ट किया था।

लोगों को पसंद आया था रानी का किरदार

आपको बता दें कि 'कुछ कुछ होता है' फिल्म में रानी मुखर्जी का रोल टीना मलहोत्रा को लोगों को खूब पसंद आया। इसे लोगों ने बहुत प्यार किया। ऐश्वर्या राय बच्चन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार पोन्नियिन सेलवनः II में नजर आई थीं।

अमरूद बेचने वाली महिला से इंप्रेस हुईं प्रियंका चोपड़ा : तारीफ में शेयर किया वीडियो, बोलीं- उसे मुफ्त में पैसे नहीं चाहिए था

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म शूटिंग के लिए वे पिछले कुछ दिनों से ओडिशा में थीं। ओडिशा से मुंबई रवाना होने के दौरान उनके साथ कुछ ऐसा हुआ कि वो खुद को इंस्पायर महसूस कर रही हैं। और उन्होंने वो छोटी से घटना अपने फैंस से सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया है। दरअसल, अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि ओडिशा में उनका पिछला कुछ दिन कैसा बीता। उन्होंने कई सारी तस्वीरें और एक वीडियो पोस्ट शेयर किया।

एक वीडियो में प्रियंका कैमरे से बात करते हुए कहती हैं, तो मैं ऐसा अक्सर नहीं करती लेकिन आज मैं बहुत प्रेरित हुई। मैं मुंबई से न्यूयॉर्क जाने के लिए विशाखापत्तनम हवाई अड्डे की ओर जा रही थी। और मैंने एक महिला को अमरूद बेचते हुए देखा। मुझे कच्चे अमरूद बहुत पसंद हैं। तो मैंने उसे रोका और पूछा, ये सारे अमरूद कितने के हैं? उसने कहा 150 रुपए। मैंने उसे 200 रुपए दिए। वो मुझे चेंज लौटाने की कोशिश कर रही थी। मैंने कहा, तुम रख लो। जाहिर है वह अमरूद बेचकर अपना गुजारा करती थी। वह थोड़ी देर के लिए चली गई लेकिन लाल बत्ती हरी होने से पहले वह वापस आई और मुझे दो और अमरूद दे गई। एक कामकाजी महिला, उसे दान नहीं चाहिए था। यह बात मुझे बहुत प्रभावित कर गई। कुछ दिन पहले प्रियंका ने अपने फैंस को होली की शुभकामनाएं दी थीं और अपनी आगामी फिल्म के सेट पर क्रू के साथ तस्वीरें पोस्ट की थीं। प्रियंका ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, 'यह हमारे लिए कामकाजी होली है। सभी को अपने प्रियजनों के साथ हंसी-खुशी और एकजुटता से भरी होली की शुभकामनाएं।' प्रियंका ने अभी तक इस बात को कंफर्म नहीं किया है कि वह राजामौली की फिल्म का हिस्सा हैं। लेकिन जल्द इसकी घोषणा करने का कयास लगाया जा रहा है। जनवरी में तेलंगाना के चिलकुर बालाजी मंदिर की अपनी यात्रा की नई तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने एक 'नए चैप्टर' की शुरुआत की तरफ इशारा किया था। महेश बाबू स्टारर यह फिल्म इंडियाना जोन्स की तरह एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म बताई जा रही है।

बदन पर तौलिया लपेटकर सोफिया अंसारी ने भोजपुरी गाने पर लचकाई कमरिया

फेमस इंफ्लुएंसर सोफिया अंसारी अपनी बोल्डनेस के लिए काफी मशहूर हैं. उनकी सोशल मीडिया पर भी काफी लंबी-चौड़ी फैन फॉलोइंग है. सोफिया बोल्ड कंटेंट बनाने के लिए जानी जाती हैं. वह इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं. अब उन्होंने अपना नया वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह बाथरूम में एक भोजपुरी गाने पर जमकर डांस करती दिख रही हैं. इस वीडियो में सोफिया अंसारी अपने बदन पर सफेद तौलिया लपेटे नजर आ रही हैं.'छलकत हमरो जवनिया' गाने पर डांस करती नजर आईं सोफिया अंसारी इस वीडियो को सोफिया अंसारी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है. वीडियो में सोफिया अंसारी शीशे के सामने खड़ी होकर अपना पूरा बदन फ्लॉन्ट कर रही हैं. वीडियो में सोफिया अंसारी शरीर पर तौलिया लपेटे दिख रही हैं. वीडियो में एक्ट्रेस भीगे बालों में नजर आ रही हैं और वह फेमस भोजपुरी सॉन्ग 'छलकत हमरो जवनिया' पर डांस कर रही हैं. सोफिया अंसारी का यह वीडियो आते ही छा गया है और लोग इस पर खूब कमेंट भी कर रहे हैं. वीडियो में सोफिया अंसारी अपने गजब के एक्सप्रेशंस से फैंस का दिल लूट रही हैं. सोफिया के इस वीडियो को केवल 2 घंटे में ही 10 हजरा से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं. सोफिया अंसारीने व्हाइट बिकिनी में दिखाया अब तक का सबसे बोल्ड अवतार, फोटोज देख फैंस की निकली 'आह'

बाप-बेटे दोनों के साथ फिल्मों में लड़ाया इश्क इन एक्ट्रेस में से तीसरा नाम कर देगा हैरान

80-90 के दशक में बेहतरीन और पॉपुलर हीरोइन कम थीं और मेकर्स उन्हीं के साथ काम करना पसंद करते थे. ऐसे में कई एक्ट्रेसेस को उस दौर में सुपरस्टार बाप और उनके बेटे दोनों के साथ इश्क फरमाना पड़ा. ऐसी कई हीरोइन्स हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री के बाप-बेटों दोनों के साथ काम किया है. चलिए जानते हैं लिस्ट में कौन-कौन से नाम शामिल हैं.

इस लिस्ट में टॉप पर श्रीदेवी का नाम है. उन्होंने सनी देओल और धर्मेंद्र दोनों के साथ बड़े पर्दे पर इश्क लड़ाया है. फिल्म निगाहें, चालबाज और जोशीले जैसी फिल्मों में सनी और श्रीदेवी की जोड़ी नजर आ चुकी है. वहीं धर्मेंद्र के साथ उन्होंने फिल्म नाकाबंदी में रोमांस किया था.

80-90 के दशक में माधुरी दीक्षित का काफी दबदबा था. इंडस्ट्री का हर डायरेक्टर उनके साथ काम करना चाहता था. माधुरी ने ने फिल्म दयावान में जहां विनोद खन्ना के साथ काम किया था. दोनों के बीच काफी बोल्ड सीन्स भी थे. वहीं बेटे अक्षय खन्ना के साथ फिल्म मोहब्बत में इश्क फरमाया था.

रानी मुखर्जी ने भी बाप-बेटे के साथ पर्दे पर रोमांस किया है. रानी ने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म ब्लैक में किसिंग सीन दिया था. वहीं बंटी और बबली में अभिषेक बच्चन के साथ रानी रोमांस कर चुकी हैं.

धर्मेंद्र और सनी देओल के साथ काम करने वाली एक्ट्रेसेस की लिस्ट में डिंपल कपाड़िया का नाम भी शामलि है. फिल्म बटवारा और शहजादा में डिंपल ने धर्मेंद्र के साथ रोमांस किया है. वहीं सनी देओल के साथ उन्होंने नरसिम्हा, गोला और अर्जुन जैसी फिल्मों में इश्क लड़ाया है.

दिग्गज एक्ट्रेस हेमा मालिनी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. उन्होंने राज कपूर के साथ फिल्म सपनों के सौदागर में काम किया था. आग चलकर उन्होंने रणधीर कपूर के साथ हाथ की सफाई फिल्म में रोमांस किया था.

इस लिस्ट में शिल्पा शेट्टी का नाम भी काफी हैरान करता है. उन्होंने अमिताभ के साथ फिल्म लाल बादशाह में काम किया है. वहीं अभिषेक बच्चन के साथ दोस्ताना में शट अप ऐंड बाउंस गाने में उनके साथ अपनी नजदीकियां दिखाई हैं.

गर्मियों में रोजाना क्यों पीना चाहिए जौ का पानी ?

जौ का पानी जिसे हम बार्ले के नाम से भी जानते हैं।आज हम इसे पीने के फायदे के बारे में बात करेंगे।बार्ले का पानी पोषण से भरपूर होता है।जो पाचन को बेहतर बनाने और शरीर के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।इसके साथ सबसे अच्छी बात यह है कि यह शरीर को अंदर से साफ रखने के साथ-साथ यह त्वचा का ग्लो भी बढ़ाता है।यह इम्युनिटी मजबूत करने के साथ-साथ यह ओवरऑल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

बार्ले हेल्दी होने के साथ-साथ काफी ज्यादा अच्छा माना जाता है।देखा जाए तो यह सिंपल सा सफेद सा दिखने वाला पानी है लेकिन अगर इसके गुण के बारे में बात करें तो इसके सामने महंगे प्रोटीन पाउडर भी फीके हैं।लेकिन आज भी कई सारे लोग इसके गुण से उतने परिचित नहीं है जितना होना चाहिए।यह पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।अगर इसे रोजाना पीया जाए तो यह स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक फायदेमंद होता है।

रोज़ाना जौ का पानी पीने के कुछ आश्चर्यजनक फ़ायदे इस प्रकार हैं:

पाचन और आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

जौ के पानी में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है।जो पाचन में सहायता करता है और कब्ज़ को रोकने में मदद करता है। इसमें बीटा-ग्लूकेन भी होते हैं, जो अच्छे आंत बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देते हैं।जिससे समग्र पाचन स्वास्थ्य में सुधार होता है।रोज़ाना एक गिलास जौ का पानी स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम को बनाए रखने में मदद कर सकता है, जिससे सूजन और बेचैनी कम होती है.

किडनी के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है बार्ले का पानी

बार्ले का पानी पीने से किडनी काफी अच्छे तरीके से फंक्शन करता है।यह नैचुरल तरीका है जिससे आप शरीर को डिटॉक्स कर सकते हैं।साथ ही साथ यह यूटीआई से लड़ने में भी मदद करता है।रोजाना इसे पीने से किडनी में जमा कैल्शियम को यह रोकने का काम करता है।और किडनी स्टोन भी रोकता है।

वजन घटाने में मदद करता है

अगर आप कुछ पाउंड वजन कम करना चाहते हैं।तो जौ का पानी अपने डाइट में शामिल करें यह काफी ज्यादा अच्छा होता है। इसमें कैलोरी बहुत कम होती है और फाइबर भरपूर होता है। इसे पीने के बाद काफी समय तक पेट भरा-भरा लगता है और भूख भी कम लगती है। इसके अलावा, मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने की इसकी क्षमता स्वस्थ वजन बनाए रखने में मदद कर सकती है.

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखता है

जौ का पानी मधुमेह या बीमारी के जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए भी अच्छा है।इसमें घुलनशील फाइबर होता है। जो ब्लड में शुगर लेवल को कम करता है।बार्ले विटामिन सी, आयरन और मैग्नीशियम जैसे महत्वपूर्ण विटामिन और खनिजों से भरपूर होता है।जौ का पानी इम्युनिटी भी मजबूत करता है। यह शरीर को संक्रमित या बीमार होने से बचाता है, जिससे आपका स्वास्थ्य पूरे साल बना रहता है।

पियक्कडों की कहां से शुरू होती है तबाही?

शराब एक खतरनाक ड्रिंक है, जो हार्ट डिजीज से लेकर कैंसर का कारण बनती है। मगर लोग फिर भी इसका सेवन रोक नहीं पाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शराब पीने की कितनी स्टेज होती हैं और आप कौन सी स्टेज में हैं। शराब का सेवन बढ़ता जा रहा है। इसके नुकसान के बारे में सभी जानते हैं, मगर फिर भी खुद को इससे दूर नहीं कर पाते हैं। पहले लोगों को लगता था कि इसकी सीमित मात्रा लेने से फायदा होता है। लेकिन कुछ महीने पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बयान जारी किया था कि एल्कोहॉल की एक बूंद भी कैंसर का कारण बन सकती है।

शराब का सेवन करने से इसकी लत लगने का खतरा बढ़ जाता है। दुनियाभर में लाखों लोग बीमारी झेलने के बाद भी इससे छुटकारा नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। डॉक्टर योकेश अरुल ने दारु पीने वालों की 5 स्टेज बताई हैं। अगर आप थोड़ी भी शराब पीते हैं तो किसी न किसी स्टेज में हैं।

डॉक्टर के मुताबिक जब आप सोशल प्रेशर या दिलचस्पी की वजह से पीना शुरू करते हैं तो इस स्टेज में होते हैं। इसमें पीने वाले को एक अलग अनुभव होना शुरू होता है। जिसकी वजह से टेंप्रेरी मजा आ सकता है।

धीरे-धीरे आप हर वीकेंड शराब का सेवन करना शुरू कर देते हैं। ऐसे लोगों को शनिवार या छुट्टी से पहली रात को एल्कोहॉल लेना जरूरी लगने लगता है। यह शराब पीने की दूसरी स्टेज है।

अगर आप शराब पीकर ड्राइव या जरूरी फैसले लेते हैं तो आप इसकी तीसरी स्टेज में हैं। ऐसे लोगों को पता होता है कि वो ऐसा करके खतरा मौल ले रहे हैं, मगर फिर भी करने लगते हैं।

ऐसी स्टेज में लोगों को कई सारे लक्षण दिखने शुरू हो जाते हैं, जैसे कि हाथ कांपना। इन लोगों को रात में एल्कोहॉल लिए बिना नींद नहीं आती। यहां लत एक गंभीर रूप लेने लगती है।

इस स्टेज में शराब के लिए पैसा नहीं होने और उसकी वजह से चीजें खराब होने के बाद भी लोग इसको छोड़ नहीं पाते हैं।

कहां से शुरू होती है दिक्कत? डॉक्टर ने कहा कि जो लोग स्टेज 2 में हैं, वो खुद को सुरक्षित ना समझें। क्योंकि वीकेंड में पीने से हफ्ते के बाकी दिनों में ज्यादा कोर्टिसोल पैदा होता है। जिससे ज्यादा स्ट्रेस होने लगता है और शराब से आराम मिलता है। इसका मतलब आपको भी लत लग चुकी है।

शुगर-कैंसर की जड़ है शरीर की सूजन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, तनाव और अस्वस्थ खानपान के कारण शरीर में सूजन (इन्फ्लेमेशन) की समस्या आम हो गई है। यह एक ऐसी समस्या है, जो धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करती है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। लंबे समय तक बनी रहने वाली सूजन डायबिटीज, हृदय रोग, आर्थराइटिस और यहां तक कि कैंसर जैसी बीमारियों की वजह बन सकती है। ऐसे में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सूजन को कम करना बहुत जरूरी है।

नूट्रिशनिस्ट डॉक्टर भावना गर्ग के अनुसार, डाइट में कुछ खास पोषक तत्वों को शामिल करके सूजन को कम किया जा सकता है। विटामिन सी, विटामिन ई और पॉलीफेनोल्स से भरपूर खाद्य पदार्थ एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि ये पोषक तत्व कैसे काम करते हैं और किन खाद्य पदार्थों से इन्हें प्राप्त किया जा सकता है।

विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स को खत्म करता है। ये फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और सूजन को बढ़ाने का काम करते हैं। विटामिन सी न सिर्फ सूजन को कम करता है, बल्कि इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है और त्वचा की सेहत में सुधार लाता है।विटामिन ई भी एक बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट है, जो शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर सूजन को बढ़ा सकता है।

शादीशुदा लोगों के मोटे होने का खतरा तीन गुना अधिक

पर क्या है इसकी वजह? आप भी तो नहीं हैं शिकार

आज के समय में कहा जाए कि मोटापा आपके लिए अभिशाप है, तो ये गलत नहीं होगा। जिस तरह से सभी उम्र के लोग इसका शिकार होते जा रहे हैं, ये कई प्रकार की बीमारियों का बोझ भी बढ़ाता जा रहा है। हृदय रोग हो या डायबिटीज, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हों या कैंसर जैसे घातक बीमारी, सभी के लिए मोटापे को एक बड़ा जोखिम कारक माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को अपने वजन को लेकर गंभीरता दिखाने की जरूरत है, अगर इसे कंट्रोल न किया गया तो आने वाले दशकों में आपके गंभीर बीमारियों की चपेट में आने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी को बढ़ते वजन के लिए प्रमुख कारक माना जाता रहा है। इसके अलावा कुछ प्रकार की अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याएं भी आपके वजन को बढ़ा सकती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि शादीशुदा लोगों में मोटापे का खतरा अधिक रहता है? विवाह के बाद वजन बढ़ने के क्या कारण हो सकते हैं? इसे कैसे कंट्रोल किया जा सकता है, आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

विवाह के बाद बढ़ जाता है मोटापा?

मोटापे की बढ़ती समस्या वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। इसके कारणों को समझने के लिए पोलैंड के विशेषज्ञों ने हाल

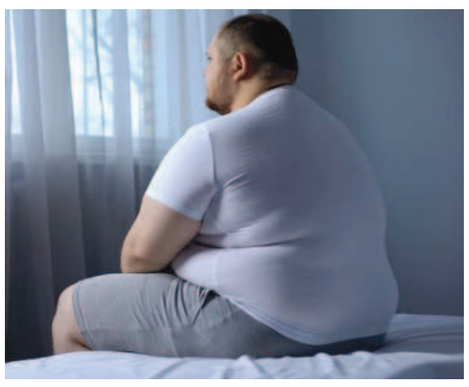

ही में एक अध्ययन किया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी ने अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर बताया कि अविवाहित पुरुषों की तुलना में विवाहित पुरुषों में मोटापे का जोखिम तीन गुना अधिक हो सकता है।

विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि विवाह के बाद पुरुष और महिला दोनों में मोटापे का खतरा बढ़ जाता है, हालांकि महिलाओं में ये दर कम देखी गई है।

अध्ययन में क्या पता चला?

मई 2025 में स्पेन के मालागा में 'मोटापा विषय पर यूरोपीय कांग्रेस' में इस अध्ययन के निष्कर्ष प्रस्तुत किए जाने हैं।

पोलैंड में 50 वर्ष की औसत आयु वाले 2,405 लोगों के चिकित्सा डेटा के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने पाया कि शादी होने के बाद पुरुषों में वजन बढ़ने की आशंका 62% और महिलाओं में 39% अधिक हो जाती है। वैसे तो इसमें बढ़ते उम्र की भी एक भूमिका होती है पर और भी कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। शादी के बाद अगले हर वर्ष में पुरुषों में अधिक वजन (ओवरवेट) होने का जोखिम 3% और महिलाओं में 4% बढ़ता देखा गया है।

क्या कहती हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

ओबेसिटी हेल्थ अलायंस की निदेशक कैथरीन जेनर कहती हैं, आमतौर पर देखा गया है कि शादी के बाद लोगों का डाइट बढ़ जाता है और इसकी तुलना में शारीरिक गतिविधियों में कमी आ जाती है, जबकि महिलाएं सामाजिक दबाव के कारण शरीर के वजन के बारे में अधिक सचेत रहती हैं। हालांकि इन कारणों को दोष देने के बजाय, हमें ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान बनाती हैं। ये सभी की अपने सेहत को लेकर भी जिम्मेदारी है कि आप वेट को कम करने के लिए लगातार प्रयास करते रहें।

पहले के अध्ययन पर भी उठे सवाल

हालांकि इसके पहले के एक अध्ययन में कहा गया था कि विवाहित पुरुष अविवाहित पुरुषों की तुलना में अधिक स्वस्थ होते हैं, हालांकि नया अध्ययन पुराने रिपोर्ट्स पर सवाल उठा रही है।

पिछले अध्ययनों में कहा गया था कि विवाहित पुरुष स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं, जो अक्सर उनके जीवनसाथी से प्रभावित होती है। विवाह के बाद धूम्रपान-शराब की आदत कम हो जाती है, आहार बेहतर हो जाता है साथ ही चिकित्सा देखभाल भी बढ़ जाती है जिससे स्वास्थ्य में सुधार होता है।

किचन में इस्तेमाल होने वाली ये चीजें कहीं आपको न बना दें कैंसर का मरीज?

अगर आपकी किचन में भी ऐसी चीजें हैं और आप भी इनका लगातार इस्तेमाल करते रहे हैं तो सावधान हो जाइए, कहीं आप भी कैंसर का शिकार न हो जाएं?

कैंसर के बढ़ते खतरे को लेकर अलर्ट

खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ बर्तनों से लेकर, किचन में प्रयोग में लाई जाने वाली कई चीजों में ऐसे तत्वों की पहचान की गई है जिसके कारण आपको कैंसर का खतरा हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनने की वाली ये बीमारी साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है। कहीं आप भी तो इन चीजों का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं?

नॉन-स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल खतरनाक

रसोई में इस्तेमाल होने वाले नॉन-स्टिक कुकवेयर को कई अध्ययनों में सेहत के लिए नुकसानदायक बताया जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि इस तरह के बर्तनों में परफ्लुओरोऑक्टेनोइक एसिड होता है, जो नॉन-स्टिक कोटिंग बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रसायन है। अध्ययनों से पता चला है कि पीएफओए के कारण दीर्घकालिक रूप में कैंसर का जोखिम हो सकता है।

खाना पकाने के दौरान उच्च तापमान के संपर्क में आने पर इससे हानिकारक रसायन रिलीज होते हैं जो भले ही हमें दिखते न हों पर इससे शरीर को कई तरह से नुकसान होता है। भोजन के संपर्क में आकर ये रसायन हमारे शरीर में पहुंच जाते हैं। इसे हार्मोनल समस्याओं, प्रतिरक्षा प्रणाली में कमजोरी और संभावित रूप से कैंसर के जोखिमों को बढ़ाने वाला पाया गया है।

विजयवाड़ा का आर्कषक पर्यटन स्थल

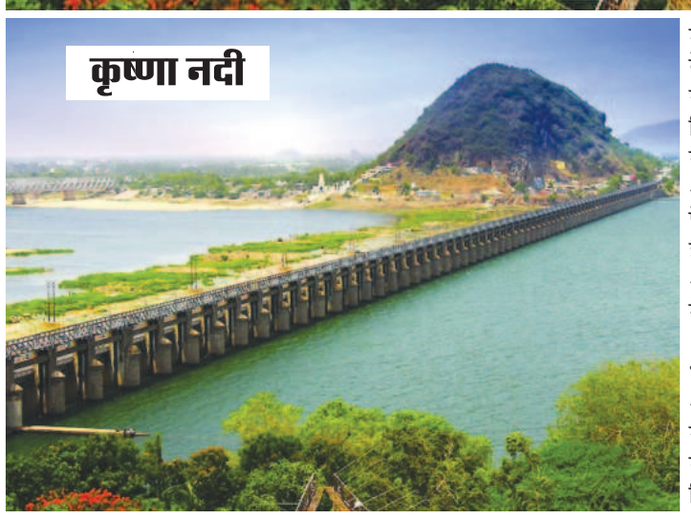

शहर के ऊपर स्थित कनक दुर्गा मंदिर के कारण प्रसिद्ध विजयवाड़ा ने कई राज्यों को आकर्षित किया है। यहां तक कि चीनी तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग भी इस गंतव्य के अलौकिक आकर्षण के प्रति आकर्षित हुए और उन्होंने यहीं रहने का फैसला किया।

इसी कारण से, इस शहर का उल्लेख आंध्र प्रदेश में अवश्य जाने वाले स्थानों में से एक के रूप में किया जाता है।

विजयवाड़ा में आकर्षण

भारतीय शैलकृत वास्तुकला का एक अखंड उदाहरण प्रस्तुत करती उंडावल्ली गुफाएं इतिहास प्रेमियों के लिए स्वर्ग हैं। वास्तुकला का अद्भुत नमूना, कोंडापल्ली किला घाटी के लुभावने दृश्य प्रस्तुत करने के कारण भी लोकप्रिय है।

मोगलराजपुरम गुफाएं शहर के अन्य आकर्षण हैं तथा इनका धार्मिक महत्व भी है।

160 स्तंभों पर खड़े प्रकाशम बैराज से कृष्णा नदी का मनमोहक दृश्य एक अनोखा नजारा प्रस्तुत करता है।

इन सबसे बढ़कर, भवानी द्वीप एक आरामदायक सप्ताहांत बिताने के लिए सबसे पसंदीदा स्थान है।

विजयवाड़ा कैसे पहुँचें?

हवाई मार्ग: विजयवाड़ा हवाई अड्डा (15.5 किमी)

रेल मार्ग: विजयवाड़ा जंक्शन (5.2 किमी)

बस द्वारा: विजयवाड़ा बस स्टैंड (4.4 किमी)

विशाखापत्तनम का पर्यटन स्थल

क्या आप भारत में अपने परिवार के साथ छुट्टियां बिताना पसंद करते हैं, जहाँ आपको खूबसूरत समुद्र तट, शांत नज़ारे और मानव निर्मित चमत्कार देखने को मिलेंगे? अगर हाँ, तो विशाखापत्तनम आपके लिए सबसे सही जगह है। इसके अलावा, विजाग अपने समृद्ध सांस्कृतिक अतीत और भारत के सबसे पुराने शिपयार्ड के कारण भी पर्यटकों से भरा रहता है । प्राकृतिक नज़ारों की भरमार भी इसे 'पूर्वी तट का गहना' बनाती है, जो आंध्र प्रदेश के बाकी तटीय शहरों से अलग है । विशाखापत्तनम में आकर्षण कैलास गिरि एक प्राचीन हिल स्टेशन है जहां से समुद्र का अद्भुत दृश्य दिखाई देता है। पनडुब्बी संग्रहालय पूरे एशिया में एकमात्र ऐसा संग्रहालय है जो गौरवशाली अतीत की वीरता को दर्शाने वाले चित्र, कलाकृतियाँ और लेख प्रदर्शित करता है।

यद्यपि अपरंपरागत, फिर भी आकर्षक, अराकू घाटी अपार प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। ऋषिकोंडा समुद्र तट के शांत नीले पानी को देखना निश्चित रूप से आंध्र प्रदेश में सबसे अच्छी चीजों में से एक है । लगभग 705 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बोर्रा गुफाएं भारत की सबसे बड़ी गुफाओं में से एक मानी जाती हैं।

विशाखापत्तनम कैसे पहुँचें?

वायुमार्ग: विशाखापत्तनम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (8.8 किमी)

रेल मार्ग: विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन (13.9 किमी)

बस द्वारा: विशाखापत्तनम बस स्टैंड (30.2 किमी)

चुइंगम चबाते रहते हैं तो जान लीजिए ये जरूरी बातें

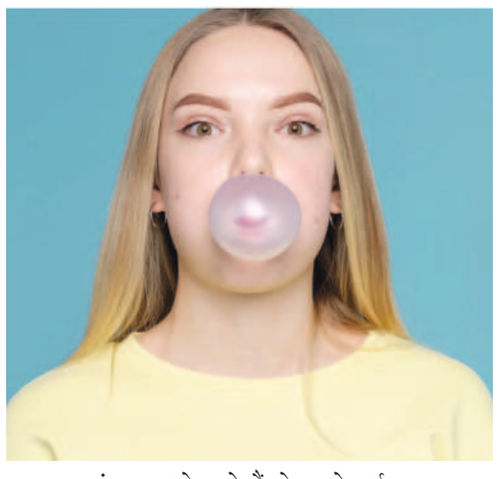

आपने भी अपने आस-पास कई लोगों को अक्सर चुइंगम चबाते हुए देखा होगा, हो सकता है आप भी इसका शौकीन हों। पर क्या आप इसके फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं? वर्षों से लोग अलग-अलग तरह की च्युइंग गम चबाते आ रहे हैं।

सबसे पहले चुइंगम पेड़ों के रस से बनाए जाते थे, बाद में इसके स्वाद को बढ़ाने के लिए कई प्रकार के फ्लेवर मिलाए जाने लगे। कुछ शोध बताते हैं कि चुइंगम चबाने की आदत आपके लिए कई प्रकार से लाभकारी हो सकती है, जबकि कुछ विशेषज्ञ कहते हैं ज्यादा चुइंगम चबाने से आपको बचना चाहिए।

चुइंगम में क्या चीजें होती है?

चुइंगम एक नरम और रबड़ नुमा खाद्य पदार्थ होता है जिसे चबाया तो जाता है लेकिन निगला नहीं जाता। अलग-अलग ब्रैंड के चुइंगम का फ्लेवर अलग-अलग हो सकता है।

चुइंगम को तैयार करने के लिए रेजिन का इस्तेमाल किया जाता है जो गम को मजबूत बनाने और उसे एक साथ रखने के लिए मिलाया जाता है। कुछ चुइंगम में प्रिजर्वेटिव का भी इस्तेमाल किया जाता रहा है जो इनके शेल्फ लाइफ को बढ़ाने के लिए मिलाया जाता है।

चुइंगम चबाने के क्या फायदे हैं?

कई शोध बताते हैं कि अगर आप चुइंगम चबाते रहते हैं तो इससे कई प्रकार के लाभ मिल सकते हैं। ये ध्यान और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक है। साल 2013 में ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि चुइंगम चबाने से मानसिक सतर्कता और एकाग्रता बढ़ती है। यह विशेष रूप से लंबे समय तक काम करने या पढ़ाई करने वाले लोगों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

चुइंगम चबाने की आदत तनाव और चिंता को भी कम करती। चुइंगम चबाने से कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर कम हो सकता है, जिससे तनाव और चिंता में राहत मिलती है। चुइंगम लार के उत्पादन को भी बढ़ता है, जो पाचन में मदद करने और एसिडिटी को कम करने में आपके लिए लाभप्रद हो सकती है। सांसों की दुर्गंध कम करने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता रहा है।

चुइंगम चबाने के वैसे तो कई सारे फायदे हैं पर इसके कुछ नुकसान भी जानना जरूरी है।

अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन ने एक रिपोर्ट में बताया कि बार-बार चुइंगम चबाने से टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट डिसऑर्डर हो सकता है, जिससे जबड़े में दर्द और अकड़न महसूस हो सकती है। अत्यधिक चुइंगम चबाने से जबड़े की मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। चीनी युक्त चुइंगम का अधिक सेवन दांतों में कैविटी का कारण बन सकता है। शुगर-फ्री चुइंगम बेहतर विकल्प है। किशोरों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि अधिक चुइंगम चबाने से माइग्रेन और सिरदर्द की समस्या बढ़ सकती है।

इन बातों का रखिए ध्यान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं अगर आपको चुइंगम पसंद है, तो जाइलिटोल से बनी शुगर-फ्री गम सबसे अच्छा हो सकता है। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इसमें कोई ऐसा तत्व न हो जिससे आपको एलर्जी है, इसलिए गम पर लिखी सामग्री की सूची अवश्य पढ़ें। सीमित मात्रा में ही चुइंगम चबाएं।

इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12% सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश, ये है कारण

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर ने घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 प्रतिशत का अनंतिम सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। पिछले साल दिसंबर में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने फैब्रिकेशन, पाइप निर्माण, निर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले 'गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु स्टील फ्लैट उत्पादों' के आयात में अचानक

वृद्धि की जांच शुरू की थी। भारतीय इस्पात संघ की शिकायत के बाद यह जांच की गई। निदेशालय ने अपनी जांच में प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग/उत्पादकों को गंभीर क्षति पहुंचने का खतरा है। निदेशालय ने 18 मार्च को जारी अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्र कार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा है, प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक 200 दिनों के लिए 12 प्रतिशत की दर से अनंतिम सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा।

सोने ने 88,680 का ऑलटाइम हाई बनाया:चांदी 432 गिरकर 99,968 किलो पर आई, 92 हजार तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सोने की कीमत आज यानी 19 मार्च को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 326 बढ़कर 88,680 पर ओपन हुआ। हालांकि इसके बाद ये थोड़ा नीचे आकर 88,649 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को सोने की कीमत 88,354 थी। वहीं, एक किलो चांदी आज 432 सस्ती होकर 99,968 प्रति किलो पर बंद हुई। इससे पहले कल चांदी का भाव 1,00,400 प्रति किलो था, जो इसका ऑल टाइम हाई भी है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार इस साल सोना 92 हजार तक जा सकता है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 83,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,590 रुपए है। **मुंबई:** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,440 रुपए है।**कोलकाता:** 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 90,440 रुपए है।**चेन्नई:** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,440 रुपए है।**भोपाल:** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,490 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 82,900 रुपये है।

सेंसेक्स 147 अंक ऊपर 75,449 पर बंद : निफ्टी 73 अंक चढ़ा

मुंबई,19 मार्च (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार, 19 मार्च को सेंसेक्स 147 अंक ऊपर 75,449 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 73 अंक की तेजी रही, ये 22,907 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 13 में गिरावट रही। सबसे ज्यादा तेजी टाटा स्टील, जोमैटो और पावरग्रीड करीब 3% की रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 में तेजी रही। एनएसई के सेक्टोरल इंडाइसेज में आईटी में सबसे ज्यादा 1.08% और एफएमसीजी में 0.55% की गिरावट रही। वहीं रियल्टी 2.8%, सरकारी बैंक 1.98% और ऑयल एंड गैस के शेयर 1.06% ऊपर बंद हुए।

अमेरिकी बाजारों में रही गिरावट

एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.25% गिरावट रही। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 0.12% की तेजी रही। जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.097% नीचे बंद हुआ। कल यानी मंगलवार, 18 मार्च को विदेशी निवेशकों ने 1,462.96 करोड़ रुपए और घरेलू निवेशकों ने 2,028.15 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।18 मार्च को अमेरिका का डाओ जोंस 0.62% गिरकर 41,581 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 1.71% और एस एंड पी 500 इंडेक्स में 1.07% की गिरावट रही।

20 मार्च को ओपन होगा एरिसइंफ्रा सॉल्यूशंस का आईपीओ

एरिसइंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का इनिशियल

पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ 20 मार्च को ओपन होगा। निवेशक इस इश्यू के लिए 25 मार्च तक बिडिंग कर सकेंगे। 28 मार्च को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

मंगलवार को 1131 अंक चढ़ा था बाजार

ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव संकेतों के बाद आज यानी, 18 मार्च को सेंसेक्स में 1131 अंक की तेजी रही, ये 75,301 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 325 अंक चढ़कर 22,834 पर बंद हुआ। बीएसई के 30 शेयरों में से 26 में तेजी रही। सबसे ज्यादा बढ़त जोमैटो में 7.43%, आईसीआईसीआई बैंक में 3.40% और महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.07% रही। वहीं, एनएसई के 50 शेयरों में से 46 में तेजी रही। एनएसई के सेक्टोरल इंडाइसेज में सबसे ज्यादा तेजी निफ्टी मीडिया में 3.62%, रियल्टी में 3.16%, ऑटो में 2.38%, सरकारी बैंक में 2.29% और निफ्टी मेटल में 2.13% रही।

चाहे पसंद हो या न हो, लेकिन यही सच्चाई'

टैरिफ और प्रतिबंधों के इस्तेमाल पर जयशंकर की टिप्पणी

'नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ते टैरिफ और प्रतिबंधों के इस्तेमाल पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अब ये केवल आर्थिक उपाय नहीं रहे, बल्कि देशों के लिए अपने हितों की रक्षा करने के शक्तिशाली उपकरण बन चुके हैं। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि पिछले एक दशक में वित्तीय प्रवाह, ऊर्जा आपूर्ति और प्रौद्योगिकी जैसी कई आर्थिक गतिविधियों का तेजी से एक हथियार के रूप में इस्तेमाल होने लगा है। ऐसे में, दुनिया एक नए आर्थिक समीकरण की ओर बढ़ रही है, जहां नीतियां और प्रतिबंध एक नए दौर की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन गए हैं।जयशंकर ने नई दिल्ली में आयोजित रायसीना संवाद के दौरान पैनल चर्चा ₹कमिसार और पूंजीपतिः राजनीति, व्यापार और नई विश्व व्यवस्था के दौरान यह टिप्पणी की। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका ने भारत सहित विभिन्न देशों से आयातित वस्तुओं पर विभिन्न टैरिफ लगाने की घोषणा की है।जयशंकर ने कहा, यह दुनिया की सच्चाई है। आप अपने कारोबार के लिए लड़ते हैं, क्योंकि आप अपने रोजगार के लिए लड़ रहे हैं, आप अपनी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति के लिए लड़ रहे हैं, जिसमें कारोबार का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है।दुनिया भर में विकसित हो रहे वैश्विक स्तर पर अलग-अलग देशों के संबंधों पर जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि आज, विभिन्न क्षेत्रों को विभाजित करने वाली रेखाएं मिट गई हैं। यदि आप अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देखें, तो मुझे लगता है कि आज की संस्कृति एक दशक पहले की तुलना में कम संयमित है। इससे पहले 13 मार्च को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने विभिन्न देशों की ओर से अमेरिका पर लगाए गए टैरिफ पर दुख जताते हुए भारत की ओर से अमेरिकी शराब और कृषि उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का जिक्र किया था।

बजाज से रिश्ता तोड़ अंबानी पर डोरे डाल रही आलियांज

आखिर क्या है जर्मन कंपनी का प्लान

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। बजाज ग्रुप से 24 साल के पुराना साथ को खत्म करने के बाद अब जर्मन कंपनी एलियांज एसई भारत के बीमा मार्केट में एंट्री करने के लिए मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल के साथ साझेदारी की योजना बना रही है. भारत के सामान्य बीमा मार्केट और घरेलू जीवन बीमा में दूसरी बार कदम रखने के लिए आलियांज एसई द्वारा ये प्रयास किया जा रहे हैं.भारत के बीमा सेक्टर में काम करने के लिए आलियांज ने पहले बजाज के साथ ज्वाइंट वेंचर किया था. बजाज ग्रुप के साथ 24 साल ज्वाइंट वेंचर को खत्म करने के लिए आलियांज ने ऐलान किया है. इसके बाद कंपनी अब पूरी नजर मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ साझेदारी की शुरुआत पर है.बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बजाज अलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में जर्मन फाइनेंशियल सर्विस आलियांज अपनी हिस्सेदारी को बेचने की तैयारी में है. इन

कंपनियों में जर्मन फाइनेंशियल सर्विस आलियांज की 26% की हिस्सेदारी है, जिसे वो अब 2.8 अरब डॉलर में भारतीय साझेदारी को बेचने के प्लानिंग कर रहे हैं.पिछले कई महीने से जिओ फाइनेंशियल और आलियांज के अधिकारियों के बीच बातचीत चल रही है. पिछले साल अक्टूबर महीने में जब यह सामने आया कि आलियांज बजाज के साथ अपनी हिस्सेदारी को बेचने की प्लानिंग तेजी से बना रहा है. उसके बाद से ही नई पार्टनरशिप की प्लानिंग में और भी तेजी आ गई.पिछले साल अक्टूबर महीने में जब यह सामने आया कि आलियांज बजाज के साथ अपनी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रहा है तो उसके बाद इस नई पार्टनरशिप की प्लानिंग की बातचीत में और तेजी आ गई.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणं • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत •2051, हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-24
सूर्यास्त - 18-23
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य-	मीन में	मीन.... 06-07 बजे
चंद्र-	वृश्चिक मे	मेष--- 07-42 बजे
मंगल	मिथुन मे	वृष--- 09-28 बजे
बुध-	मीन मे	मिथुन..11-28 बजे
गुरु-	वृष मे	कर्क....13-40 बजे
शुक्र-	मीन मे	सिंह--- 15-52 बजे
शनि-	कुंभ मे	कन्या--18-00 बजे
राहु-	मीन मे	तुला---20-04 बजे
केतु-	कन्या मे	वृश्चिक. 22-14 बजे
		धनु......00-27 बजे
		मकर...02-34 बजे
		कुंभ.... 04-24 बजे

दिशाशूल •• दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 02-45 तक उपरान्त सप्तमी
मास • चैत्र कृष्ण ,गुरुवार 20 March
नक्षत्र • अनुराधा 23-31 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग • वज्र 18-19 तक उप सिद्धी
करण- गर 13-44 तक उप वणिज
विशेषः- एकनाथ षष्ठी
व्रत •त्योहार • महाविषुवदिवस

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:54 से 15:25 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:24 - 07:52	शुभ	अमृत.	18:23 - 19:55	शुभ
रोग.	07:52 - 09:22	अशुभ	चंचल	19:55 - 21:25	शुभ
उत्पात	09:22 - 10:53	अशुभ	रोग	21:25 - 22:54	अशुभ
चंचल	10:53 - 12:24	शुभ	काल.	22:54 - 00:23	अशुभ
लाभ	12:24 - 13:54	शुभ	लाभ	00:23 - 01:53	शुभ
अमृत.	13:54 - 15:25	शुभ	उत्पात	01:53 - 03:22	अशुभ
काल.	15:25 - 16:55	अशुभ	शुभ.	03:22 - 04:51	शुभ
शुभ.	16:55 - 18:23	शुभ	अमृत	04:51 - 06:24	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी । आप को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी वर्तमान समस्यों को खत्म करने के लिए सोचना चाहिए ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है ।लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें ।आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है । आप पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य के मामले में काफी सख्त दिनचर्या का पालन कर रहे हैं,आपको अब इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
दैनिक राशिफल अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें । आपको अपने खाने,खासकर जो आप सुबह सुबह खा रहे हैं ,उसे लेकर सावधान रहना होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता –पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं । अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें । आपको यह जानकार आश्चर्य होगा की आपने इन पारिवारिक सत्रों से कितना कुछ सीखा है ।

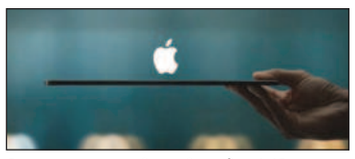

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

3 साल में 300% रिटर्न: इस सरकारी कंपनी के शेयर ने लगा दी आग, फिर से आने लगी तेजी

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में पिछले तीन दिनों से तेजी जारी है। हालांकि पिछले 6 महीने में मार्केट में काफी गिरावट आई है। इस 6 महीनों में सेंसेक्स 9 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। इस दौरान कई शेयर में भी उतार-चढ़ाव आता रहा। इसी बीच एक सरकारी कंपनी का शेयर मल्टीबैगर बन गया है। इसने तीन साल में ही करीब 300 फीसदी रिटर्न दिया है। यानी एक लाख रुपये के निवेश पर तीन लाख रुपये का फायदा किया है। इस कंपनी का नाम भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड है। इसे भेल के नाम से भी जाना जाता है।बीएचईएल के शेयर में पिछले कई दिनों ने तेजी बनी हुई है। बुधवार को दोपहर 12 बजे यह शेयर 1.37 फीसदी की तेजी के साथ 206.70 रुपये पर कारोबार कर रहा था। हालांकि पिछला कुछ समय इस शेयर के लिए भारी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। इस

साल यह कुछ नुकसान में रहा है। वह इसलिए क्योंकि इस दौरान शेयर मार्केट में भी काफी गिरावट रही है।इस शेयर ने 6 महीने में निवेशकों का बड़ा नुकसान किया है। ऐसा इसलिए भी हुआ क्योंकि इस दौरान शेयर मार्केट में भी गिरावट रही। 6 महीने में यह शेयर करीब 20 फीसदी गिर गया। हालांकि बात अगर पूरे एक साल की करें तो इस दौरान इसकी गिरावट 5 फीसदी से कुछ ज्यादा रही। इस शेयर में जुलाई 2024 के बाद से गिरावट आई शुरू हुई।इस शेयर के लॉन्ग टर्म रिटर्न को देखें तो इसने धमाल मचा दिया है। अब से तीन साल पहले इस शेयर की कीमत करीब 51 रुपये थी। अब करीब 207 रुपये है। ऐसे में तीन साल में इस शेयर में जबरदस्त तेजी आई है।

बाप रे इतनी कमाई! 94 साल के वारेन बफे ने अंबानी और अडानी को भी छोड़ दिया पीछे, इस साल कर दिया नोटों की बरसात?

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां)। साल 2025 में दुनिया भर के बाजारों में उथल-पुथल मची हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को फिर से लागू कर दिया है। इससे आर्थिक और राजनीतिक दिक्कतें बढ़ गई हैं। ऐसे माहौल में जहां हर तरफ निराशा दिख रही है और दुनिया के टॉप अमीरों की दौलत में कमी आई, वहीं 98 साल के वॉरेन बफे की संपत्ति में बड़ा इजाफा हुआ है। उन्होंने इस साल कमाई के मामले में न केवल एलन मस्क बल्कि मुकेश अंबानी और गौतम अडानी को भी पीछे छोड़ दिया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार वॉरेन बफे की संपत्ति में इस साल 21.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। 164 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ वह दुनिया के 6वें सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं। इस लिस्ट में शामिल 500 अरबपतियों में सबसे ज्यादा फायदा उन्हें ही हुआ है। वहीं टॉप 15 अरबपतियों में से सिर्फ 3 ही ऐसे हैं, जिन्होंने इस साल अपनी संपत्ति बढ़ाई है।

क्यों हुई इतनी कमाई?

वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे के

शेयरों की कीमत में भारी उछाल आया है। अभी ये शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब कारोबार कर रहे हैं। इसी वजह से बफे को इतना फायदा हुआ है। इस साल हैथवे के शेयरों में 16% तक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, इसी दौरान नैस्डैक कंपोजिट में 8% की गिरावट आई है। कंपनी को चौथी तिमाही में बहुत मुनाफा हुआ था। खासकर, बीमा कारोबार में सुधार होने से कंपनी को फायदा हुआ। इसी वजह से इस साल शेयरों में तेजी आई है।

बेशुमार कैश है कंपनी के पास

बर्कशायर हैथवे के पास 325 अरब डॉलर का कैश है। बफे ने पिछले साल ऐपल और बैंक ऑफ अमेरिका के अरबों डॉलर के शेयर बेच दिए थे। ये कैश ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, अल्फाबेट, अमेजन और एनवीडिया कॉर्प जैसी बड़ी टेक कंपनियों के कुल कैश से भी ज्यादा है। इस साल बाजार में गिरावट आई। इससे लोगों को लगने लगा कि शायद बफे को पहले से ही इसका अंदाजा था। कुछ लोग कह रहे हैं कि बर्कशायर के पास बहुत ज्यादा कैश है। लेकिन बफे का कहना है कि वो कैश के बजाय इक्विटी (शेयरों) में ही निवेश करना पसंद करेंगे। और वो जल्द ही अपनी ये रणनीति नहीं बदलेंगे। इक्विटी का मतलब है किसी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदना।

अंबानी-अडानी को नुकसान या फायदा?

इस साल मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की संपत्ति में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। बल्कि दोनों नुकसान में रहे हैं। इस साल अभी तक मुकेश अंबानी की संपत्ति में 2.77 अरब डॉलर की कमी आई है। हालांकि वह 87.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के 17वें सबसे अमीर हैं। वहीं अडानी को इस साल 7.09 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। 71.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अडानी दुनिया के 21वें सबसे अमीर इंसान हैं।

टाटा-बिरला से आगे निकल गई यह 'चार दिन' की कंपनी

टॉप 500 में बनाई खास जगह, सालाना ग्रोथ 500% से ज्यादा

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां)। भारत की एक नई-नवेली कंपनी ने देश की बड़ी-बड़ी पुरानी कंपनियों को पीछे छोड़ सभी को चौंका दिया है। इस कंपनी का नाम लेंडबॉक्स है। यह एक एनबीएफसी पी2पी कंपनी है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली 500 कंपनियों की लिस्ट में यह सबसे ऊपर है। यह लिस्ट फाइनेंशियल टाइम्स और स्टेटिस्टा ने मिलकर बनाई है। लेंडबॉक्स के साथ-साथ कुछ और भारतीय कंपनियां भी इस लिस्ट में शामिल हैं। इसमें ब्लूस्मार्ट छठे नंबर पर, मीशो 72वें नंबर पर, टाटा ग्रुप की टाइटन कंपनी 301वें नंबर पर, आदित्य बिरला ग्रुप की आदित्य बिरला कैपिटल 374वें नंबर पर और हैवेल्स 396वें नंबर पर है। इस लिस्ट में भारत की 81 कंपनियों का नाम है। यह लिस्ट उन कंपनियों की है जिन्होंने साल 2020 से 2023 के बीच अपनी कमाई में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी की है।लेंडबॉक्स कंपनी मात्र 10 साल पुरानी है। इसकी शुरुआत साल 2015 में हुई थी। इस कंपनी ने बहुत तेजी से तरक्की की है। साल 2023 में लेंडबॉक्स की कमाई 51 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई। इसलिए कंपनी का सालाना विकास दर 536 फीसदी रही। रहा। दिल्ली में मौजूद इस कंपनी को 2019 में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से मंजूरी भी मिल गई थी।सिंगापुर इस लिस्ट में सबसे ज्यादा कंपनियों वाला शहर और देश है। सिंगापुर की 108 कंपनियां इस लिस्ट में शामिल हैं। देश के मामले में जापान और दक्षिण कोरिया दूसरे नंबर पर हैं। दोनों देशों की 91-91 कंपनियां इस लिस्ट में हैं। सियोल की 75 और टोक्यो की 71 कंपनियां इस लिस्ट में शामिल हैं। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार चीन की कंपनियों को इस लिस्ट में शामिल नहीं किया गया है। क्योंकि उनके डेटा को वेरिफाई करने में दिक्कतें आ रही थीं।

इस लिस्ट में सबसे ज्यादा आईटी और सॉफ्टवेयर कंपनियां हैं। इनकी हिस्सेदारी 27 फीसदी है। इसके बाद फाइनेंशियल सर्विसेज यानी कि पैसे से जुड़े काम करने वाली कंपनियां हैं। इनकी हिस्सेदारी 10 फीसदी है। फिर एडवरटाइजिंग और मार्केटिंग कंपनियां हैं। इनका हिस्सा 5 फीसदी है।इस लिस्ट में शामिल होने के लिए कुछ नियम थे। कंपनी को साल 2020 में कम से कम 100000 डॉलर और 2023 में कम से कम 10 लाख डॉलर की कमाई करनी थी।

जर्मनी में एपल को बड़ा झटका: भ्रष्टाचार-रोधी अपील में हार सिरी के गलत इस्तेमाल पर 9.5 करोड़ डॉलर का जुर्माना

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। जर्मनी के संघीय न्यायालय ने एपल कंपनी की बाजार स्थिति पर हुई बहस के बाद मंगलवार को अपना फैसला सुनाया। इसमें कंपनी एक विनियामक मूल्यांकन पर भ्रष्टाचार-रोधी अपील हार गई है। इसके बाद आईफोन निर्माता कंपनी पर जर्मनी में सख्त नियंत्रण के लिए दरवाजे खुल सकते हैं। संघीय न्यायाधीशों ने जर्मन कार्टेल कार्यालय ने एपल को 2023 में प्रतिस्पर्धा के लिए सर्वोपरि क्रॉस-मार्केट महत्व वाली कंपनी के रूप में नामित करने का समर्थन किया। इसके साथ ही, एपल जर्मनी की बढ़ती सूची में गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट और फेसबुक की मालिक मेटा के साथ शामिल हो गया।

लंदन में गोपनीय सुनवाई

लंदन की एक अदालत ने अपने एनक्रिप्टेड क्लाउड स्टोरेज सिस्टम में बैक डोर बनाने के लिए ब्रिटिश सरकार के जनादेश के

खिलाफ एपल की अपील से संबंधित एक गोपनीय सुनवाई की। मीडिया को इस कार्यवाही से बाहर रखा गया। एपल ने फरवरी में ब्रिटेन द्वारा जारी तकनीकी क्षमता नोटिस के जवाब में ब्रिटेन में नए यूजरों के लिए क्लाउड डाटा के लिए अपने उन्नत डाटा सुरक्षा एनक्रिप्शन को ही अक्षम कर दिया।

सिरी के गलत इस्तेमाल पर जुर्माना

एपल ने अपने वर्चुअल असिस्टेंट सिरी के माध्यम से जासूसी करने के आरोप में 9.5 करोड़ डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमति जताई है। ऑकलैंड में संघीय अदालत 5 साल पुराने इस मामले का समाधान करेगी। इसमें उस पर कई आरोप लगाए गए हैं।

सुनीता अंतरिक्ष से लौटीं, लेकिन कल्पना नहीं लौट पाईं

धरती से सिर्फ 16 मिनट की दूरी पर थीं, तभी स्पेसक्राफ्ट में हुआ धमाका

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। नासा का अंतरिक्ष यान कोलंबिया शटल एसटीएस-107 तेजी से धरती की तरफ लौट रहा था। भारतीय मूल की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला इस यान से अपना दूसरा स्पेस मिशन पूरा करके वापस लौट रही थीं। धरती से करीब 2 लाख फीट दूर इस यान की स्पीड 20 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा थी। इसे धरती तक पहुंचने में 16 मिनट लगने थे, लेकिन अचानक नासा का इस यान संपर्क टूट गया। स्पेसक्राफ्ट में जोरदार धमाका हुआ और यह आग के धधकते गोले में बदल गया। खबर आई की कोलंबिया शटल स्पेस यान क्रैश हो गया है। कल्पना चावला समेत सभी 7 एस्ट्रोनॉट की मौत हो गई है।

› 16 दिन का मिशन कामयाबी से 16 मिनट पहले फेल

आज सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी से पूरे देश में जश्न का माहौल है, लेकिन 2003 में ऐसे ही एक मिशन की नाकामी ने पूरे देश की आंखों में आंसू भर दिए थे। कल्पना चावला ने पहली बार 19 नवंबर 1997 को स्पेस के लिए उड़ान भरी थी। अपनी पहली स्पेस यात्रा में वो 372 घंटे अंतरिक्ष में रही थीं। इसके बाद उन्हें 16 जनवरी 2003 को दूसरी बार अंतरिक्ष में जाने का मौका मिला। 1 फरवरी 2003 को कल्पना चावला को सुरक्षित धरती पर वापस लौट आना था, लेकिन उनका यह मिशन फेल हो गया। दरअसल कल्पना चावला के स्पेसक्राफ्ट के टेकऑफ करते वक्त यान के ही फ्यूल टैंक से निकले इंसुलेटिंग फोम के टुकड़े शटल के बाएं पंख से टकरा गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे उन टाइलों को नुकसान पहुंचा था जो यान को पृथ्वी के वायुमंडल में एंट्री करते वक्त तेज गर्मी से बचाती हैं। इस वजह से जैसे ही कल्पना चावला का स्पेसक्राफ्ट धरती के वायुमंडल में पहुंचा तो हवा के तेज घर्षण की गर्मी से एक बड़ा धमाका हुआ और सभी अंतरिक्ष यात्रियों की मौत हो गई।

› कल्पना ने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएचडी की थी

कल्पना चावला का जन्म 1 जुलाई 1962 को हरियाणा के करनाल में हुआ था। वे अपने चार भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं। कल्पना को बचपन से ही हवाई जहाज और उड़ान की दुनिया में रुचि थी। उनकी शुरुआती शिक्षा करनाल से हुई। इसके बाद उन्होंने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया था। अमेरिका से हासिल की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री कल्पना 1982 में अमेरिका चली गईं थी। उन्होंने 1984 में टेक्सास यूनिवर्सिटी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की। 1986 में उन्होंने इसी विषय पर दूसरी मास्टर डिग्री और फिर पीएचडी की। कल्पना चावला ने 1983 में फ्रांस के जॉन पियर से शादी की थी। वे पेशे से फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर थे।

› सिर्फ 35 साल की उम्र में गई थी जान

1997 में बनी थीं भारतीय मूल की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री। कल्पना चावला को 1991 में अमेरिका की नागरिकता मिली और उसी साल वे नासा से जुड़ीं। 1997 में अंतरिक्ष में जाने के लिए नासा स्पेशल शटल प्रोग्राम में चुनी गईं। 19 नवंबर 1997 को कोलंबिया स्पेस शटल (एसटीएस-87) के जरिए कल्पना चावला का पहला अंतरिक्ष मिशन शुरू हुआ था। इसके साथ ही वह अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय मूल की महिला बन गईं। उस समय कल्पना की उम्र 35 साल थी। अपनी पहले अंतरिक्ष मिशन पर, चावला ने 65 लाख मील से अधिक की दूरी तय की और अंतरिक्ष में 376 घंटे (15 दिन और 16 घंटे) से अधिक बिताए। कल्पना चावला की यह आखिरी सफल अंतरिक्ष यात्रा साबित हुई। 16 जनवरी 2003 को कल्पना चावला अपने दूसरे और जीवन के आखिरी स्पेस मिशन का हिस्सा बनीं।

› मेकअप और फैशन से दूर रहती थीं

कल्पना चावला हमेशा टॉम बॉय रही हैं। उन्हें बचपन से ही छोटे बाल रखना पसंद था। मेकअप और फैशन से उनका कोई लेना देना नहीं था।

जब उनकी बड़ी बहन की शादी हो रही थी तब उन्होंने 3 दिन तक एक कपड़े पहने रखे। जब उनसे पूछा गया कि वह कपड़े क्यों नहीं बदल रहीं तो उन्होंने कहा कि यह सब जरूरी नहीं है। इनसे वक्त ही बर्बाद होता है।

सुनीता विलियम्स की वापसी के बाद एक्स-4 मिशन पर नजर

› पहली बार इस भारतीय को मिलेगा सुनहरा मौका

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की सफल वापसी के बाद अब नजर आगामी एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) पर है। इस अभियान के साथ भी भारत का नाम प्रमुखता से जुड़ा हुआ है। यह निजी मिशन अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक घटना साबित होने वाला है। 2025 के वसंत में प्रक्षेपित होने वाले एक्स-4 के साथ पहली बार एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक निजी मिशन पर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करेंगे।

› 14 दिनों तक चलेगा एक्सिओम-4 मिशन

एक्सिओम-4 मिशन को फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान का उपयोग करके प्रक्षेपित किया जाएगा। यह मिशन लगभग 14 दिनों तक चलेगा और इसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों के अंतरिक्ष यात्रियों का एक विविध दल शामिल होगा। इसरो अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) के लिए पायलट नियुक्त किया गया है। मिशन के अन्य सदस्यों के साथ शुभांशु। शुभांशु शुक्ला, जो भारतीय वायु सेना में परीक्षण पायलट हैं और भारत के गगनयान कार्यक्रम का भी हिस्सा हैं। इस अभियान में उनके अलावा चालक दल में कमांडर के रूप में नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पोलैंड से यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री सावोज उज्नान्स्की-विस्नीवस्की और हंगरी से टिबोर कापू शामिल होंगे।

आईएसएस पर अपने प्रवास के दौरान, एक्स-4 का चालक दल वैज्ञानिक अनुसंधान, आउटरीच पहल और वाणिज्यिक गतिविधियों में शामिल रहेगा। यह मिशन नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बीच व्यापक सहयोग का हिस्सा है, जो मानव अंतरिक्ष उड़ान में निजी कंपनियों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालता है। नासा के आईएसएस कार्यक्रम के प्रबंधक डाना वीगेल ने कहा, निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन अद्वितीय सूक्ष्मगुरुत्व वातावरण तक पहुंच का मार्ग प्रशस्त करने और विस्तार करने में मदद करते हैं। एक्स-4 का महत्व इसके तात्कालिक उद्देश्यों से कहीं अधिक है। यह अंतरिक्ष अन्वेषण और वाणिज्यिक गतिविधियों में अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में एक कदम है।

इसरो Ax-4 मिशन पर बारीकी से नजर रखेगा क्योंकि इस मिशन से प्राप्त अनुभवों को गगनयान मिशन में शामिल किया जाएगा। एक्सिओम स्पेस का लक्ष्य दुनिया का पहला वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करना है, यह मिशन उस दीर्घकालिक दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जैसे-जैसे एक्स-4 की तैयारियां जारी हैं, शुक्ला की ऐतिहासिक यात्रा और मानव अंतरिक्ष उड़ान में इससे होने वाली संभावित प्रगति को लेकर उत्साह बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में रिश्तों का खून : बड़े भाई ने छोटे को कुल्हाड़ी से काट डाला

कोरबा, 19 मार्च (एजेंसियां)। बालोद जिले के गुण्डरदेही ब्लॉक के ग्राम खप्परवाड़ा से जमीन विवाद में हत्या का मामला सामने आया है। जहां पर 10 डिसमिल जमीन के विवाद को लेकर बड़े भाई ने छोटे भाई की हत्या कर दी। इस सनसनीखेज मामले के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही गुंडरदेही थाने की थी। मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी गई। प्रथम दृष्टि या हत्या का मामला सामने आते ही बड़े भाई को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और पूछताछ में उसने अपना जुल्म कबूल कर लिया है। फिलहाल, पुलिस अब आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने किया गिरफ्तार

थाना प्रभारी मनीष शेंडे ने बताया कि मृतक का नाम राजकुमार मानिकपुरी 42 वर्ष है और हत्यारे बड़े भाई का नाम विष्णु मानिकपुरी उम्र 57 वर्ष है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामला दर्ज कर हत्यारे भाई विष्णु राम मानिकपुरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि इन दोनों के बीच लंबे समय से 10 डिसमिल जमीन के लिए विवाद चल रहा था और विवाद इतना बढ़ गया कि बड़े भाई ने छोटे भाई की हत्या कर दी। अब हत्यारा बड़ा भाई पुलिस के कब्जे में है।

10 डिसमिल जमीन बना हत्या का कारण

बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों में महज 10 डिसमिल जमीन का विवाद चल रहा था। इसे लेकर हमेशा विवाद होता था और आज विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी बड़े भाई विषणु राम मानिकपुरी ने अपने छोटे भाई राजकुमार मानिकपुरी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वारकर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना स्थल पर खून ही खून दिखा।

कवासी से जेल में मिले पायलट : केंद्र-राज्य की डबल इंजन कांग्रेस पर अटैक के लिए एजेंसियों से मनोबल तोड़ने की कोशिश

रायपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने शराब घोटाला मामले में रायपुर सेंट्रल जेल में बंद पूर्व मंत्री कवासी लखमा से मुलाकात की। जेल से बाहर निकलकर पायलट ने बयान दिया कि, केंद्र-राज्य की डबल इंजन का काम कांग्रेस पर अटैक करना है। भाजपा की विचारधारा का विरोध करने पर चरित्र हरण करने की कोशिश की जाती है, सरकारी एजेंसी से मनोबल तोड़ने की कोशिश होती है। पायलट ने आगे कहा कि, ये व्यक्ति विशेष की लड़ाई नहीं है, पूरे देश में जहां-जहां बीजेपी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है वहां विरोध जताएंगे। कवासी से मुलाकात के दौरान पायलट के साथ चरणदास महंत, दीपक बैज, विजय जांगिड़, जरिता लैतफलांग, देवेंद्र यादव और लखमा के बेटे हरीश कवासी भी मौजूद रहे। पायलट दोपहर 2 बजे

पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक भी लेंगे।

पार्टी के बड़े नेता होंगे शामिल

इस बैठक में पीसीसी प्रभारी सचिन पायलट के साथ-साथ सहप्रभारी जरिता लैतफलांग, विजय जांगिड़, पीसीसी चीफ दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव मौजूद रहेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य लोकसभा, विधानसभा, नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों में हुई हार की समीक्षा करना और आगामी रणनीतियों पर चर्चा करना है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस न सिर्फ विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवा चुकी है, बल्कि हाल ही में संपन्न नगर निगम, नगर पालिका और पंचायत चुनावों में भी करारी हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस अधिकांश नगर निगमों में महापौर और पंचायतों में अध्यक्ष पद तक नहीं जीत पाई, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा देखी जा रही है।

संगठन में बदलाव की भी होगी चर्चा

यह भी चर्चा होगी कि, प्रदेश कांग्रेस संगठन में बदलाव की जरूरत है या नहीं। पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर बदलाव की मांग उठ रही है, जिसमें प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व से लेकर जिला अध्यक्ष और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नए चेहरों को लाने की बात हो रही है। इसके अलावा, पार्टी उन कमियों को भी दूर करने की रणनीति तैयार करेगी, जिनके कारण लगातार हार का सामना करना पड़ा। इस बैठक से छत्तीसगढ़ कांग्रेस को नई दिशा मिलने की उम्मीद है, क्योंकि संगठन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होता, तो पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल और गिर सकता है।

छत्तीसगढ़ में रफ्तार का कहर

पेंड्रा में दो सड़क हादसों में तीन की मौत, ट्रेलर छोड़कर भागा चालक

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 19 मार्च (एजेंसियां)। एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां पर बरहो के कार्यक्रम में शामिल होने मध्यप्रदेश से आए युवक को सड़क पार करने के दौरान एक कोयले से भरे ट्रेलर ने रौंद दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। तो ट्रेलर चालक मौके पर वाहन छोड़कर फरार हो गया। तो एक अन्य हादसे में बिलासपुर से वापसी के दौरान खोडरी निवासी दो व्यापारियों की खड़े मेटाडोर से टकरा जाने से मौत हो गई है। फिलहाल, पुलिस मामले में मर्ग कायम कर वाहन चालक की तलाश में जुट गई है।

पेंड्रा में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। जहां अनूपपुर जिले के सिंघौरा गांव का रहने वाला युवक बरहों के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कल शाम पेंड्रा के कुदरी गांव पहुंचा हुआ था।कार्यक्रम में शमिल होने के बाद वापसी के दौरान सड़क किनारे खड़े अपने वाहन की ओर जा रहा था। उसी दौरान कोटमी की ओर से कोयले से भरी ट्रेलर वाहन जो पेंड्रा की ओर आ रहा था। उसकी चपेट में धनेश्वर पनिका आ गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। तो वहीं ट्रेलर चालक ट्रेलर को छोड़कर भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को पेंड्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित करा दिया। वहीं एक और दुखद घटना बिलासपुर के सकरी इलाके में घटित हुई। जिसमें गौरेला के खोडरी इलाके के दो व्यापारी किसी काम से कार में सवार होकर बिलासपुर गए हुए थे। वापसी के दौरान सड़क में खड़े मेटाडोर में उनकी कार भीड़ गई।

हादसे में खोडरी निवासी आलोक जैन और रमेश कश्यप की मौके पर ही मौत हो गई।

पीएम सूक्ष्म खाद उद्योग उन्नयन योजना महोत्सव का शुभारंभ

मंत्री संजय यादव ने युवाओं की दी सलाह

हजारीबाग, 19 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद उद्योग उन्नयन योजना महोत्सव का शुभारंभ किया गया। यह दो दिवसीय महोत्सव राज्य के उद्योग, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने उद्घाटन किया।

योजना से मिलेगा छोटे उद्यमियों को बढ़ावा

इस अवसर पर मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में छोटे उद्यमियों को सहयोग देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत व्यक्तिगत स्तर पर 10 लाख रुपये तक का लोन उपलब्ध है, जिसमें सरकार सब्सिडी भी देती है। वहीं, समूह में लोन लेने पर 1 करोड़ से 3 करोड़ रुपये तक की राशि मिल सकती है। इससे लाभार्थी अपने उत्पाद को बेहतर पैकेजिंग के साथ बाजार में बेचकर आर्थिक रूप से मजबूत हो सकते हैं।

80 स्टॉल, 12 जिलों के उद्यमियों की भागीदारी

इस महोत्सव में झारखंड के 12 जिलों के लगभग 80 स्टॉल लगाए गए, जहां उन उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिन्होंने इस योजना का लाभ उठाकर खुद का व्यवसाय शुरू किया है। इनमें कई महिला समूह भी शामिल हैं, जिन्होंने लोन लेकर अपने उत्पाद बनाए और बेचे हैं। हजारीबाग की उपायुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि यह महोत्सव उद्यमियों के लिए एक शानदार अवसर है। यहां उन्हें अपने व्यवसाय को बेहतर बनाने और बाजार में सफल होने की सभी महत्वपूर्ण जानकारियां मिल रही हैं।

सरकार युवाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए कर रही प्रेरित

बेरोजगारी के मुद्दे पर झारखंड सरकार पर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है, लेकिन इस महोत्सव के दौरान मंत्री संजय यादव ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवा मेहनती हैं और अपने परिश्रम से नई ऊंचाइयां छू सकते हैं। सरकार हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है, ताकि युवा अपने छोटे-छोटे उद्योग शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकें।

नई बाइक पर थूका तो हंसिए से काट डाला

रायपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में नई बाइक पर थूका, तो युवक ने पड़ोसी का हंसिए से गला काट दिया। आरोपी का कहना है कि, मेरी ज्यादा तनख्वाह से वो चिढ़ता था।

जब उसने नई बाइक खरीदी तो वह उस पर थूक रहा था। इसलिए गुस्से में उसने मर्डर कर दिया। मामला खरोरा थाना क्षेत्र का है। खरोरा थाना प्रभारी दीपक पासवान ने बताया कि, मुरा गांव निवासी आरोपी मनोज साहू (21) और रंजीत साहू (42) दोनों पड़ोसी थे। दोनों जेसीबी ड्राइवर है। बुधवार की सुबह करीब साढ़े 7 बजे दोनों के बीच बहसबाजी हो गई। वे दोनों घर के सामने लड़ने लगे। मनोज ने गाली-गलौज करते हुए अपने घर से हंसिया लाकर उस पर हमला कर दिया।

सीनियर आईएएस विनय चौबे के लिए नई आफत

› सीएम हेमंत सोरेन तक पहुंची फाइल

रांची, 19 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ एसीबी (एसीबी) ने शराब घोटाले में एक बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने झारखंड के पूर्व उत्पाद सचिव विनय चौबे और उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह पर मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। एसीबी ने इस बारे में झारखंड सरकार को एक पत्र भेजा है। विनय चौबे अभी पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव हैं। यह मामला छत्तीसगढ़ के शराब माफियाओं की ओर से झारखंड में शराब दुकानों में मैनपावर सप्लाई और ट्रैकिंग सिस्टम से जुड़े ठेके हासिल करने से जुड़ा है। एसीबी की जांच में पता चला कि छत्तीसगढ़ के कुछ अधिकारियों और कारोबारियों ने झारखंड में अवैध कमाई के लिए शराब नीति में बदलाव करवाए थे।

झारखंड तक छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की आंच

रांची के रहने वाले विकास कुमार ने एसीबी छत्तीसगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने छत्तीसगढ़ के उत्पाद अधिकारियों के साथ-साथ झारखंड सरकार के उत्पाद विभाग के अधिकारियों पर भी आरोप लगाए थे। एसीबी ने शुरुआती जांच के बाद एक इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी के बयान पर सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

आरोप है कि छत्तीसगढ़ के शराब माफियाओं के एक समूह ने झारखंड में भी शराब दुकानों में मैनपावर सप्लाई की। उन्होंने ट्रैकिंग और होलोग्राम सिस्टम से जुड़े ठेके भी हासिल किए। एसीबी की जांच में पता चला कि छत्तीसगढ़ के आईएएस (आईएएस) अधिकारी अनिल टुटेजा, कारोबारी अनवर ढबेर और कुछ अन्य अधिकारियों ने झारखंड में भी अवैध कमाई के लिए शराब नीति बदलवाई।

इसके बाद छत्तीसगढ़ स्टेट विबरेज कॉरपोरेशन को कंसल्टेंट नियुक्त किया गया। अरुणपत्ति त्रिपाठी, जो इसके एमडी (एमडी) थे, उन्हें झारखंड में भी कंसल्टेंट बनाया गया। राज्य सरकार ने अरुणपति त्रिपाठी को 1.25 करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

आईएएस विनय चौबे और गजेंद्र सिंह पर ये आरोप

आरोप है कि आईएएस विनय चौबे और गजेंद्र सिंह ने शराब आपूर्ति और प्लेसमेंट एजेंसियों के लिए निविदा शर्त में 100 करोड़ रुपये के टर्नओवर की शर्त डाली थी। ऐसा इसलिए किया गया ताकि छत्तीसगढ़ शराब सिंडिकेट के सदस्यों को फायदा मिल सके। हाल ही में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे के परिसरों पर छापे मारे थे। यह कार्रवाई कथित शराब घोटाला मामले में धनशोधन जांच के तहत की गई थी।

10 मार्च को भूपेश बघेल के दुर्ग जिले में स्थित बेटे चैतन्य बघेल के भिलाई परिसर और चैतन्य बघेल के कथित करीबी सहयोगी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल और कुछ अन्य के परिसरों समेत 14 ठिकानों पर छापे मारे गए। तलाशी धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत ली गई। इस दौरान कुछ दस्तावेजों के अलावा 30 लाख रुपये नकद भी जब्त किए गए थे।

14 साल की लड़की से रेप, शेल्टर होम में सुसाइड-बाथरूम में लगाई फांसी

जशपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में रेप पीड़िता नाबालिग ने शेल्टर होम में खुदकुशी कर ली। लड़की ने वॉशरूम में फांसी लगाई है। नाबालिग लड़के ने उसके साथ रेप किया था। 3 दिन पहले वह जशपुर पहुंची और कोतवाली थाने में रेप की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने जीरो में मामला दर्ज किया। इसके बाद उसे शेल्टर होम में काउंसलिंग के लिए रखा गया था। लेकिन मंगलवार सुबह 9 बजे उसने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक नाबालिग लड़की (14 साल) जिले के आस्ता थाना क्षेत्र की रहने वाली थी।

12 मिनट में खोल ले गए एटीएम कैश बॉक्स

स्कॉर्पियो से आए तीन बदमाश

कोडरमा, 19 मार्च (एजेंसियां)। कोडरमा के चंदवारा थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ढाब शाखा के एटीएम को क्षतिग्रस्त कर कैश बॉक्स ले गए। पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है। जहां अपराधी रात करीब 12:50 बजे एक काले रंग की स्कॉर्पियो में आए। उनकी संख्या तीन थी। उन्होंने गैस कटर से एटीएम के शटर का ताला काटा सारा पैसा ले गए। पूरी वारदात में चोरों को सिर्फ 12 मिनट लगे। वे रात 1:04 बजे मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार एटीएम से अलग होते ही मशीन का सायरन बजने लगा। लेकिन आवाज धीमी होने के कारण आसपास के लोगों को सुनाई नहीं दी।

स्पेस वॉक करने वाली महिला सुनीता के नाम दर्ज हुए कई रिकॉर्ड

वर्ल्ड डेस्क, 19 मार्च (एजेंसियां)। 5 जून 2024 को जब भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बैरी विल्मोर बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे, तब किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि उनका आठ दिन लंबा मिशन 9 महीनों से ज्यादा समय के लिए खिंच जाएगा। अब अमेरिकी समयानुसार 18 मार्च को देर शाम को जब सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर पृथ्वी पर लौटे, तो वे आईएसएस पर 286 दिन बिता चुके हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस लंबी अवधि में सुनीता विलियम्स ने कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। इनमें स्पेसवॉक से लेकर स्पेसशिप में समय बिताने तक के रिकॉर्ड हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि सुनीता विलियम्स ने 286 दिन आईएसएस पर रहने के बाद कौन-कौन से रिकॉर्ड तोड़े हैं? उन्होंने कौन सी उपलब्धियां अपने नाम की हैं? इसके अलावा जिन क्षेत्रों में सुनीता ने रिकॉर्ड बनाए हैं, उनमें पहले कौन-कौन परचम लहरा चुका है? अमेरिका और रूस की अंतरिक्ष एजेंसी का रिकॉर्ड क्या रहा है? सुनीता विलियम्स अब तक तीन बार अंतरिक्ष मिशन पर जा चुकी हैं। इनमें 2006, 2013 और 2024 के स्पेस मिशन शामिल हैं। जहां उन्होंने कुल मिलाकर 608 घंटे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर बिताए हैं। नासा के किसी अंतरिक्ष यात्री के लिहाज से यह अंतरिक्ष में दूसरी सबसे ज्यादा अवधि है। अमेरिकी अंतरिक्षयात्रियों में उनसे आगे सिर्फ पेगी व्हिटमोर हैं, जिन्होंने आईएसएस पर 675 दिन बिताए हैं। हालांकि, दुनियाभर के अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो रूस के आगे नासा के एस्ट्रोनॉट कहीं नहीं ठहरते। इस मामले में रिकॉर्ड है रूसी कॉस्मोनॉट ओलेग कोनोनेंको के पास, जो कि पिछले साल जून में ही 33 महीने यानी 1000 दिन स्पेस में रहने का रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने इसके साथ ही रूसी कॉस्मोनॉट और साथी गेनाडी पडालका का रिकॉर्ड तोड़ा था।

एक दौरे में सबसे ज्यादा दिन

सुनीता विलियम्स ने आईएसएस पर इस बार अपना सबसे लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया। एक बार में 286 दिन तक अंतरिक्ष में रहकर सुनीता नासा की रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं। दरअसल, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो एक दौरे में सबसे ज्यादा दिन तक आईएसएस पर रहने का रिकॉर्ड अब तक फ्रैंक रूबियो के पास है। वहीं, मार्क वांडे हेई अब तक 355 दिन आईएसएस पर बिताए हैं। इसके बाद स्कॉट केली, महिला अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टिना कॉश और पेगी व्हिट्सन का नंबर है। इस लिहाज से एक दौरे में आईएसएस पर सबसे ज्यादा दिन बिताने वाले अंतरिक्ष यात्रियों में सुनीता विलियम्स छठे नंबर पर काबिज हो गई हैं। हालांकि, इसके लिए उन्होंने इस बार अंतरिक्ष यात्री एंड्रयू मॉर्गन का 272 दिन का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

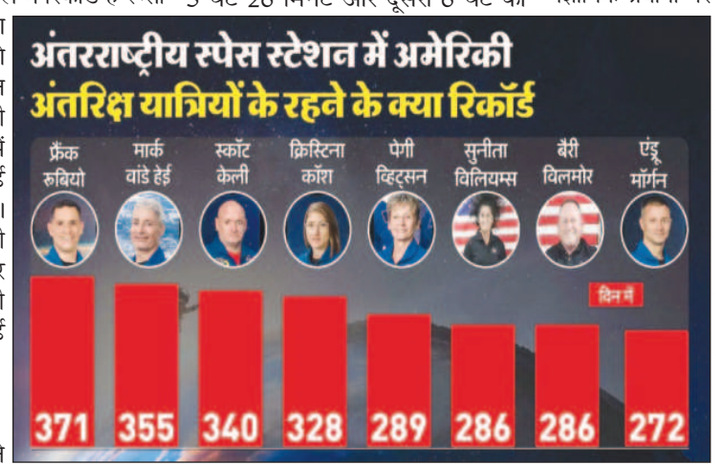

सबसे लंबे समय तक स्पेसवॉक करने वाली महिला अंतरिक्ष यात्री

59 वर्षीय सुनीता विलियम्स ने 62 घंटे 9 मिनट तक स्पेसवॉक किया, जो किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री की तरफ से किया गया सबसे लंबा समय है। उन्होंने ताजा मिशन में 16 और 30 जनवरी को दो महत्वपूर्ण स्पेसवॉक किए, जिनमें से एक 5 घंटे 26 मिनट और दूसरा 6 घंटे का था। इतना ही नहीं, उनके मिशन के दौरान उन्हें आईएसएस का कमांडर भी बनाया गया, जो किसी भी अंतरिक्ष यात्री के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इतना ही नहीं सुनीता विलियम्स अब तक नौ बार स्पेसवॉक में हिस्सा ले चुकी हैं, जो कि पेगी व्हिट्सन के 10 स्पेसवॉक से कम है। हालांकि, अवधि में सुनीता का रिकॉर्ड पेगी से आगे है। नासा के अनुसार, सुनीता विलियम्स और उनकी टीम ने 150 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों पर 900 घंटे से अधिक शोध कार्य किया। इस दौरान उन्होंने आईएसएस पर बागवानी जैसे कार्यों में भी हिस्सा लिया। स्पेसवॉक का सीधा अर्थ है, आईएसएस के बाहर खुले अंतरिक्ष में बिताए गए घंटे। 2006 में अपने पहले मिशन में सुनीता विलियम्स ने 29 घंटे स्पेसवॉक की थी। इतना ही नहीं आईएसएस पर रहते हुए उन्होंने 42.2 किलोमीटर दौड़कर बॉस्टन मैराथन में भी वर्चुअल तौर पर हिस्सा लिया था। सुनीता ने इस मिशन में कुल 195 दिन आईएसएस पर बिताए थे। इसके अलावा 2012-13 में भी सुनीता विलियम्स ने 21 घंटे से ज्यादा स्पेसवॉक की थी। इस मिशन में वे 127 दिन तक अंतरिक्ष पर रही थीं। इस तरह दो मिशन में उन्होंने कुल 321 दिन अंतरिक्ष में बिताए।

2006-07 और 2012-13 में दोनों मिशन में कितना स्पेसवॉक किया?

स्पेसवॉक का सीधा अर्थ है, आईएसएस के बाहर खुले अंतरिक्ष में बिताए गए घंटे। 2006 में अपने पहले मिशन में सुनीता विलियम्स ने 29 घंटे स्पेसवॉक की थी। इतना ही नहीं आईएसएस पर रहते हुए उन्होंने 42.2 किलोमीटर दौड़कर बॉस्टन मैराथन में भी वर्चुअल तौर पर हिस्सा लिया था। सुनीता ने इस मिशन में कुल 195 दिन आईएसएस पर बिताए थे। इसके अलावा 2012-13 में भी सुनीता विलियम्स ने 21 घंटे से ज्यादा स्पेसवॉक की थी। इस मिशन में वे 127 दिन तक अंतरिक्ष पर रही थीं। इस तरह दो मिशन में उन्होंने कुल 321 दिन अंतरिक्ष में बिताए।

पाकिस्तान में महिला के साथ फिर हैवानियत

पति ने पत्नी को पेट्रोल डालकर जलाया

कराची, 19 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का एक और मामला सामने आया है। कराची में एक महिला को उसके पति ने कथित तौर पर आग के हवाले कर दिया। पीड़िता ने पति के अन्य महिलाओं के साथ संबंध रखने पर आपत्ति जताई थी। पेट्रोल डालकर आग लगाने से पहले महिला को प्रताड़ित किया गया। वह 40 प्रतिशत तक जल गई थी। आरोपी पति मौके से फरार हो गया हालांकि पुलिस उसे पकड़ने में सफल रहा। बताया जा रहा है कि महिला का पति अक्सर उसके साथ दुर्व्यवहार करता था। घायल महिला का कराची के सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस गिरफ्तार पति से पूछताछ कर रही है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक हाल ही में पाकिस्तान में प्रगतिशील महिला संघ (पीडब्ल्यूए) की ओर से जारी एक रिपोर्ट से पता चलता है कि हर साल लगभग 300 पाकिस्तानी महिलाओं को उनके पति या पति के परिवार द्वारा जलाकर मार दिया जाता है। इस बीच, पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने मंगलवार को महिलाओं और लैंगिक अल्पसंख्यकों के लिए न्याय पर एक बैठक आयोजित की। प्रमुख पाकिस्तानी दैनिक 'डॉन' के अनुसार, बैठक में महिलाओं की सुरक्षा के लिए मौजूदा कानूनों पर चर्चा हुई। एचआरसीपी ने बलात्कार, अपहरण, घरेलू हिंसा और हानिकारक प्रथागत प्रथाओं के मामलों में कम सजा दरों पर चिंता व्यक्त की।

रूस से परमाणु युद्ध की तैयारी में जुटा फ्रांस, नया एयरबेस बनाने का ऐलान

पेरिस, 19 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के हाथ खींचने के डर से खौफ में चल रहे यूरोप के लिए अच्छी खबर है। फ्रांस ने ऐलान किया है कि वह एक और परमाणु हमला करने में सक्षम नया एयर बेस बनाने जा रहा है। यही नहीं इस एयरबेस पर 40 नए राफेल फाइटर जेट को तैनात किया जाएगा जो सबसे आधुनिक F5 मानक वाले होंगे। यही नहीं इसमें हाइपरसोनिक मिसाइल भी लगाई जाएगी। नया एयरबेस लूक्सेइल में बनाया जा रहा है। फ्रांस ने यह ऐलान ऐसे समय पर किया है जब डोनाल्ड ट्रंप नाटो देशों की सुरक्षा से अपने हाथ खींच रहे हैं और रूस के परमाणु हमले के डर में यूरोपीय देश जी रहे हैं। इसी वजह से अब यूरोपीय देश अमेरिका से अलग अपनी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना चाहते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने मंगलवार को इस नए परमाणु एयरबेस को बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि साल 2035 तक एएसएन4जी नई हाइपरसोनिक मिसाइल भी बनकर तैयार हो जाएगी। फ्रांस की सरकार ने ऐलान किया है कि वह इस नए एयरबेस के लिए 1.6 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। इस एयरबेस के इलाके के सीनेटर सेड्रिक पेरिन ने कहा कि यूक्रेन युद्ध ने हालात को बदल दिया है।

इजराइल ने गाजा में हमास के पीएम को मारा, 3 आतंकियों की भी मौत

नेतन्याहू बोले-संगठन के खात्मे तक चैन से नहीं बैठेंगे

तेल अवीव, 19 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल ने गाजा में हमास के प्रधानमंत्री इस्साम दिब अब्दुल्ला अल-दालीस को मार गिराया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने अब्दुल्ला की मौत की पुष्टि की है। अब्दुल्ला ने जुलाई 2024 में रूही मुश्ताहा की मौत के बाद उसकी जगह ली थी। अब्दुल्ला गाजा में हमास की सरकार चलाता था। उसके पास हमास के संगठन और आतंकी गतिविधियों की जिम्मेदारी भी थी। पिछले 24 घंटे में इजराइल ने हवाई हमलों में हमास के 3 बड़े आतंकियों को भी मार गिराया है। इनमें हमास के कमांडर और पॉलिटिकल लीडर महमूद मारजूक अहमद अबू-वत्फा, बहजत हसन मोहम्मद अबू-सल्तान और अहमद ओमर अब्दुल्ला अल-हाता शामिल हैं।

नेतन्याहू बोले-हमास के खात्मे तक चैन से नहीं बैठेंगे

इजराइल ने हमास के 19 जनवरी को शुरू हुए सीजफायर को खत्म कर दिया है। मंगलवार तड़के इजराइल ने गाजा में कई हवाई हमले किए। इनमें 400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मंगलवार शाम इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने जंग दोबारा शुरू करने को लेकर बयान भी दिया।

विवाद के बीच कनाडा में 'संप्रभुता' पर जोर

टोरंटो, 19 मार्च (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक अहम घोषणा की। इसमें उन्होंने कहा कि कनाडा ऑस्ट्रेलिया से अरबों डॉलर की एक नई रडार प्रणाली खरीदेगा और आर्कटिक क्षेत्र में सैन्य अभियानों को बढ़ाएगा।

यह कदम कनाडा के उत्तरी क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया जा रहा है, ताकि इस विवादित क्षेत्र पर कनाडा की संप्रभुता को साबित किया जा सके। प्रधानमंत्री कार्नी ने बताया कि 6 अरब कनाडाई डॉलर (लगभग 4.2 अरब अमेरिकी डॉलर) की यह रडार प्रणाली कनाडा और अमेरिका की सीमा से लेकर आर्कटिक क्षेत्र तक प्रारंभिक चेतावनी रडार कवरेज प्रदान करेगी। यह रडार ओवर-द-होराइजन रडार के नाम से जानी जाएगी। कार्नी इस घोषणा को नुनावुत क्षेत्र की राजधानी इकालुइट में स्थित एक सैन्य अड्डे से करेंगे।

हूती विद्रोहियों और हमास ने एक साथ मिलकर बोला हमला

> हाइपरसोनिक मिसाइलों की बारिश से थर्राया इजरायल, ऐक्शन में एरो

तेलअवीव, 19 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी हवाई हमले के बाद भी ईरान समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों के हौसेल पस्त नहीं हुए हैं। हूती विद्रोहियों ने गाजा के हमास के साथ मिलकर एक साथ हमला बोला है। हूतियों ने अपनी सेना को निर्देश दिया है कि वह मध्य इजरायल को निशाना बनाए। लेबनान के हिज्बुल्लाह के समाचार पत्र अल अखबार ने बुधवार को इसका खुलासा किया। इसके बाद हूती विद्रोहियों और इस्लामिक जिहाद ने हमास के साथ मिलकर अपने हमले तेज कर दिए हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में ये हमले और तेज होंगे। इस बीच हूतियों ने दावा किया है कि उसने इजरायल पर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला किया है।

इससे पहले हूतियों ने दावा किया था कि अमेरिका ने कम से कम 10 हमले यमन में किए हैं। अमेरिका ने धमकी दी है कि अगर लाल सागर में हमले किए गए तो वह फिर से यमन पर हमले करेगा। हूती प्रवक्ता ने कहा है कि लाल सागर में बड़ी सैन्य तैयारी चल रही है। हूती प्रवक्ता ने दावा किया कि उसने अमेरिका के एयरक्राफ्ट कैरियर हैरी एस ट्रूमैन और अन्य युद्धपोतों को मिसाइल तथा ड्रोन हमले से नुकसान पहुंचाया है। हूतियों ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को दो हाइपरसोनिक मिसाइलों से इजरायल पर दक्षिणी इलाके में हमला बोला।

इजरायल ने ऐरो सिस्टम से दिया जवाब

इजरायल की सेना ने माना है कि हूतियों ने मिसाइल से हमला किया था जिसे एरो मिसाइल डिफेंस से हवा में ही नष्ट कर दिया गया। उसने कहा कि चेतावनी के सायरन प्रोटोकॉल के तहत बजाए गए थे। हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सारी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है और कहा कि उसके ग्रुप ने फलस्तीन 2 हाइपरसोनिक मिसाइल से इजरायल पर हमला किया था। उसने चेतावनी दी कि अगर इजरायल ने हमलों को नहीं रोका तो आने वाले दिनों में और ज्यादा हमले इजरायल पर किए जाएंगे। इससे पहले यमन के हूती विद्रोहियों ने कहा कि ने उन्होंने पिछले 48 घंटों में तीसरी बार उत्तरी लाल सागर में एक अमेरिकी विमानवाहक पोत को निशाना बनाया। ग्रुप ने यह दावा ऐसे समय में किया जब अमेरिकी सेना उसके खिलाफ हवाई हमले कर रही है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने अल-मसीरा टीवी पर प्रसारित एक बयान में कहा, हमने उत्तरी लाल सागर में यूएसएस हैरी ट्रूमैन विमानवाहक पोत को दो क्रूज मिसाइलों और दो ड्रोन से निशाना बनाया।

संघीय जज ने ट्रंप का फैसला पलटा

ट्रांसजेंडर्स के सेना में शामिल होने पर लगी रोक हटाई

वॉशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के एक संघीय जज ने ट्रंप प्रशासन को झटका देते हुए सरकार के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत ट्रांसजेंडर्स के सैन्य सेवाओं में शामिल होने पर रोक लगा दी गई थी। वॉशिंगटन डीसी की संघीय जज एना रेज ने अपने आदेश में कहा कि ट्रांसजेंडर्स को सेना में शामिल होने से रोकना, उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

इस आधार पर दी गई ट्रंप के आदेश को चुनौती

दरअसल सेना में सेवा दे रहे छह ट्रांसजेंडर्स और सेना में शामिल होने के इच्छुक दो ट्रांसजेंडर्स ने अदालत में याचिका दायर की थी, जिस पर संघीय जज ने यह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी की है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के तुरंत बाद 27 जनवरी को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत ट्रांसजेंडर्स लोगों के सेना में भर्ती होने पर रोक लगा दी गई थी। इस आदेश के जवाब में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जेंडर डिस्फोरिया वाले लोगों को सैन्य सेवाओं के लिए अयोग्य घोषित करने की नीति जारी की। जेंडर डिस्फोरिया वह अवस्था है, जिसमें किसी व्यक्ति का निर्धारित लिंग और उसकी लिंग पहचान मेल नहीं खाते। चिकित्सा स्थिति में इसे अवसाद और आत्महत्या के विचारों से जोड़ा जाता है। अदालत में जब इस आदेश को चुनौती दी गई तो दावा किया गया कि यह अमेरिकी संविधान के पांचवें संशोधन के तहत ट्रांसजेंडर्स को मिले अधिकारों का उल्लंघन है। अमेरिकी सेना में हजारों की संख्या में ट्रांसजेंडर्स सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन ये कुल सैनिकों की संख्या का एक प्रतिशत से भी कम है।

नाबालिगों के लिए लिंग-पुष्टि देखभाल पर ओहायो के प्रतिबंध को असंवैधानिक बताते हुए अपीलीय अदालत ने इस पर रोक लगा दी। तीन न्यायाधीशों के पैनल ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। इस प्रतिबंध के तहत ट्रांस महिलाओं और लड़कियों को महिला खेलों में भाग लेने पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि राज्य के अटॉर्नी जनरल ने इस फैसले के खिलाफ अपील करने की बात कही है।

'ग्रीन बैंक' के अनुदान पर रोक का ट्रंप प्रशासन का फैसला जज ने पलटा

एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन द्वारा तीन जलवायु समूहों को 14 अरब डॉलर का अनुदान रोकने के फैसले पर रोक लगा दी। बाइडन प्रशासन ने इन जलवायु समूहों को अनुदान जारी किया था। ट्रंप ने इस अनुदान में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे, लेकिन अब अदालत ने कहा है कि धोखाधड़ी के दावे अपुष्ट हैं।

ट्रंप के आदेश के बाद कैनेडी हत्या से जुड़ी 11,00 से अधिक फाइलें सार्वजनिक

अमेरिका का सबसे बड़ा राज

वाशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)। ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राज्य अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक कर दिया। कैनेडी की 1963 में टेक्सास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद अब यह दस्तावेज जनता के लिए पूरी तरह सुलभ हो गए हैं। इसे सरकारी पारदर्शिता में एक 'बड़ा कदम' माना जा रहा है।

अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने एक्स पर इस कदम की घोषणा करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अधिकतम पारदर्शिता के एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं। आज, उनके निर्देशानुसार, पहले से संपादित जेएफके हत्याकांड की फाइलें बिना किसी संशोधन के जनता के लिए जारी की जा रही हैं। वादे किए गए, वादे पूरे हुए। इस फैसले की वजह से 1,100 से अधिक फाइलें सामने आई हैं, जिनमें 31,000 पृष्ठ है। इन दस्तावेजों में सीआईए मेमो, एफबीआई रिपोर्ट और राजनयिक केबल शामिल हैं, जो कैनेडी की हत्या को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों पर प्रकाश डालते हैं। इतिहासकार, शोधकर्ता और षड्यंत्र सिद्धांतकार लंबे समय से जेएफके की मौत से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रहे हैं।

कई एक्सपर्ट मानते हैं कि नई उपलब्ध फाइलें मौजूदा ऐतिहासिक कहानी में बहुत ज़्यादा बदलाव नहीं ला सकती हैं। फिर भी लोगों में इस बात को लेकर आकर्षण बना हुआ है कि पूरी सच्चाई अभी भी गुप्त रखी गई है, जिससे नए सिरे से जांच और बहस को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कैनेडी ने 22 नवंबर, 1963 को डलास, टेक्सास का दौरा किया। कैनेडी अपनी पत्नी जैकलीन, टेक्सास के गवर्नर जॉन कोनली और कोनली की पत्नी नेली के साथ खुली कार में शहर से गुजर रहे थे। तभी गोलियां चलीं। काफिला पार्कलैंड मेमोरियल अस्पताल पहुंचा, जहां गोलीबारी के करीब 30 मिनट बाद कैनेडी को मृत घोषित कर दिया गया; हमले में कॉनली भी घायल हुए थे। उपराष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन ने दो घंटे और आठ मिनट बाद डलास लव फील्ड में एयर फोर्स वन में राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। पुलिस ने ली हार्वे ओसवाल्ड को गोली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया।

पाक-अफगान सीमा विवाद : नहीं खुली तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग, दूसरे दौर की वार्ता रही बेनतीजा

इस्लामाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग नहीं खुल सकी। दोनों पक्षों के धार्मिक, राजनीतिक और जनजातीय समुदाय के बुजुर्गों के बीच दूसरे दौर की वार्ता नाकाम रही। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विवादित सीमा के करीब अफगान बलों के निर्माण कार्य शुरू करने से तनाव बढ़ा था जिसके कारण क्रॉसिंग लगभग एक महीने से बंद थी। हालांकि इसके खुलने की पूरी उम्मीद थी क्योंकि दोनों पक्षों ने बातचीत के बाद, तोरखम व्यापार मार्ग को सभी प्रकार की आवाजाही के लिए खोलने फैसला किया था। तोरखम बॉर्डर पर 4 मार्च को स्थिति तब गंभीर हो गई जब क्रॉसिंग को फिर से खोलने के लिए बातचीत नाकाम हो गई, जिसके कारण पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान लड़ाकों के बीच गोलीबारी हुई। हिंसक झड़प के कारण सीमा के पास कई सशस्त्र बलों के कर्मियों और नागरिकों की मौत हो गई। इस बीच, बुधवार की सुबह दोनों पक्षों के सीमा सुरक्षा अधिकारियों की बैठक हुई जिसमें सीमा को फिर से खोलने के बारे में चर्चा की गई।

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सैयद जवाद हुसैन काजमी ने कहा कि बैठक के दौरान अफगान टीम ने काबुल में उच्च अधिकारियों से अंतिम मंजूरी लेने के लिए समय मांगा। काजमी ने देश के प्रमुख दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' को बताया, हम अभी भी अफगानों के संपर्क का इंतजार कर रहे हैं, इसके चलते तोरखम सीमा को फिर से खोलने में देरी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे महत्वपूर्ण क्रॉसिंग में से एक तोरखम से दोनों देशों के बीच सबसे ज्यादा व्यापार और आवाजाही होती है। लंबे समय तक बंद रहने के कारण दोनों पक्षों के व्यापारियों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि सीमा के 24 दिनों तक बंद रहने के दौरान ट्रांजिट ट्रेड सहित सभी तरह के व्यापार ठप रहे। बंद रहने के कारण राष्ट्रीय खजाने को कुल 72 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ।

तोरखम मार्ग पर एक ड्राइवर मोहम्मद गुल ने प्रमुख अफगान मीडिया आउटलेट टोलोन्यूज को बताया, यहां सैकड़ों मालवाहक ट्रक फंसे हुए हैं। कुछ सामान पहले ही खराब हो चुका है, जिससे व्यापारियों को वित्तीय नुकसान हो रहा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सरकारों को इस समस्या का समाधान ढूंढना चाहिए।

बीजेपी विधायक ने पूछा- जेजेएम में बिल किस दबाव में पास किए?

मंत्री ने दिया जांच का आश्वासन; डांगा ने पूछा '420' सवाल तो लगे ठहाके

जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को बजट सत्र के दौरान खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल ने जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों में अनियमितताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने पीएचईडी विभाग पर बिना काम पूरा किए ही ठेकेदारों को भुगतान करने का आरोप लगाया।

खंडार विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन योजना के तहत कार्यों की प्रगति और अनियमितताओं को लेकर विधायक जितेंद्र कुमार गोठवाल ने सवाल उठाए। विधायक ने आरोप लगाया कि योजना के तहत अभी तक एक भी काम पूरी तरह से पूरा नहीं हुआ है, फिर भी ठेकेदारों के बिल पास कर दिए गए हैं।

उन्होंने सवाल किया कि आखिर किस राजनीतिक दबाव में ये बिल पास किए गए और मांग की कि जिन ठेकेदारों के बिल पास हुए, उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाए। विधायक ने यह भी दावा किया कि 200 फीट पाइपलाइन डालने का ठेका दिया गया, लेकिन केवल 100 फीट पाइपलाइन डालकर ही ठेकेदारों ने भुगतान उठा लिया।

इसके जवाब में जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि खंडार विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत 182 टेंडर जारी किए गए थे और 35,000 से अधिक कनेक्शन दिए जा चुके हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि कई जगहों से घटिया पाइप और अन्य समस्याओं की शिकायतें मिली हैं, जो पूरे राज्य में एक आम समस्या है।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि विभाग एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाएगा, जो विधायक के निर्देशन में सभी शिकायतों की जांच करेगी। दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और यदि जरूरत पड़ी तो दोबारा काम कर नई पाइपलाइन डाली जाएगी।

मंत्री ने आगे कहा कि खंडार विधानसभा के हर व्यक्ति को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। विधायक ने बताया कि क्षेत्र की 292 में से 191 गांवों की स्कीम स्वीकृत हो चुकी है, जबकि 57 गांवों को ईसरदा परियोजना से जोड़ा जाएगा। जहां-जहां पुराने जल स्रोतों में परेशानी है, उन्हें ठीक किया जाएगा। साथ ही, यदि गलत तरीके से कोई भुगतान किया गया है, तो उसकी भी जांच कराई जाएगी।

बुधवार को राजस्थान विधानसभा में एक रोचक वाकया हुआ। बीजेपी विधायक रेवंतराम डांगा जब प्रश्न पूछने के लिए खड़े हुए, तो उन्होंने सदन में मौजूद सभी सदस्यों को 'राम-राम' कहा और होली की बधाई भी दी। इस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मजाकिया अंदाज में कहा- 'राम-राम हो गई, अब आप सीधे सवाल पूछिए।'

इसके बाद विधायक ने अपना प्रश्न क्रमांक 420 बताया। जैसे ही यह संख्या सदन में गूंजी, स्पीकर समेत पूरे सदन में ठहाके लगने लगे। इसके बाद विधायक रेवंतराम डांगा ने खींवसर के पांचौड़ी में सरकारी कॉलेज खोलने को लेकर सवाल पूछा। इस पर डिप्टी सीएम प्रेम चंद बैरवा ने जवाब दिया कि खींवसर विधानसभा में पहले से ही 6 सरकारी और 6 प्राइवेट कॉलेज मौजूद हैं। इसके अलावा, पांचौड़ी से सिर्फ 7 किलोमीटर की दूरी पर कॉलेज उपलब्ध है। इसलिए फिलहाल नए सरकारी कॉलेज की जरूरत नहीं है।

रमजान में लाउडस्पीकर पर विवाद

बीजेपी विधायक ने डोटासरा पर लगाया हत्या के षड्यंत्र का आरोप; क्या सरकार लाएगी कानून?

जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने रमजान के महीने में लाउडस्पीकर को लेकर बयान देकर प्रदेश की सियासत में गर्मी पैदा कर दी है। इस मामले पर पक्ष और विपक्ष लगातार एक-दूसरे पर हमलावर हैं। हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने डोटासरा के बयान पर पटलवार करते हुए कहा है कि 'पेपरलीक माफिया गोविंद सिंह डोटासरा ने या तो मेरी कहीं सुपारी दे दी है या उन्होंने किसी को मुझे मारने के लिए उकसाया है। उन्हें कैसे पता कि मेरी जान को खतरा है?'

गौरतलब है कि बालमुकुंदाचार्य ने 'अजान के लिए लाउडस्पीकरों की आवाज नियंत्रित करने के लिए पुलिस से निवेदन किया था। उन्होंने कहा था कि तेज आवाज से कई लोगों को सिरदर्द और 'माइग्रेन' की समस्या होती है। जिस पर डोटासरा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि 'उनकी सुरक्षा बढ़ा देनी चाहिए, क्योंकि जो हरकतें वो कर रहे हैं पता नहीं कब, किसका, क्या दिमाग फिर जाए।'

हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने बुधवार को विधानसभा के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि 'डोटासरा को भारतीय संस्कृति, धर्म और संतों से मन में द्वेष है। वो इस तरह की हरकतें करके बताना चाहते है कि कांग्रेस की रीति-नीति, सोच और स्वभाव हमेशा भारत की संस्कृति और धर्म के विरोधी है, इसलिए ही उन्होंने ऐसा कहा है'।

उन्होंने आगे कहा कि 'डोटासरा ने मुझ पर हमला करने के लिए किसी को एक्टिव किया है या उन्होंने कोई षड्यंत्र रचा है। कहीं ऐसा तो नहीं कि उन्होंने मारने की कोई योजना बनाई हो। कल को कुछ भी होता है तो मैं मानता हूं कि डोटासरा ने ही कोई योजना बनाई है। मेरे पर दुर्घटना की आशंका बताई है, उसके जिम्मेदार वो होंगे। डोटासरा अपने बयानों से खुद को चर्चित बता रहे है, लेकिन सबको पता है जूली जिस तरह से फ्रंट पर खेल रहे है। उससे उनका कद बढ़ा है, कांग्रेस में उनका मान-सम्मान कद बढ़ा है। जिससे डोटासरा बोखलाहट या कोई मानसिक समस्या होने से ऐसे शब्द बोलकर माहौल बनाने का प्रयास कर रहे है'।

इससे पहले पीसीसी चीफ डोटासरा ने बालमुकुंदाचार्य के उदयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा था कि 'ऐसे नमूने विधानसभा में आ गए हैं, उन्हें जनता ने अपनी समस्याओं के लिए चुना है। लेकिन वे हिंदू-मुस्लिम करके नफरत फैला रहे है। उनके इस बयान के बाद भगवान करे वे सुरक्षित रहें। उनकी सुरक्षा भी बढ़ा देनी चाहिए, क्योंकि जो हरकतें वो कर रहे हैं पता नहीं कब, किसका, क्या दिमाग फिर जाए।'

जबकि बालमुकुंदाचार्य के लाउडस्पीकर को लेकर दिए बयान का संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि राजस्थान भी उन राज्यों के साथ है, जहां कानून की पालना होनी चाहिए। सभी धर्मालंबियों को अपने-अपने धर्म के अनुसार पूजा पद्धति करने का अधिकार हैं। लेकिन उनकी पद्धति से किसी अन्य को परेशानी ना हो, उनकी नींद बाधित न हो और अमन शांति को कोई खतरा न हो, इसका ध्यान रखना होगा। यदि आवश्यकता हुई तो राजस्थान सरकार भी लाउडस्पीकर को लेकर सख्त कानून लाने में भी संकोच नहीं करेगी।

3 शहर नहीं बने पाएंगे 'स्मार्ट सिटी'!

केंद्र से नहीं मिलेगा पैसा; उदयपुर की बल्ले-बल्ले

जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्वीकृत की गई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकारों के पास अब केवल 13 दिन का समय बचा है। इन्हें पूरा करने की डेडलाइन 31 मार्च है। नए वित्तीय वर्ष में किसी लंबित योजना के लिए केन्द्र सरकार की ओर से राशि नहीं दी जाएगी। इसके बाद शेष कार्य राज्य सरकारों को खुद के वित्तीय संसाधनों से पूरा करना होगा।

केन्द्र सरकार की ओर से इस मिशन को पूरा करने की अवधि दो बार बढ़ाई जा चुकी है। राजस्थान में जयपुर, कोटा और अजमेर में 13 परियोजनाएं अभी अधूरी हैं। जबकि उदयपुर की सभी परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। स्मार्ट सिटी मिशन 25 जून 2015 को शुरू हुआ था। देश के 100 स्मार्ट शहरों में राजस्थान के चार शहर जयपुर, उदयपुर, कोटा और

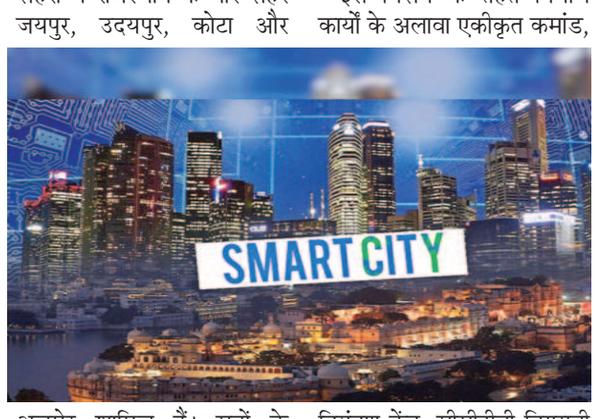

अजमेर शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार मॉनिटरिंग नहीं करने और अफसरों के ध्यान नहीं देने के कारण परियोजनाएं अधूरी हैं।

प्रमुख कार्य

इस मिशन के तहत निर्माण कार्यों के अलावा एकीकृत कमांड, नियंत्रण केंद्र, सीसीटीवी निगरानी कैमरे, आपातकालीन कॉल बॉक्स, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली, स्मार्ट सड़कें, साइकिल ट्रैक, क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी, ई-स्वास्थ्य केंद्र एवं क्लीनिक शामिल हैं।

देश में 559 परियोजनाएं अधूरी

देश में 100 स्मार्ट सिटी में 8063 परियोजनाएं स्वीकृत की गई थी, इनकी लागत 164545 करोड़ है। इनमें से 150306 करोड़ लागत की 7504 परियोजनाएं पूरी हो गई और 14239 करोड़ की 559 परियोजनाएं प्रगति पर हैं। स्मार्ट सिटी मिशन की रिपोर्ट के अनुसार अभी तक स्मार्ट सिटी मिशन में शामिल शहर 47538 करोड़ की केन्द्रीय वित्तीय सहायता का दावा कर पाए हैं, इनमें 45772 करोड़ रुपए का उपयोग हुआ है। सभी स्मार्ट सिटी के लिए केन्द्र सरकार का हिस्सा 48000 करोड़ रुपए है।

राजस्थान के 4 शहरों की स्थिति

579 राजस्थान में परियोजनाएं 4 शहरों में स्वीकृत हुईं

8640 करोड़ लागत है सभी परियोजनाओं की

566 परियोजनाएं पूरी, इन पर 8368 करोड़ खर्च

13 परियोजनाएं अधूरी, इनमें पर 272 करोड़ खर्च होंगे

05 परियोजनाएं अजमेर में प्रगति पर, 58 करोड़ खर्च होंगे

03 परियोजनाएं कोटा में प्रगति पर, 38 करोड़ खर्च होंगे

05 परियोजनाएं जयपुर में प्रगति पर, 177 करोड़ खर्च होंगे

थप्पड़कांड में नरेश मीणा को नहीं मिली जमानत

वकील ने कहा- मामूली मामला है; सरकार का जवाब- जनप्रतिनिधि ऐसा करेगा तो क्या मैसेज जाएगा

जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। देवली-उनियारा सीट पर हुए विधानसभा उप चुनाव में एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारने के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा की जमानत याचिका राजस्थान हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।

राजस्थान सरकार ने हाईकोर्ट में नरेश मीणा की जमानत याचिका का विरोध करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि अगर एक जनप्रतिनिधि इस तरह की हरकत करेगा, तो समाज में क्या संदेश जाएगा?

उधर नरेश मीणा के वकील ने मामले को मामूली मामला बताते हुए जमानत की मांग की । दोनों पक्ष को सुनने के बाद न्यायाधिपति अनिल कुमार उपवन ने नरेश मीणा को जमानत देने से इनकार कर दिया।

मंगलवार को सुनवाई शुरू होते ही व्यस्तता के चलते न्यायाधिपति ने दोबारा सुनवाई के लिए 19 मार्च की तारीख दी थी। इससे पहले 12 मार्च को इस मामले में सुनवाई हुई थी।

उस समय भी व्यस्तता के चलते न्यायाधिपति अनिल कुमार उपवन ने सुनवाई के लिए 12 मार्च की तारीख दी थी। एडवोकेट लाखन सिंह मीणा ने बताया कि नरेश मीणा के इस केस की सुनवाई शुरू होते ही व्यस्तता के चलते जमानत पर सुनवाई के लिए आगे की तारीख दे दी ।

गौरतलब है कि 13 नवंबर 2024 को देवली-उनियारा विधानसभा के उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था। इसमें समरावता गांव के लोगों ने गांव को उनियारा उपखंड कार्यालय में शामिल करने की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर रखा था।

निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा भी ग्रामीणों की मांग वाजिब बताते हुए ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठ गया था। मतदान बहिष्कार के बावजूद 3 लोगों के जबरन वोट दिलाने का आरोप लगाते हुए नरेश मीणा ने एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया था। दूसरे दिन 14 नवंबर को पुलिस ने नरेश मीणा को धरना स्थल से गिरफ्तार कर लिया था।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

क्षेत्रीय वन अधिकारी और वन रक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर में एसीबी की इंटेलिजेंस यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय वन अधिकारी और एक वन रक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई का नेतृत्व एसीबी उदयपुर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारी डॉ. सोनू शेखावत ने किया।

क्षेत्रीय वन अधिकारी धीरेंद्र सिंह और वन रक्षक अब्दुल रऊफ, क्षेत्रीय वन अधिकारी रेंज उदयपुर पश्चिम के कार्यालय में चार लाख 61 हजार रुपये की रिश्वत ले रहे थे। एसीबी को सूचना मिली थी कि ये अधिकारी रिश्वत की मांग कर रहे हैं, जिसके बाद पूरी योजना बनाकर उन्हें रंगे हाथ पकड़ा गया।

सूत्रों के अनुसार रिश्वत की यह राशि किसी वन संबंधित कार्य को निपटाने के एवज में मांगी गई थी। जैसे ही आरोपियों ने पैसे स्वीकार किए, वैसे ही एसीबी की टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।इस कार्रवाई के बाद उदयपुर वन विभाग में हड़कंप मच गया है। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि आगे की जांच जारी है और आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'ऑपरेशन अखरोट' के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कई अवैध बजरी से भरे वाहनों को किया जब्त

जोधपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने 'ऑपरेशन अखरोट' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध बजरी से भरे वाहनों को जब्त किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय, जयपुर और जोधपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भोपालसिंह लखावत के नेतृत्व में सभी थानों को अवैध खनन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे।

अभियान के दौरान खेड़ापा, कापरड़ा, बिलाड़ा और बोरूंदा पुलिस ने अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई कर अवैध बजरी का परिवहन कर रहे कई डंपर और

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया। खेड़ापा पुलिस को सूचना मिली थी कि एक डंपर अवैध बजरी लेकर जा रहा है। इस पर पुलिस ने नाकाबंदी कर सुरेश पुत्र छैनाराम मेघवाल को रोका और डंपर जब्त कर लिया।

कापरड़ा थाना क्षेत्र में भी पुलिस को खबर मिली कि दो डंपर अवैध बजरी लेकर बोयल की ओर जा रहे हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भंवरसिंह और महेंद्र के कब्जे से दोनों डंपर जब्त कर लिए। इसी तरह, पुलिस ने सम्पतराम और पप्पुराम नामक व्यक्तियों से दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां भी पकड़ीं, जिनमें अवैध बजरी भरी हुई थी।

बिलाड़ा थाना पुलिस ने भी इस अभियान में सफलता हासिल की। पुलिस को सूचना मिली कि सतू और मूलाराम नामक लोग अवैध बजरी का परिवहन कर रहे हैं। कार्रवाई के दौरान उनके पास से दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की गईं।

बोरूंदा पुलिस को खबर मिली कि एक बड़ा डंपर निम्बोल की ओर जा रहा है, जिसमें अवैध रूप से बजरी लादी गई है। पुलिस ने खोजानगर के पास नाकाबंदी कर डंपर को रोका। डंपर का चालक अशोक निवासी सुवाना मौके पर ही पकड़ा गया। जब डंपर में भरी बजरी को तौला गया, तो उसमें कुल 20 टन अवैध बजरी पाई गई।

पुलिस ने अफीम के 3600 पौधे और 3.540 किलोग्राम गीला डोडा पोस्त किया जब्त

जालोर, 19 मार्च (एजेंसियां)। जालौर जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ऑपरेशन भौकाल के तहत सांचोर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खेत में फलदार पौधों की आड़ में की जा रही अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से 3600 अफीम के पौधे और 3.540 किलोग्राम गीला डोडा पोस्त जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जालौर जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सांचोर के सहायक पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ के सुपरविजन और थाना अधिकारी देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 18 मार्च को मुखबिर की सूचना पर डूंगरा का गोलिया गांव में कार्रवाई की। सूचना के आधार पर पुलिस को पता चला कि आरोपी कमलेश दर्जी, पुत्र रूपचंद दर्जी, अपने खेत में फलदार पौधों की आड़ में अफीम की अवैध खेती कर रहा है। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर खेत से कुल 3600 अफीम के पौधे जब्त किए, जिनमें से 1600 पौधों पर डोडे लगे हुए थे और 2000 पौधों के डंठल के ऊपर से डोडे हटाए जा चुके थे। इसके अलावा, खेत से 3.540 किलोग्राम गीला डोडा पोस्त भी बरामद किया गया।

आरोपी कमलेश कुमार दर्जी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल दहला देने वाली घटना, घर में सो रही महिला की निर्मम हत्या, भांजे पर भी चाकू से ताबड़तोड़ वार

कोटा, 19 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। भीमगंजमंडी थाना क्षेत्र के तेलघर हुसैनी नगर में देर रात घर में घुसे बदमाश ने नींद में सो रही महिला की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी है। इसी दौरान भांजे की आंख खुली तो उस पर भी हमला कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानकारी के मुताबिक घटना देर रात करीब 2.30 बजे की भीमगंजमंडी थाना क्षेत्र के तेलघर हुसैनी नगर में की है। जहां पर सुमित्रा बाई अपने भांजे अरविंद के साथ बेड पर सो रही थी। तभी एक बदमाश खिड़की के रास्ते घर में घुस गया और महिला पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। महिला की चीख सुनकर भांजा जाग गया। तभी बदमाश ने उस पर भी हमला कर दिया। हमले में घायल सुमित्रा बाई पत्नी बालाराम मेहरा उम्र 40 साल निवासी हुसैनी नगर थाना भीमगंजमंडी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस दौरान महिला का बेटा और बहू दूसरे कमरे में सो रहे थे। भांजे की चीख पुकार सुनकर दोनों कमरे से बाहर आए। लेकिन, इससे पहले ही बदमाश मौके से भाग छूटा।

सूचना मिलते ही भीमगंजमंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। वहीं, मृतका के शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने घायल अरविंद को एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां पर उसका उपचार जारी है।

साइबर फ्रॉड करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तीन मोबाइल और कार जब्त; पुलिस ने ऐसे की कार्रवाई

अलवर, 19 मार्च (एजेंसियां)। अलवर के शिवाजी पार्क थाना पुलिस ने साइबर फ्रॉड के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तीन एंड्रॉयड मोबाइल और एक कार जब्त की है, जिसका इस्तेमाल वह ठगी करने के लिए करता था। शिवाजी पार्क थाने के हेड कांस्टेबल रामनिवास ने बताया कि जिले में ऑनलाइन ठगी, सेक्सटॉर्शन और ओएलएक्स फ्रॉड जैसी साइबर अपराधों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई है, जो सूचना तंत्र और तकनीकी साधनों की सहायता से अपराधियों तक पहुंच रही है। इसी अभियान के तहत पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति सुनसान इलाके में कार में बैठकर साइबर फ्रॉड कर रहा है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम तौफिक खान बताया। उसने कबूला कि वह सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर अजनबियों से संपर्क कर फर्जीवाड़ा करता था। आरोपी व्हाट्सएप और अन्य चैटिंग एप्स के जरिए लोगों को झांसे में लेकर ऑनलाइन ठगी करता था।

करंट लगाकर की थी पत्नी की हत्या, कोर्ट के फैसले के बाद मुंह छिपाता फिरा पति

सीकर, 19 मार्च (एजेंसियां)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम संख्या-1 के न्यायाधीश महेंद्र प्रताप बेनीवाल ने दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने के मामले में अभियुक्त पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आठ साल बाद आए फैसले में 50 हजार का अर्थदंड भी लगाया है। अभियुक्त देवीसिंह को जब कोर्ट से जेल ले जाया गया तो वह मुंह छिपाकर रोता हुआ निकला। न्यायाधीश ने टिप्पणी कि है कि विवाह के पश्चात पति ही पत्नी का एक तरह से संरक्षक होता है, लेकिन अभियुक्त ने मृतका का संरक्षक होते हुए भी उसके साथ जो कृत्य किया है वह गंभीर प्रकृति का है। वहीं समाज में आए दिन दहेज की मांग के लिए प्रताड़ित करने व हत्या करने के मामले में भी वृद्धि हो रही है। परिवादी की ओर से पैरवी करने वाले अपर लोक अभियोजक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि 10 अप्रैल 2017 को शिकायतकर्ता भवानी सिंह 37 वर्ष निवासी ऊंटवालिया रतननगर चूरू ने सीकर के रानोली पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था। उन्होंने बताया था कि उनकी बहन कैलाश कंवर की शादी देवी सिंह निवासी त्रिलोकपुरा रानोली सीकर से हुई थी। बहन की शादी में उन्होंने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया था। मृतका के शादी के बाद कोई संतान नहीं हुई। शादी के बाद से ही उसका पति व ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। मृतका के साथ मारपीट की जाती थी। 10 अप्रैल 2017 की सुबह 7 बजे देवी सिंह ने मृतका के भाई को फोन कर सूचना दी कि करंट लगने से कैलाश कंवर की मौत हो गई है। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया था कि ससुराल वालों ने कैलाश की करंट लगाकर हत्या कर दी।

अनुसूचित जाति का वर्गीकरण समुदाय को और अधिक अवसर प्रदान करेगा : सीएम

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत ने कहा कि अनुसूचित जातियों (एससी) का वर्गीकरण समुदाय के लिए भविष्य में बेहतर संभावनाएं प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने समुदाय के नेताओं द्वारा अपनी कुंठाओं को प्रबंधित करने और विकास के लिए प्रत्येक अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए सावधानीपूर्वक इस स्थिति का सामना करने के महत्व पर जोर दिया। बुधवार को, एससी संगठनों के नेताओं और प्रतिनिधियों ने विधानसभा में एससी वर्गीकरण के संबंध में पारित कानून के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। बैठक के दौरान, उन्होंने टिप्पणी की कि एससी वर्गीकरण के कार्यान्वयन से समुदाय के सदस्यों को आगे बढ़ने के लिए अधिक अवसर मिलेंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में, उन्होंने समुदाय को पूर्ण समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देश के किसी भी राज्य में लागू नहीं किया गया है और तेलंगाना पहला राज्य है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अभी तक कोई भी भाजपा शासित राज्य इस फैसले को लागू नहीं कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी एससी संगठनों से अपील की है कि वे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एससी वर्गीकरण के लिए विधेयक पारित करके एससी समुदायों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आभार व्यक्त करें। "अगर राहुल गांधी का समर्थन नहीं होता तो मेरे पास एससी वर्गीकरण की लंबे समय से लंबित मांग का स्थायी समाधान खोजने की शक्ति नहीं होती।" मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मजबूत दलीलें रखीं और एससी वर्गीकरण के पक्ष में फैसला दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने बताया, "इसके अलावा, राज्य सरकार ने भविष्य में कानूनी बाधाओं से बचने के लिए एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है।

आयोग ने सरकार को 199 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट के आधार पर, अनुसूचित जातियों को आरक्षण प्रदान करने के लिए तीन समूहों में विभाजित किया गया है। अनुसूचित जाति वर्गीकरण अधिनियम किसी के खिलाफ नहीं बनाया गया था। सरकार का इरादा वर्गीकरण के माध्यम से अनुसूचित जातियों को न्याय प्रदान करना है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने उच्च शिक्षा परिषद, लोक सेवा आयोग और शिक्षा आयोग की नियुक्ति में मडिगा समुदाय को प्राथमिकता दी है और आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में समुदाय को और अधिक अवसर दिए जाएंगे।

गांधी अस्पताल में आधुनिक विकास की गवाही देती है '108' साल पुरानी सीढ़ियां

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद स्थित गांधी अस्पताल के आधुनिक परिसर में अतीत का एक ऐसा अवशेष मौजूद है जो करीब एक सदी से आधुनिक चिकित्सा के विकास का गवाह बना हुआ है। वर्तमान पीढ़ी ने भले ही इसे अनदेखा कर दिया हो, लेकिन 108 साल पुरानी धातु की सीढ़ी को सावधानीपूर्वक बनाया गया है जो आज भी लोगों को विस्मय में डाल देती है! गांधी अस्पताल के पूर्व छात्र भवन की लॉबी को सुशोभित करने वाली इस धातु की सीढ़ी की भव्यता को अनदेखा करना आसान नहीं है। एक नज़र डालने से ही आप उस समय में वापस पहुँच सकते हैं जब चिकित्सा एक पेशा के रूप में अभी भी आधुनिक वाणिज्य के बंधनों से मुक्त था।

यह विशाल धातु की सीढ़ी वही है, जो कभी सिकंदराबाद के मोंडा बाजार में पुराने गांधी अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में स्थित थी। सीढ़ी के वास्तुकार और इंजीनियर एफएमबी रोसेन्थल थे, जिन्होंने इसे 1917 में तत्कालीन किंग एडवर्ड मेमोरियल

(केईएम) अस्पताल में स्थापित किया था। केईएम अस्पताल की स्थापना 1851 में मोंडा बाजार क्षेत्र में एक अस्पताल के रूप में की गई थी और 1958 में इसका नाम बदलकर गांधी अस्पताल कर दिया गया। पुराने लोगों के अनुसार, सीढ़ियों में चार धातु के खंभों के साथ एक मैन्युअल रूप से संचालित लिफ्ट थी। 2004 में पुराने अस्पताल को मुशीराबाद में नए परिसर में स्थानांतरित करने के बाद, धातु की सीढ़ी पुराने परिसर में ही छोड़ दी गई थी।

वर्ष 2004 से 2006 के बीच, गांधी अस्पताल के पूर्व छात्र चिकित्सा शिक्षा सोसायटी के सदस्यों ने इसके अध्यक्ष डॉ. के. लिंगैया और डॉ. रंगनाथ के तत्कालीन उप-प्राचार्य के नेतृत्व में राज्य सरकार के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस प्रयास किए थे कि धातु की सीढ़ी को सुरक्षित रूप से वापस लाया जाए और गांधी अस्पताल के परिसर के भीतर मुशीराबाद पूर्व छात्र भवन में स्थापित किया जाए।

पूर्व छात्र संघ के सचिव डॉ. ए.वी. रत्नम कहते हैं कि हमने पुरानी सीढ़ियों को हटाने के लिए कई निर्माण इकाइयों से अनुरोध किया है। सभी ने हमें नई सीढ़ी बनाने की सलाह दी, लेकिन पुरानी सीढ़ी को हटाने के लिए अनिच्छुक थे। पूर्व छात्रों के वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि काफी खोजबीन के बाद सत्यानंदम द्वारा संचालित विद्या फोर्जिंग यूनिट, रामनगर नामक कंपनी इस काम को करने के लिए आगे आई। पूर्व छात्रों ने बताया कि कंपनी ने मोंडा मार्केट में पुराने अस्पताल की इमारत में एक जनरेटर खरीदा और उसे स्थापित किया। उन्होंने लगभग 6 महीने तक दिन-रात काम करके पूरी सीढ़ी को तोड़कर फिर से खड़ा किया। पुनर्निर्मित सीढ़ी को 2016 में खोल दिया गया था। डॉ. रत्नम कहते हैं कि आज भी, हम पूरी सीढ़ी को पुनर्स्थापित करने और उचित रखरखाव करने में बहुत गर्व महसूस करते हैं।

छात्र ने की आत्महत्या

परीक्षा में अच्छा न लिख पाने का मलाल

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक इंटरमीडिएट की छात्रा ने मियापुर स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली, क्योंकि वह कथित तौर पर अपनी इंटरमीडिएट की परीक्षा अच्छी तरह नहीं लिख पाने से परेशान थी। पुलिस के अनुसार, सुमा (17) आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के पट्टीकोंडा में एक छात्रावास में रह रही थी और हाल ही में उसने इंटरमीडिएट की परीक्षा दी थी। वह कुछ दिन पहले मियापुर में अपने माता-पिता के घर आई थी और तब से वह उदास दिख रही थी।

लड़की के माता-पिता ने उससे कारण पूछा तो सुमा ने बताया कि उसने परीक्षाएं अच्छी तरह नहीं लिखी हैं। हालांकि, माता-पिता ने उसे चिंता न करने को कहा। मियापुर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम को जब घर में कोई नहीं था, तो लड़की ने दुपट्टे से पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। घर लौटने पर जब माता-पिता ने उसे लटकता हुआ देखा तो वे उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

अंतरराज्यीय बाल-अपहरण रैकेट में 27 और लोगों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी में राचकोंडा पुलिस द्वारा अंतरराज्यीय बाल-अपहरण रैकेट में की गई गिरफ्तारियों के सिलसिले में बुधवार को 27 और लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में मालकपेट की पूर्व आशा कार्यकर्ता एस अमूल्य (29), नागपुर की वैशाली भीमराव वासनिक, कोठापेट के जे कार्तिक, घांसी बाजार के सज्जन अग्रवाल, अब्दुल्लापुरमेट के बी मंगैया, आसिफाबाद के बी नागराजू, नेरेडमेट के आर अशोक, मैलारदेवपल्ली के शाई इस्माइल और निज़ामपेट के एम वामशी कृष्णा शामिल हैं। अन्य सभी बच्चों के दत्तक माता-पिता हैं।

पुलिस के अनुसार, पहले गिरफ्तार की गई कृष्णावेनी और दीप्ति के

कबूलनामे के अनुसार, अमूल्या अवैध रूप से शिशुओं की खरीद-फरोख्त में सक्रिय रूप से शामिल थी। उसने 6 लड़कियों सहित लगभग 10 शिशुओं की खरीद-फरोख्त की और उनमें से पांच को अब बचा लिया गया है। शिशुओं को मुंबई, कानपुर, रायपुर, अमरावती और हैदराबाद से खरीदकर कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और गुंटूर के दम्पतियों को बेचा गया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने बताया कि गिरोह प्रत्येक बालिका को 2-3 लाख रुपये में खरीदकर 3-4 लाख रुपये में बेचता था। इसी तरह प्रत्येक बालक को 4-5 लाख रुपये में खरीदकर 5-6 लाख रुपये में बेचा जाता था। अमूल्या पहले आशा कार्यकर्ता के तौर पर काम करती थी और इस्माइल नामक एक मध्यस्थ के संपर्क में आई जो मलकपेट के एरिया अस्पताल में सुपरवाइजर के तौर पर काम करता था। उसने उसे आसानी से पैसे कमाने का झांसा दिया और उसे निःसंतान माता-पिता की पहचान करने को कहा और उनकी ज़रूरत के हिसाब से बच्चों को बेच दिया। सुधीर बाबू ने बताया कि दीप्ति और सोशल मीडिया के ज़रिए अमूल्या ने दूसरे राज्यों के बच्चों को बेचने वालों से संपर्क किया। अमूल्या ने अकेले 8 बच्चे खरीदे और बेचे, जबकि दीप्ति के साथ मिलकर उसने 10 बच्चे खरीदे और बेचे। अवैध रूप से खरीदे और बेचे गए शिशुओं को बचाने के लिए विशेष टीमें गठित की गईं।

साइबर जालसाजों ने घर से अंशकालिक काम के बहाने एक व्यक्ति को ठगा

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक 43 वर्षीय व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने घर से अंशकालिक काम का वादा करके 2.5 लाख रुपये की ठगी कर ली। जनवरी 2025 में, पीड़ित से व्हाट्सएप के ज़रिए एक धोखेबाज़ ने संपर्क किया जिसने पार्ट-टाइम वर्क-फ्रॉम-होम जॉब की पेशकश की। इस जॉब के लिए पीड़ित को रेस्तराओं पर गूगल समीक्षा और फ़ीडबैक देना था, जिसके लिए उन्हें शुरुआत में कुछ भुगतान मिले। पीड़ित का भरोसा जीतने के बाद जालसाजों ने उन्हें निवेश का मौका दिया और ऊंचे रिटर्न का वादा किया। इसके बाद पीड़ित को टेलीग्राम पर एक व्यक्ति से संपर्क करने को कहा गया, जिसने नौकरी की जानकारी और भुगतान प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।

साइबर क्राइम अधिकारियों ने बताया कि बाद में, टेलीग्राम आईडी का इस्तेमाल करते हुए एक अन्य स्कैमर ने पीड़ित को ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने के लिए निर्देशित किया और उसे एक ऐसे ग्रुप में भी जोड़ा गया, जहां कई अन्य पीड़ित मौजूद थे। झूठे वादों और दबाव में आकर पीड़ित ने कुल 1.5 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। पीड़िता की शिकायत के आधार पर हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फसल की सुरक्षा के लिए किसान ने कुएं में भरा टैंकर का पानी

करीमनगर, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यह एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे किसान अपनी खड़ी फसलों को बचाने के लिए परेशानियों का सामना कर रहे हैं। किसानों के लिए मोटर की मदद से कृषि कुओं से पानी खींचकर खेतों की सिंचाई करना एक नियमित अभ्यास है। इसके बजाय, रैयत टैंकरों में भरकर पानी से कृषि कुओं को भर रहे हैं और बाद में खेतों की सिंचाई के लिए उससे पानी खींच रहे हैं।

जिले में अब ऐसे ही विचित्र दृश्य देखने को मिल रहे हैं। कुओं पर निर्भर होकर फसल बोने वाले किसानों को खड़ी फसलों को पानी देने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण कृषि कुएं सूख रहे हैं। कुछ किसान इस समस्या से निपटने के लिए गाद हटाने के साथ-साथ कुओं को दो से तीन फीट गहरा करने का विकल्प चुन रहे हैं, वहीं छोटे किसान फसलों से उम्मीद खो रहे हैं। बदलाव के लिए, एक किसान बच्चू मल्लैया कुएं में पानी डाल रहे हैं और बाद में उसे खींचकर फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। चूंकि कुआं सूख गया था, इसलिए मल्लैया फसलों को सूखने से बचाने के लिए यह तरीका अपना रहे थे।

गंगाधर मनल के थाडीजेरी के मूल निवासी मल्लैया ने कृषि कुओं पर निर्भर रहने के बाद तीन एकड़ में धान बोया। हालांकि उनके पास आठ एकड़ जमीन है, लेकिन पानी की कमी के कारण उन्होंने केवल तीन एकड़ में ही धान बोया लेकिन कुआं सूख चुका था और फसल को बचाने के लिए उन्होंने टैंकर की मदद से पानी भरने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने अपने खेतों से दो किलोमीटर दूर एक और कृषि कुआं किराए पर लिया और टैंकर की मदद से पानी पहुंचाना शुरू किया।

मलैया ने कहा कि चूंकि फसल बहुत नाजुक अवस्था में थी, इसलिए वह एक टैंकर की मदद से दूसरे कुएं से पानी लाकर अपने कुएं में डाल रहे थे। बाद में, इसे खींचकर फसल में डाल रहे थे। पिछले सात दिनों से हर दिन 10 से 12 चक्कर टैंकर से पानी कुएं में भरा जा रहा था। हालांकि उनके पास ट्रैक्टर है, लेकिन उन्होंने एक कुआं और टैंकर किराए पर लिया है।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

महबूबनगर, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर कोडंडापुरम गांव के पास एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दो मोटरसाइकिल सवारों की मौत हो गई। मोटरसाइकिल सवार, बशा और एलीशा, दोनों जल्लापुरम गांव के निवासी थे और हैदराबाद जा रहे थे। कार जो कुरनूल से हैदराबाद जा रही थी, ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में भेज दिया गया है। जांच जारी है।

हिट एंड रन दुर्घटना में युवक की मौत

नरसापुर, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात रेड्डीपल्ली क्रॉस रोड के पास एक हिट एंड रन दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जी महेश रेड्डीपल्ली में अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे और सड़क पार कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जांच जारी है।

सड़क दुर्घटना में आईटीआई छात्र की मौत

कोत्तागुडेम, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बर्गमपद मंडल के रामाराम में बुधवार को सड़क दुर्घटना में एक आईटीआई छात्र की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मृतक चैतन्य कृष्णा सागर आईटीआई में प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। यह हादसा तब हुआ जब मृतक जिस मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहा था, उसे एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। बर्गमपाड़ के एसआई राजेश घटनास्थल पर पहुंचे, घायलों को भद्राचलम के सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया और घटना की जांच शुरू की।

काव्या पीजी परिणामों में तेलंगाना की टॉपर

सिरपुर कागजनगर, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे के सर सिल्क कॉलोनी निवासी सामंतुला श्रीनिवास और रानी की दूसरी बेटी सामंतुला काव्या, एमडी एनेस्थीसिया में 622 अंक प्राप्त कर इस वर्ष जारी पीजी परीक्षा परिणामों में तेलंगाना की टॉपर बनीं। उन्होंने गांधी मेडिकल कॉलेज से पीजी की पढ़ाई पूरी की। इस बीच, उनकी पहली बेटी नव्या को तत्कालीन मंत्री हरीश राव के माध्यम से सिंचाई विभाग में सरकारी पद प्राप्त हुआ। उनके पिता श्रीनिवास आरटीसी में काम करते हैं, जबकि उनकी मां रानी गृहिणी हैं। कॉलोनी निवासियों और दोस्तों ने काव्या को तेलंगाना टॉपर बनने पर बधाई दी।

परीक्षा केंद्रों पर पुलिस की कड़ी

आसिफाबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने आज एक बयान में कहा कि कोमुरम भीम आसिफाबाद जिले में होने वाली कक्षा 10 की परीक्षाओं के मद्देनजर 21 मार्च से 4 अप्रैल तक परीक्षा केंद्रों पर बीएनएसएस अधिनियम (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) की धारा 163 लागू की जाएगी। जिले भर में 6,779 विद्यार्थियों के लिए 36 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली दसवीं कक्षा की परीक्षाओं के दौरान यह सलाह दी गई कि पांच से अधिक लोगों का समूह परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में नहीं होना चाहिए।

इसी प्रकार, यह भी कहा गया कि कोई भी सभा, बैठक, रैली, आंदोलन, धरना या अभियान माइक्रोफोन या डीजे के साथ आयोजित नहीं किया जाना चाहिए। परीक्षा के दौरान आसपास के इंटरनेट केंद्र, ज़ेरॉक्स दुकानें और स्टेशनरी की दुकानें बंद रखी जाएं। इस संदर्भ में समाज के विभिन्न वर्गों, राजनीतिक दलों और विभिन्न संगठनों के नेताओं को पुलिस के साथ सहयोग करने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्रों के आसपास के इलाकों में पुलिस गश्ती दल तैनात किये गये हैं। उन्होंने कहा कि निगरानी नियुक्त करने तथा सूचना एकत्र करने के लिए कदम उठाए गए हैं ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गुसाडी परंपरा को गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिलना गर्व की बात है:- जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि स्थानीय एवं आदिवासी परंपरा गुसाड़ी में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करना तथा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान पाना गौरव की बात है। आदिम जाति कल्याण विभाग की ओर से जिले के तिरयानी मंडल के दांतनपल्ली गांव के भीमैया कोलम गुस्साडी समूह के लिए जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टर भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समग्र आदिवासी विकास संगठन-उटनूर की परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड, आदिवासी कल्याण विभाग की अधिकारी रमा देवी सहित आदिवासी संगठनों के नेता मौजूद थे। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि दंतन पल्ली गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में देश भर से आए

5000 कलाकारों के साथ भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित जयति जयमा भारत गुस्साडी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि उन्हें कोलम गुसाडी टीम के प्रदर्शन के साथ एक रिकार्ड स्थापित करने और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान पाने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि जनजातीय रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक परंपराओं को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कामना की कि आदिवासी युवा संस्कृति, शिक्षा और खेल सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करें। इसके बाद गुसाडी टीम के सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारी और आदिवासी संघ के नेता सिदाम आरजू, आत्राम गंगाराम, माड़वी भीम राव, कुरसिंगा मूथीराम, आत्राम संतोष, चहकती दसारा आदि शामिल हुए।

21 मार्च से यहां संकीर्तन भवन में गौ कृपा कथाओं पर चर्चा

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गाय एक सार्वभौमिक माता है, ऐसा कहना है आईएएस उम्मीदवार से गौ प्रेमी और प्रचारक बनीं श्रद्धेय गोपाल सरस्वतीजी दीदीजी का, जो भारत के सबसे पवित्र पशु गाय के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए पूरे भारत में यात्रा कर रही हैं। वे यहां गौ कृपा कथा के सिलसिले में आई थीं, जो पांच दिवसीय आध्यात्मिक वार्ता और कहानी सुनाने का कार्यक्रम है, जो गौ माता के बारे में हमारे प्राचीन शास्त्रों से तथ्यों का एक दुर्लभ संग्रह है। हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित रोड नंबर 12 स्थित हरे कृष्ण स्वर्ण मंदिर (संकीर्तन भवन) में उनके द्वारा 'गौ कथा' सजाई जा रही है। मध्य प्रदेश के इंदौर की 29 वर्षीय साध्वी स्वयंसेवी आध्यात्मिक और धर्मार्थ एनजीओ ध्यान फाउंडेशन (डीएफ) के निमंत्रण पर शहर के छह दिवसीय दौरे पर अपनी पहली यात्रा पर हैं।

उन्होंने शमशाबाद के गोलुरु रोड स्थित पेद्दाशापुर में ध्यान फाउंडेशन द्वारा पिछले पांच वर्षों से संचालित की जा रही गौशाला का दौरा किया, जिसमें 3000 से अधिक बचाए गए, परित्यक्त, बीमार गायों का घर है। गौशाला में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के भारत पर आक्रमण करने से पहले भारत में 80 करोड़ गायें थीं।

अब गौवंश की आबादी घटकर नौ करोड़ रह गई है। इसी तरह गौ कथा हुआ करती थी, जो पवित्र गाय के संरक्षण की एक प्राचीन परंपरा और संस्कृति थी। लेकिन अंग्रेजों के भारत पर आक्रमण करने के बाद से वह लुप्त हो गई। पवित्र गाय के संरक्षण की प्राचीन भारतीय परंपरा और संस्कृति को पुनर्जीवित करने के प्रयास में, "गौ कथा' ध्यान फाउंडेशन बड़े उत्साह और जोश के साथ हरे कृष्ण स्वर्ण मंदिर में 21 मार्च तक शाम 4 से 7 बजे के बीच पांच दिवसीय व्याख्यान का आयोजन कर रहा है।

मृतक मतदाताओं का नाम मतदान सूची से हटाया जाए, अतिरिक्त कलेक्टर

मदनूर, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को स्थानीय तहसीलदार कार्यालय मदनूर में चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता पंजीकरण अधिकारी और कामारेड्डी जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) डी. श्रीनिवास रेड्डी ने इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, मतदाताओं का पंजीकरण, परिवर्तन, परिवर्धन और विलोपन त्रुटियों के बिना सुचारू रूप से कार्य किया जाना चाहिए। मतदाताओं के लिए सरकारी मशीनरी के अलावा, राजनीतिक दलों ने भी लोगों को मतदाता पंजीकरण, परिवर्तन, परिवर्धन, विलोपन और आधार संख्या और फोन नंबर को पहचान पत्र से जोड़ने के बारे में शिक्षित करने के लिए कदम उठाने को कहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हार्दिक पंड्या होंगे बाहर, मुंबई इंडियंस के पहले मैच के लिए नए कप्तान सूर्यकुमार यादव का हुआ ऐलान

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के अभियान का आगाज 23 मार्च को होगा. उसे पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलना है. मगर इस मुकाबले से हार्दिक पंड्या बाहर रहेंगे. हार्दिक पंड्या को मुंबई इंडियंस ने कप्तान बनाया है. लेकिन, जब वो ही नए सीजन के पहले मुकाबले से बाहर होंगे तो बड़ा सवाल ये है कि उनकी जगह लेगा कौन? कौन उनकी जगह टीम की कमान संभालेगा? हार्दिक पंड्या ने खुद प्रेस कॉन्फ्रेंस में आकर इस बड़े सवाल का जवाब दिया है. उन्होंने उस खिलाड़ी के नाम का खुलासा किया है, जो आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के पहले मैच में कप्तानी करेगा.

हार्दिक पंड्या क्यों नहीं खेलेंगे पहला मैच?

हार्दिक पंड्या को पिछले सीजन में 3 बार बतौर कप्तान एक ही गलती दोहराने की सजा मिली है. आईपीएल 2024 में उन्हें 3 बार स्लो ओवर रेट का दोषी पाया गया था, जिसके बाद आईपीएल के नियमों के तहत उन पर एक मैच का बैन लगा दिया गया. चूंकि वो तीसरी बार स्लो ओवर रेट के दोषी पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के खेले आखिरी मुकाबले में पाए गए थे, तो बैन इस बार लगेगा. और, यही वजह है कि वो आईपीएल 2025 के पहले मैच से बाहर रहेंगे.

मैं नहीं तो सूर्यकुमार यादव होंगे कप्तान- हार्दिक पंड्या

हार्दिक पंड्या ने माहेला जयवर्धने के साथ मुंबई में किए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नए कप्तान को लेकर खुलासा किया. उन्होंने कहा कि अगर मैं नहीं रहूंगा तो सूर्यकुमार यादव पहले मैच में बागडोर संभाल सकते हैं.

प्रेस कॉन्फ्रेंस में हार्दिक से कप्तानी से जुड़े चैलेंज को लेकर भी बात हुई. उनसे पूछा गया कि आपने पहले भी कई टीमों की कप्तानी की, उनके मुकाबले मुंबई इंडियंस की कप्तानी करना ज्यादा बड़ा चैलेंज हैं. इस पर हार्दिक ने कहा कि ऐसा नहीं है. हां पर मुंबई की एक लेगेसी है, जिसे संभाले रखना बड़ी चुनौती है.

मुंबई इंडियंस, आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम है. उसने सबसे ज्यादा बार खिताब पर कब्जा किया है. मगर हार्दिक पंड्या की कप्तानी में अभी ऐसा करना बाकी है. हार्दिक के नाम बतौर कप्तान बेशक एक आईपीएल खिताब है, मगर वो उन्होंने गुजरात टाइटंस के साथ जीता था.

आईपीएल 2025 की ओपनिंग सेरेमनी होगी बेहद खास
बीसीसीआई ने फैंस के लिए लिया ये बड़ा फैसला

कोलकाता, 19 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच के साथ होगी. इस ओपनिंग मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लिया है. दरअसल, इस बार टूर्नामेंट का 18वां साल है. बोर्ड इस उपलब्धि को सेलिब्रेट करने के साथ-साथ फैंस के लिए भी खास बनाना चाहता है. इसलिए उसने सभी 13 वेन्यू पर ओपनिंग सेरेमनी कराने का फैसला किया है. सिर्फ कोलकाता ही नहीं, बल्कि हर वेन्यू के मैच से पहले एक ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी. इस दौरान कई कलाकार फैंस के सामने प्रदर्शन करके धूम मचाएंगे.

सेरेमनी

कोलकाता में 30 मिनट की

स्पोर्टस्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली ओपनिंग सेरेमनी 22 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी. इस दौरान बॉलीवुड सुपरस्टार और संगीत जगत की मशहूर हस्तियां 30 मिनट के इवेंट में परफॉर्म करेंगी. इसी तरह का सेलिब्रेशन पूरे सीजन के दौरान जारी रहेगा. बीसीसीआई ने हर वेन्यू के पहले मैच की शुरुआत पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम कराने का फैसला किया है, जिसमें कई मशहूर कलाकार शामिल होंगे.

ये कलाकार करेंगे परफॉर्म

सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई इस बार टूर्नामेंट में और फ्लेवर लाना चाहती थी, ताकि हर जगह के दर्शक ओपनिंग समारोह का लुत्फ उठा सकें. इसलिए हर जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय कलाकारों की एक लाइन-अप बनाने की प्लानिंग चल रही है. मौजूदा जानकारी के मुताबिक, बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल और बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी 22 मार्च को कोलकाता में उद्घाटन समारोह के दौरान परफॉर्म करेंगी. इस दौरान आईसीसी के चेयरमैन और पूर्व बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह भी मौजूद रहेंगे.

फाइनल स्टेज पर बातचीत

रिपोर्ट के अनुसार, कोलकाता के अलावा दूसरी 12 जगहों पर इवेंट के लिए कुछ प्रसिद्ध कलाकारों के साथ बोर्ड की बातचीत लगभग अंतिम स्टेज में है. सूत्र ने कहा, 'विचार यह है कि सभी इवेंट के लिए बॉलीवुड कलाकारों का एक अलग समूह प्रदर्शन करे और इनिंग के बीच सीमित समय के साथ, इन कार्यक्रमों के लिए दो से तीन कलाकारों को शामिल किया जा सकता है. इसके लिए 19 मार्च तक कलाकारों और मशहूर हस्तियों की लिस्ट तैयार कर ली जाएगी.' सूत्र ने आगे कहा, 'यह पहली बार इतने बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए कुछ लॉजिस्टिक समस्याएं आ रही हैं. इसके लिए बीसीसीआई और स्टेट एसोसिएशन मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मैचों में रुकावट आए बिना कार्यक्रम ठीक से पूरा हो सके.'

डीविलियर्स की आरसीबी कप्तान को सलाह
कहा- कोहली के अनुभव का फायदा उठाएं रजत पाटीदार

बेंगलुरु, 19 मार्च (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के 18वें सीजन के लिए बैटर रजत पाटीदार को टीम की कप्तानी सौंपी है। साउथ अफ्रीका के पूर्व स्टार खिलाड़ी एबी डीविलियर्स ने उम्मीद जताई कि पाटीदार अपना खुद का नेतृत्व करने का तरीका विकसित करेंगे और विराट कोहली या फाफ डु प्लेसिस की नकल करने की कोशिश नहीं करेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाएगा। डीविलियर्स 2011 से 2021 तक आरसीबी टीम का हिस्सा रहे। लीग के शुरू होने से पहले डीविलियर्स ने जियोस्टार प्रेस रूम में दैनिक भास्कर के सवाल पर कहा, 'पाटीदार के लिए सबसे बड़ी चुनौती आत्म-संदेह होगी, क्योंकि वह फाफ और विराट जैसे दिग्गज कप्तानों की विरासत को आगे लेकर जाने वाले हैं। मुझे उम्मीद जताई है कि पाटीदार अपना खुद का नेतृत्व करने का तरीका विकसित करेंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'विराट के लगातार आसपास होने से उन पर एक दबाव भी बन सकता है। वे यह महसूस कर सकते हैं कि मैं सही कर रहा हूं? इस परिस्थिति में विराट क्या करते? यह उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्हें विराट और एंडी फ्लावर के अनुभव का फायदा उठाना चाहिए, लेकिन आप हमेशा इस सच पर टिके रहें कि आप खुद क्या हैं।'

इस सीजन आरसीबी की कप्तानी करेंगे रजत पाटीदार

रजत पाटीदार आरसीबी के नए कप्तान बनाए गए हैं। 31 साल के पाटीदार फाफ डु प्लेसिस की जगह लेंगे। डु प्लेसिस ने 2022 से 2024 के सीजन में आरसीबी की कप्तानी की थी, लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें 2025 के लिए रिटेन नहीं किया था। रजत 2021 से टीम के साथ हैं। फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा ऑक्शन-2024 से पहले रिटेन किया था।

रजत पाटीदार ने अब तक आईपीएल में कुल 27 ही मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 799 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर 112 रन है। IPL 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले आरसीबी की टीम ने पाटीदार को 11 करोड़ में रिटेन किया था। एबी साउथ अफ्रीका के कप्तान भी रह चुके हैं। उन्होंने 114 टेस्ट मैचों में 50.66 की औसत से 8765 रन बनाए हैं, जिसमें 22 शतक और 46 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट में उनका बेस्ट स्कोर 278 है। उन्होंने 228 वनडे में 9,577 रन बनाए हैं। वनडे में उनके नाम 25 शतक और 53 अर्धशतक शामिल हैं। टी-20 में डिविलियर्स ने अपने देश के लिए 78 मैच खेले हैं और 1672 रन बनाए हैं।

50 चौके और 22 छक्के जड़ रचा इतिहास
मुस्तकीम ने 404 रन की पारी खेलकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 19 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट में आए दिन रिकॉर्ड बनते और टूटते हैं। कुछ रिकॉर्ड ऐसे हैं जो सालों साल तक नहीं टूट पाते हैं। क्रिकेट में आपने कई खिलाड़ियों को 200 और 300 रन बनाते हुए देखा होगा, वहीं आज हम आपको एक ऐसे युवा खिलाड़ी के बारे में जानकारी देने वाले हैं। जिसने 400 रन की पारी खेलकर क्रिकेट में एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। मुस्तकीम हौलादार ने स्कूल क्रिकेट में ये इतिहास रचा है। जिसमें मुस्तकीम ने बल्लेबाजी करते हुए 404 रन की नाबाद पारी खेली।

इस दौरान उनके बल्ले से 50 चौके और 22 छक्के निकले थे। जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 237.64 का रहा था। मुस्तकीम ने ये बड़ा कारनामा ढाका यूनिवर्सिटी के सेंट्रल ग्राउंड पर किया है। इस मैच में मुस्तकीम ने परवेज के साथ मिलकर 699 रन की साझेदारी की थी। परवेज ने भी इस मैच में 256 रन की पारी खेली थी। जिसके चलते इस मैच में कैमब्रियन स्कूल एंड कॉलेज ने 2 विकेट खोकर 770 रन बनाए थे।

'भारत में 30 की उम्र पार करना अपराध'
4 साल बाद आईपीएल में वापसी कर सचिन बेबी का छलका दर्द

हैदराबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारत में हर फील्ड में कड़ी प्रतिस्पर्धा है। खासकर क्रिकेट में, जहां हर दूसरा या तीसरा व्यक्ति क्रिकेट का दीवाना है। भारत में अब कुछ दिनों बाद आईपीएल का आगाज होने जा रहा है। इस लीग को भारत में एक क्रिकेट टूर्नामेंट के रूप में नहीं देखा जाता है, बल्कि ये एक त्योहार है। आईपीएल 2025 कई मायनों में खास है। इस सीजन कई खिलाड़ी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। इन्हीं में एक नाम सचिन बेबी का है। लंबे समय बाद आईपीएल में वापसी करने वाले सचिन का दर्द सीजन से पहले छलका है।

सचिन बेबी का छलका दर्द

सचिन बेबी आईपीएल में 4 साल बाद वापसी कर रहे हैं। वह

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से भाग लेंगे। सचिन का मानना है कि भारत में 30 की उम्र पार करना अपराध की तरह देखा जाता है। क्योंकि 30 की उम्र पार होते ही खिलाड़ियों को अलग निगाह से देखा जाता है। टाइम्स ऑफ इंडिया से हुई बातचीत में सचिन ने कहा कि अगर आप फुटबॉल को देखें, तो हम क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी को दिग्गज फुटबॉलर नहीं कहते। इसकी बजाय, उन्हें प्रेरणा के स्रोत के रूप में देखा जाता है। हालांकि, भारत में, खिलाड़ियों को बहुत आसानी से दिग्गज करार दे दिया जाता है। मुझे अपनी उम्र बताने में शर्म आती थी। अगर मैं 34 साल का होता तो मैं 33 साल की उम्र बताता। लेकिन जब मैंने देखा कि एमएस धोनी और 45 वर्षीय भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना खुद को कैसे पेश करते हैं, तो यह बदल गया।

घरेलू टूर्नामेंट में रनों का अंबार

केरल की ओर से भाग लेते हुए सचिन बेबी ने इस सीजन रनों का अंबार लगाया है। वह रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए दिखे थे। रणजी ट्रॉफी 2024-25 में केरल की ओर से कप्तानी करते हुए 36 साल के बेबी ने अपनी टीम को फाइनल तक का सफर तय कराया। ये पहला मौका था जब रणजी के इतिहास में केरल ने पहली बार जगह बनाई थी। फाइनल में विदर्भ के खिलाफ सचिन ने 98 रनों की शानदार पारी खेली थी। हालांकि वह अपनी टीम को चैंपियन नहीं बना सके।

मुक्केबाजी महासंघ में घमासान, सचिव-कोषाध्यक्ष निलंबित
चुनाव से पहले वित्तीय अनियमितताओं पर भी कार्रवाई

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) में चुनाव से पहले घमासान चरम पर पहुंच गया है। बीएफआई ने महासचिव हेमंत कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में निलंबित कर दिया। साथ ही 28 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए कलिता के अध्यक्ष पद पर नामांकन को भी रद्द कर दिया। बीएफआई ने दोनों का निलंबन दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज सुधीर कुमार जैन की जांच रिपोर्ट के आधार पर किया है। जैन को बीएफआई ने ही महासंघ में वित्तीय अनियमितताओं की जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी।

अध्यक्ष पद पर अब त्रिकोणीय मुकाबला

कलिता का नामांकन रद्द होने से अध्यक्ष पद पर मुकाबला अजय सिंह, राजेश भंडारी और डी चंद्रलाल के बीच रह गया है। खेल संहिता के अनुसार अध्यक्ष चार साल के तीन लगातार कार्यकाल पूरे कर सकता है, जबकि महासचिव और कोषाध्यक्ष चार-चार वर्ष के दो कार्यकाल पूरे करने के बाद चार वर्ष के कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाएंगे। इसके बाद वे चार साल के एक कार्यकाल के लिए फिर से चुनाव लड़ने के योग्य होंगे। कर्नाटक के एन सतीश का नामांकन भी महासचिव पद पर रद्द किया गया है।

जांच रिपोर्ट खेल मंत्रालय को भेजी

बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह की ओर से जारी पत्र में कहा गया, जस्टिस जैन ने अपनी जांच में दोनों पदाधिकारियों को वित्तीय अनियमितताओं और कुप्रबंधन का दोषी पाया है। महासंघ में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए दोनों को उनके पदों से निलंबित किया जाता है। जस्टिस जैन की जांच रिपोर्ट खेल मंत्रालय को भी भेजी गई है। कलिता का नामांकन खेल संहिता के उल्लंघन पर रद्द किया गया है। जिसमें कहा गया है कि उनके बीएफआई में दो कार्यकाल पूरे हो गए हैं। उन्हें कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाना जरूरी है।

कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 : स्कॉटलैंड ने रोका भारत की जीत का सिलसिला, ऐसा रहा मैच का हाल

लंदन, 19 मार्च (एजेंसियां)। कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 इंग्लैंड में खेला जा रहा है। भारत ने इस टूर्नामेंट में जीत के साथ धमाकेदार शुरुआत की थी। हालांकि दूसरे मैच में भारत की जीत का सिलसिला थम गया। जहां पहले मैच में भारत ने इटली को हराया था तो वहीं दूसरे मैच में भारतीय टीम को स्कॉटलैंड से कड़ी टक्कर मिली। स्कॉटलैंड ने भारतीय टीम के विजय अभियान को रोक दिया है। भारत और स्कॉटलैंड का मैच ड्रॉ पर खत्म रहा।

64-64 पर ड्रॉ हुआ मैच

वॉल्वरहैम्पटन में भारत और स्कॉटलैंड के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इस मैच में भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की थी और कुछ मिनटों तक स्कॉटलैंड पर बढ़त बनाई रखी थी। भारत ने स्कॉटलैंड को शुरू में ही ऑल-आउट करके 12-8 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद स्कॉटलैंड ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 22-22 कर दिया था।

दूसरे हाफ में हुई कड़ी टक्कर

दूसरे हाफ में भारत और स्कॉटलैंड के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। भारत ने पहले 39-40 के स्कोर पर बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों की शानदार रेडिंग और जबरदस्त सुपर टैकल ने उनकी मैच में वापसी कराई। जिसके चलते स्कोर 44-44 पर आ गया था।

दोनों टीमों ने आखिर तक नहीं मानी हार

स्कॉटलैंड ने कुछ देर तक भारत पर बढ़त बना ली थी और स्कोर 53-48 हो गया था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया और टीम की मैच में वापसी कराई। दोनों टीमों ने हार नहीं मानी और मैच रोमांचक 64-64 से बराबरी पर समाप्त हुआ। फिलहाल टीम इंडिया ग्रुप-बी की पॉइंट्स टेबल में पहले पायदान पर बनी हुई है। भारत का अगला मुकाबला अब हांगकांग के साथ होगा।

भारत का बांग्लादेश से मुकाबला 25 मार्च को
सुनील छेत्री पर रहेंगी सभी की निगाहें

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सभी की निगाहें संन्यास से वापसी करने वाले स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री पर टिकी रहेंगी। भारत एशिया कप क्वालिफायर में अपना पहला मैच 25 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा और 40 वर्षीय छेत्री ने इस प्रतियोगिता में भारत को सफलता दिलाने के लिए ही इस महीने के शुरू में संन्यास से वापसी करने की घोषणा की थी।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की घोषणा के बाद यह भारत के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर छेत्री का भी पहला मैच होगा।

भारत के मुख्य कोच मानोलो मार्केज ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, यह पहला अवसर है जबकि हम यहां खेल रहे हैं, लेकिन मैंने यहां के कई कोचों और खिलाड़ियों के साथ काम किया है। मुझे पता था कि यह बहुत अच्छी जगह है। मुझे याद है जब मैंने पिछले साल शिलांग में डूरंड कप देखा था, तो मैंने कहा था, वाह, मैदान, भीड़, माहौल, सब कुछ अच्छा है। मैं मजाक नहीं कर रहा हूं, मैंने कहा था कि यह बहुत अच्छा होगा अगर एक दिन राष्ट्रीय टीम यहां खेल सके।

डिफेंडर मेहताब सिंह ने कहा, हमें शिलांग में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह पहली बार है कि हमारी राष्ट्रीय टीम यहां खेलेगी। उत्तर-पूर्व अपने फुटबॉल प्रशंसकों के लिए जाना जाता है। फुटबॉल यहां का सबसे बड़ा खेल है। फुटबॉल को विभिन्न क्षेत्रों में ले जाना भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत अच्छी बात है।

भारत इस मैच में बड़ी जीत हासिल करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा लेकिन उसे मालदीव को किसी भी तरह से कम करके नहीं आंकना होगा। भारतीय टीम को इस मैच से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच से पहले यह पता करने का मौका मिलेगा कि उसे किन क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है।

कूकाबूरा बॉल से खेला जाता है आईपीएल
कीमत लगभग 18000 रुपये

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल का मतलब चमक-दमक वाली क्रिकेट तो है ही. लेकिन, उसके अलावा इसमें है क्रिकेट फैंस के लिए ढेर सारा रोमांच और मजा भी है. अब वो रोमांच और मजा आएगा कहां से, तो उसका जवाब है मैदान पर होने वाली रनों की बौछार. IPL में गेंदबाजों से ज्यादा बल्लेबाजों की तूती है. और, वो इसलिए है क्योंकि यहां जो गेंद इस्तेमाल होती है, वो अगर सही से बल्ले पर आ जाती है तो फिर उसका ठीकाना बाउंड्री के पार ही होता है. अब सवाल ये है कि आईपीएल में ऐसी कौन सी बॉल इस्तेमाल होती है? और, सबसे बड़ी बात की उसकी कीमत क्या है?

आईपीएल में इस्तेमाल में लाई जाने वाली गेंद से जुड़े दोनों सवाल अपने आप में दिलचस्प हैं. गेंद और उसकी कीमत के बारे में जानने की बेचैनी हर क्रिकेट फैंस को रहती ही है? तो आइए इन दोनों सवालों के जवाब से हम आपको रूबरू कराते हैं.

आईपीएल में जो गेंद इस्तेमाल में लाई जाती है, वो कूकाबूरा की होती है. गेंद का रंग सफेद होता है. इस बॉल का इस्तेमाल सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि आईसीसी टूर्नामेंट से लेकर किसी भी बाइलेटरल सीरीज में भी होता है? दुनिया में कहीं भी व्हाइट बॉल क्रिकेट होती है तो कूकाबूरा बॉल ही इस्तेमाल होती है? तो ऐसा क्या खास है इस बॉल में? इस सवाल का जवाब जानने के लिए आपको कूकाबूरा बॉल का इतिहास समझना होगा. इसकी शुरुआत 1970 के दशक से होती है. यानी जब वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट की शुरुआत हुई और डे-नाइट मैच का कॉन्सेप्ट आया तो पहली बार कूकाबूरा ने ही व्हाइट बॉल बनाई.

क्या है कूकाबूरा गेंद की खासियत?

अब सवाल है कि इस बॉल में ऐसा क्या खास है? तो वो है इस बॉल की लेदर क्वालिटी, जिसके चलते इस गेंद को लंबी दूरी ट्रेवल करने में मदद मिलती है. यही वजह है कि आप आईपीएल में लंबे-लंबे छक्के पड़ते देखते हैं. इस गेंद की मेकिंग पर जाएं तो इसकी सीम बहुत ज्यादा बाहर निकली नहीं है. गेंद की सीम के अंदर की दो लेयर ही बस हाथों से सिली होती है. बाकी सारी सिलाई गेंद में मशीन से की जाती हैं.

भट्टी ने 2025-26 के लिए 3,04,965 करोड़ रुपये का बजट पेश किया

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपना बजट पेश किया, जिसकी कुल अनुमानित राशि 3,04,965 करोड़ रुपये है। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने राज्य विधानसभा के एक सत्र के दौरान बजट पेश किया। इस बजट में 2,26,982 करोड़ रुपये का राजस्व व्यय और 36,504 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय शामिल है। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार विकास, कल्याण और प्रभावी शासन के लिए समर्पित है, जिसका लक्ष्य तेलंगाना मॉडल को पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाना है। "हमारी सरकार तेलंगाना के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, "तेलंगाना राइजिंग 2050" विजन के साथ, हम सतत प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को आकार दे रहे हैं। अगले दशक के लिए हमारा रणनीतिक रोडमैप मौजूदा $200 बिलियन राज्य अर्थव्यवस्था को पांच गुना बढ़ाकर एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की कल्पना करता है।," उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास में तेलंगाना को अग्रणी बनाने के लिए, राज्य सरकार ने "मेगा मास्टर प्लान 2050" तैयार किया है। "अपनी पहल के हिस्से के रूप में, राज्य सरकार सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है, जो राज्य को हरित और अधिक ऊर्जा-कुशल भविष्य की ओर ले जा रही है।" उन्होंने कहा कि तेलंगाना की अर्थव्यवस्था स्थिर विकास हासिल करना जारी रखती है, जो वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में तेजी से बदलावों को प्रभावी ढंग से नेविगेट करती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, मौजूदा कीमतों पर तेलंगाना का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 16,12,5%9 करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करता है। इसी अवधि के दौरान, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 3,31,03,215 करोड़ रुपये था, भट्टी विक्रमार्क ने खुलासा किया। "वित्त वर्ष 2024-25 में, मौजूदा कीमतों पर, तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 9.6 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 3,79,751 रुपये है। इसकी तुलना में, भारत की प्रति व्यक्ति आय 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 2,05,579 रुपये है। स्पष्ट रूप से तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 1.8 गुना अधिक यानी 1,74,172 रुपये है, जो राज्य की मजबूत आर्थिक प्रगति को दर्शाती है।"

तेलंगाना राज्य में विभागवार बजट आवंटन पर एक नज़र डालें

पंचायत राज विभाग - 31,605 करोड़ रुपये; कृषि विभाग - 24,439 करोड़ रुपये; शिक्षा विभाग - 23,108 करोड़ रुपये; ऊर्जा विभाग - 21,221 करोड़ रुपये; महिला एवं बाल कल्याण विभाग - 2,862 करोड़ रुपये; पशुपालन विभाग - 1,674 करोड़ रुपये; नागरिक आपूर्ति विभाग - 5,734 करोड़ रुपये; उद्योग विभाग- 3,527 करोड़ रुपये; सड़क एवं भवन विभाग: 5,907 करोड़ रुपये; नगर प्रशासन एवं शहरी विकास - 17,677 करोड़ रुपये; शिक्षा विभाग - 23,108 करोड़ रुपये; चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग - 12,393 करोड़ रुपये; सिंचाई विभाग - 23,373 करोड़ रुपये; उद्योग विभाग - 3,527 करोड़ रुपये; पर्यटन विभाग - 775 करोड़ रुपये; गृह विभाग - 10,188 करोड़ रुपये; बंदोबस्ती विभाग - 190 करोड़ रुपये; सूचना प्रौद्योगिकी विभाग - 774 करोड़ रुपये; वन एवं बंदोबस्ती विभाग - 1,023 करोड़ रुपये कल्याण-योजना के अनुसार आवंटन पर एक नजर: अनुसूचित जाति कल्याण - 40,232 करोड़ रुपये; अनुसूचित जनजाति कल्याण - 17,169 करोड़ रुपये; पिछड़ा वर्ग कल्याण - 11,405 करोड़ रुपये; हथकरघा क्षेत्र - 371 करोड़ रुपये; अल्पसंख्यक कल्याण विभाग - 3,591 करोड़ रुपये।

स्पीड के माध्यम से 19 परियोजनाएं समय सीमा के भीतर पूरी की जाएंगी

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि राज्य सरकार ने निर्धारित समय सीमा के भीतर 19 महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने के लिए स्पीड (स्मार्ट, प्रोएक्टिव, कुशल और प्रभावी डिलीवरी) शुरू की है। उन्होंने कहा, "यह कार्यक्रम वास्तविक समय की निगरानी, सक्रिय निष्पादन और कुशल संसाधन प्रबंधन पर जोर देता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और जनता के लिए लाभ अधिकतम हो।" बुधवार को विधानसभा में 2025-26 के लिए वार्षिक बजट पेश करते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि स्पीड के तहत कुछ प्रमुख परियोजनाओं में मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट, मेट्रो रेल विस्तार, क्षेत्रीय रिंग रोड निर्माण, दिल्ली में तेलंगाना भवन का निर्माण, उस्मानिया अस्पताल के लिए एक नई इमारत और एंटी-नारकोटिक्स रणनीतियों का कार्यान्वयन शामिल है।

उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार भारत के पहले नेट-जीरो फ्यूचर सिटी के विकास में अग्रणी है, जो टिकाऊ और स्मार्ट शहरीकरण में एक नया मानक स्थापित कर रही है। दुनिया के शीर्ष शहरों को टक्कर देने के लिए डिज़ाइन किया गया, यह पर्यावरण के अनुकूल, अल्ट्रा-आधुनिक महानगर अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे, अत्याधुनिक तकनीक और प्रदूषण मुक्त वातावरण पेश करेगा। श्रीशैलम और नागार्जुन सागर राजमार्गों के बीच 56 गाँवों में 765 वर्ग किलोमीटर में फैली इस परिवर्तनकारी मेगा-शहरी परियोजना को नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध किया गया है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि इसके निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए, फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि यह अगली पीढ़ी का शहर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, एक इलेक्ट्रिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क और ग्रीन बिल्डिंग से लैस होगा, जो एक टिकाऊ और स्मार्ट लिविंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एफसीडीए में एआई सिटी, फार्मा हब, स्पोर्ट्स सिटी और स्वच्छ ऊर्जा नवाचार क्षेत्र जैसे विशेष क्षेत्र होंगे, जिससे यह प्रौद्योगिकी, उद्योग और सतत विकास के लिए एक वैश्विक केंद्र बन जाएगा।

शब्बीर अली ने बजट को ऐतिहासिक बताया

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार (एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक) मोहम्मद अली शब्बीर ने उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू द्वारा प्रस्तुत 2025-26 के लिए 3.04 लाख करोड़ रुपये के बजट की सराहना करते हुए इसे सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण और समावेशी विकास सुनिश्चित करने में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बजट मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है, यह सुनिश्चित करता है कि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), पिछड़ा वर्ग (बीसी) और अल्पसंख्यकों को तेलंगाना की प्रगति में उनका उचित हिस्सा मिले। शब्बीर अली ने कहा कि यह बजट वंचित समुदायों के लिए आशा की किरण है, क्योंकि इसमें एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, आवास और वित्तीय सुरक्षा के लिए रिकॉर्ड तोड़ धन आवंटित किया गया है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक असमानताओं को पाटने और आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार के समर्पण का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब बताया। यह सिर्फ़ एक बजट नहीं है; यह न्याय का वादा है। एक वादा है कि एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यकों के सपनों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाएगा। एक वादा है कि हर दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक युवाओं को सफल होने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, तेलंगाना यह साबित कर रहा है कि सच्चा विकास सिर्फ़ बुनियादी ढाँचे और उद्योग के बारे में नहीं है - यह समाज के सबसे कमज़ोर वर्गों के उत्थान और राज्य की प्रगति में उनके उचित स्थान को सुनिश्चित करने के बारे में है।

तेलंगाना सड़क संरचना विकास के लिए एचएएम लागू करेगा: भट्टी

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने तेलंगाना में सड़क अवसंरचना विकास को बढ़ाने के लिए हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) को लागू करने का निर्णय लिया है। बुधवार को विधानसभा में 2025-26 के लिए वार्षिक बजट की प्रस्तुति के दौरान, भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि इस मॉडल में सरकार 40 प्रतिशत धनराशि का योगदान करेगी, जबकि निजी डेवलपर्स शेष 60 प्रतिशत की आपूर्ति करेंगे। यह दृष्टिकोण संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने और परियोजना को तेजी से पूरा करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के तहत, सरकार 2028 तक 17,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण करने की योजना बना रही है, जिसमें अनुमानित 28,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार को 3,725.22 करोड़ रुपये के निवेश से 769.35 किलोमीटर नई सड़कों के विकास के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिली है, जिसका उद्देश्य कनेक्टिविटी बढ़ाना और परिवहन बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत 55 किलोमीटर सड़कें और 9 पुल पहले ही पूरे हो चुके हैं। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करके ग्रामीण कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की एक बड़ी पहल की है कि हर पंचायत बीटी (बिटुमिनस) सड़क से जुड़ी हो, जिससे सुगम परिवहन और पहुंच की सुविधा मिले। इसके अलावा, क्षतिग्रस्त ग्रामीण सड़कों की बड़े पैमाने पर मरम्मत और जीर्णोद्धार किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने 12 जिला मुख्यालयों में आधुनिक न्यायालय परिसरों के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी है, जिसके लिए 972 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जिससे तेलंगाना राज्य में बेहतर कानूनी सुविधाएं और न्याय तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद शहर के सभी तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में अंतर को भरने के लिए एक क्षेत्रीय रिंग रोड योजना विकसित की गई है और शुरुआत में चार लेन बिछाने का प्रस्ताव है और भविष्य की यातायात आवश्यकताओं के आधार पर इसे आठ लेन तक बढ़ाया जाएगा। "परियोजना के उत्तरी भाग के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। दक्षिणी भाग के लिए, एनएचएआई ने एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए सलाहकार नियुक्त किए हैं। सरकार इस परियोजना को तेलंगाना के विकास के लिए एक गेम-चेंजर मानती है।,"

बी.सी. कर्मचारी संघ ने आरक्षण विधेयक पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सराहना की

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य बी.सी. कर्मचारी संघ ने पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के लिए एक महत्वपूर्ण विधेयक पारित करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। एसोसिएशन के राज्य नेताओं, जिनमें अध्यक्ष एम. चंद्रशेखर गौड़, महासचिव रमादेवी, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीनिवास, सह अध्यक्ष रामाराजू वर्मा, सलाहकार सुंकरी श्रीनिवास, उपाध्यक्ष नारायण, यादगिरी, सुंकरी कृष्णा, शेषाचारी, दोंती प्रसन्ना कुमार और सीताराम शामिल थे, ने बुधवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और अपना आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। विधेयक को ऐतिहासिक क्षण बताते हुए एसोसिएशन के नेताओं ने आग्रह किया कि इस निर्णय को देश भर में लागू करने के लिए दबाव बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि इन आरक्षणों को नौकरी में पदोन्नति और शिक्षक पदोन्नति में भी लागू किया जाए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बी.सी. कर्मचारी संघ की 2025 डायरी का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और कोंडा सुरेखा, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

टीजीपीएससी ने जारी की सामान्य रैंकिंग सूची

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) ने बुधवार को महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग में विस्तार अधिकारी (पर्यवेक्षक) ग्रेड-IV के 181 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए सामान्य रैंकिंग सूची (जीआरएल) जारी की। यह सूची 10,459 उम्मीदवारों की जारी की गई, जिन्होंने 6 और 7 जनवरी को दोनों पेपरों में भर्ती परीक्षा में भाग लिया था। उम्मीदवारों की अंतिम कुंजी और प्रतिक्रिया पत्रक भी जारी किए गए, और वे 17 अप्रैल तक वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे।

अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर अपनी टीजीपीएससी आईडी, हॉल टिकट नंबर, जन्म तिथि और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करके व्यक्तिगत लॉगिन से अपनी प्रतिक्रिया पत्रक डाउनलोड/देख सकते हैं। अंतिम कुंजी पर कोई और आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। जीआरएल के आधार पर, प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए आवश्यक संख्या में उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। आयोग ने कहा कि ऐसे उम्मीदवारों को व्यक्तिगत रूप से और टीजीपीएससी वेबसाइट के माध्यम से भी सूचित किया जाएगा।

टीजीपीएससी ने उम्मीदवारों को भर्ती अधिसूचना में उल्लिखित सभी आवश्यक मूल प्रमाण पत्र और दस्तावेज तैयार रखने की सलाह दी।

नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
आंचलिक कार्यालय: #3-6-666 बरवाले चैंबर्स, स्ट्रीट नंबर 10, हिमायत नगर, हैदराबाद-500029 तेलंगाना स्टेट
फोन नंबर: 040-29701389, मोबाइल: 7842287168

निविदा आमंत्रण सूचना (ई-निविदा)

हैंडलिंग एंड ट्रांसपोर्टेशन कॉन्ट्रेक्टर्स की नियुक्ति हेतु

मैसर्स नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड (एनएफएल), एक अग्रणी सीपीएसयू 2 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित रैक प्वाइंट्स पर एनएफएल फर्टिलाइज़र्स के लिए नियमित हैंडलिंग एंड ट्रांसपोर्टेशन कॉन्ट्रेक्टर नियुक्त करने का इच्छुक है। प्रत्येक रैक प्वाइंट के लिए निविदा विवरण वेबसाइट www.nationalfertilizers.com एवं यूआरएल https://gem.gov.in/ से देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है:-

राज्य	रैक प्वाइंट्स	अंतिम तिथि
आन्ध्र प्रदेश	चिराला, ओंगोल, सतुलुर, प्रसननेयानापल्ली, कुर्नूल, नंदयाल एंड अडोनी	10.04.2025

केवल ई-निविदाएं स्वीकार की जाएगी। निविदा के लिए शुद्धिपत्र/परिशिष्ट यदि कोई हो, तो उसे केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर प्रदर्शित किया जाएगा।

आंचलिक प्रबंधक

हरीश राव ने कहा, 'भटटी बजट-बड़ा झूठ बजट'

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने कांग्रेस सरकार द्वारा पेश किए गए बजट की कड़ी आलोचना करते हुए इसे सरासर झूठ और अवास्तविक दावों से भरा राजनीतिक हथकंडा बताया है। उन्होंने इसे 'भटटी बजट-बड़ा झूठ बजट' बताते हुए कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है। हरीश राव ने कहा कि यह बजट चुनाव से पहले किए गए खोखले वादों की पुनरावृत्ति के अलावा और कुछ नहीं है, जिसमें क्रियान्वयन का कोई वास्तविक इरादा नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर विधानसभा के अंदर और बाहर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। सरकार ने शुरुआत में महिलाओं को 1 लाख करोड़ रुपये ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा किया था, लेकिन बाद में यह आंकड़ा घटाकर सिर्फ 20,000 करोड़ रुपये कर दिया। जीओ 27 के अनुसार, ब्याज मुक्त ऋण केवल 5 लाख रुपये तक लागू है, जबकि महिलाओं को शेष 15 लाख रुपये पर ब्याज देने के लिए मजबूर किया जाता है। अगर सरकार वास्तव में महिलाओं के लिए प्रतिबद्ध होती ब्याज मुक्त ऋण के लिए, यह लाभ पूरी राशि पर लागू होना चाहिए था। इसके बजाय, कांग्रेस ने भ्रामक दावों के साथ महिलाओं को धोखा दिया है। बजट भाषण में छात्रों के लिए वर्दी सिलाई शुल्क के लिए 75 रुपए की घोषणा की गई, लेकिन यह पिछले साल के बजट से केवल कॉपी-पेस्ट है। वास्तव में, सरकार 75 नहीं, बल्कि केवल 50 प्रदान रुपए कर रही है। कांग्रेस सरकार ने बजट में कहा कि कोई नया राशन कार्ड जारी नहीं किया गया है। यह सरासर झूठ है। बीआरएस सरकार के तहत, पात्र लाभार्थियों को 6.47 लाख राशन कार्ड प्रदान किए गए थे।

हरीश राव ने कांग्रेस पर अपनी छह चुनावी गारंटियों को लागू करने में विफल रहने दो के लिए भी आलोचना की, जिनका सोनिया गांधी ने लोगों को लिखे अपने पत्र में व्यक्तिगत रूप से समर्थन किया था। महालक्ष्मी योजना को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। महिलाओं को प्रति माह 2,500 प्रदान करने के बजाय, बजट में सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों और समारोहों के लिए 2,50 करोड़ आवंटित किए गए हैं मौजूदा पेंशनभोगी - जिनमें बुजुर्ग, ताड़ी निकालने वाले, बुनकर और एड्स के मरीज शामिल हैं।

दमकल की गाड़ी ने स्कूटर को मारी टक्कर, महिला डॉक्टर की मौत

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को अट्टापुर के पास उप्पारपल्ली में एक अजीब दुर्घटना में एक महिला डॉक्टर की मौत हो गई, जब कथित तौर पर उनकी स्कूटी को एक दमकल इंजन ने टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब पीड़िता सोहा फातिमा (28) अपनी डॉक्टर मित्र के साथ स्कूटर पर मेहदीपट्टनम से राजेंद्रनगर की ओर जा रही थी। उप्परपल्ली पहुंचने पर उनके पीछे आ रही एक दमकल गाड़ी कथित तौर पर नियंत्रण खो बैठी और उनकी स्कूटर से टकरा गई।

दोनों सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। सोहा फातिमा को कई चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी दोस्त घायल होने के बावजूद बच गई। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। राजेंद्रनगर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

अधूरे वादों को लेकर केटीआर ने की कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक के टी रामा राव ने कांग्रेस सरकार के दूसरे बजट पेश होने के बाद उस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी छह गारंटियों को पूरा करने में विफल रही है, जिन्हें अब नजरअंदाज कर दिया गया है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कांग्रेस सरकार ने अपना दूसरा बजट पेश करने के साथ ही अपने कार्यकाल का 40 प्रतिशत पूरा कर लिया है, तथा उसके पास ठोस उपलब्धियों के नाम पर दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने किसानों और कृषि को प्राथमिकता से बाहर कर दिया है, जिसे उसने शुरू में अपना फोकस बताया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने दिल्ली को फंड भेजने के एकमात्र काम को प्राथमिकता दी है ताकि मालिकों को खुश किया जा सके, उन्होंने वादा किए गए 100-दिन की समय सीमा के भीतर अपनी गारंटी को लागू करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस की आलोचना की, मल्लू भट्टी विक्रमार्क और ए रेवंत रेड्डी द्वारा हस्ताक्षरित बांड पत्रों को अतीत की बात कहा।

बीआरएस नेता ने बुनकरों के विकास के लिए कम बजट आवंटन की ओर भी इशारा किया, जो बीआरएस शासन के दौरान 1,200 करोड़ रुपये से घटकर कांग्रेस सरकार के दौरान 370 करोड़ रुपये रह गया। उन्होंने कांग्रेस पर '20% कमीशन सरकार' होने और लंबित महंगाई भत्ते (डीए) और के चंद्रशेखर राव के कार्यकाल के दौरान दिए गए 737 फिटमेंट की अनदेखी करके सरकारी कर्मचारियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।

ईडी ने एचसीए पदाधिकारियों की 51.29 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईडी हैदराबाद ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के पदाधिकारियों द्वारा फंड के दुरुपयोग के मामले में 51.29 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है।

एचसीए के पदाधिकारियों ने क्रिकेट बॉल, बकेट चेयर और जिम उपकरण की आपूर्ति के लिए मेसर्स सारा स्पोर्ट्स, मेसर्स एक्सीलेंट एंटरप्राइजेज और मेसर्स बॉडी ड्रेंच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को अत्यधिक बढ़ी हुई कीमतों पर ठेके दिए। आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्राप्त अवैध वित्तीय लाभ को सुरेंद्र अग्रवाल (एचसीए के पूर्व उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष) और उनके परिवार के सदस्यों को बदले में हस्तांतरित किया गया। ईडी की जांच में पता चला है कि मेसर्स सारा स्पोर्ट्स ने एक म्यूजिक शो, इवेंट मैनेजमेंट आदि के प्रायोजन के नाम पर कई संस्थाओं के बैंक खातों के माध्यम से 17 लाख रुपये सुरेंद्र अग्रवाल की पत्नी की स्वामित्व वाली फर्म मेसर्स केबी ज्वैलर्स के साथ-साथ सुरेंद्र अग्रवाल के बेटे अक्षित अग्रवाल के निजी बैंक खाते में स्थानांतरित किए। इसी तरह, मेसर्स एक्सीलेंट एंटरप्राइजेज ने 21.86 लाख रुपये की पीओसी राशि को ऋण के नाम पर सुरेन्द्र अग्रवाल के बेटे अक्षित अग्रवाल के निजी बैंक खाते में और हीरे की खरीद के नाम पर मेसर्स केबी ज्वैलर्स को स्थानांतरित किया। मेसर्स एक्सीलेंट एंटरप्राइजेज के बैंक खातों से पीओसी की नकद निकासी भी सुरेन्द्र अग्रवाल को अत्यधिक कीमतों पर बकेट चेयर की आपूर्ति के बदले में स्थानांतरित की गई थी। इसी कार्यप्रणाली का उपयोग करते हुए, अत्यधिक बढ़ी हुई कीमतों पर जिम उपकरणों के आपूर्तिकर्ता मेसर्स बॉडी ड्रेंच इंडिया प्राइवेट ने हीरे की खरीद के बहाने 52 लाख रुपये के पीओसी को सीधे सुरेन्द्र अग्रवाल और उनकी बहू के व्यक्तिगत बैंक खातों में मेसर्स केबी ज्वैलर्स को हस्तांतरित कर दिया। ईडी की जांच में पता चला कि सुरेन्द्र अग्रवाल और उनके परिवार के सदस्यों ने एचसीए को क्रिकेट बॉल, बकेट चेयर और जिम उपकरण के आपूर्तिकर्ताओं से अवैध आर्थिक लाभ के रूप में कुल 90.86 लाख रुपये के पीओसी प्राप्त किए।

पेद्दापल्ली बीआरएस अध्यक्ष ने आमरण अनशन शुरू करने की दी चेतावनी

करीमनगर, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली बीआरएस जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक कोरुकंती चंद्र ने चेतावनी दी है कि यदि राज्य सरकार गोदावरी नदी में पानी का भंडारण करने में विफल रही तो वे नदी में आमरण अनशन करेंगे। विधान परिषद में सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के इस बयान का हवाला देते हुए कि कालेश्वरम परियोजना सुरक्षित है, उन्होंने सवाल किया कि अगर परियोजना सुरक्षित है तो सरकार इसमें पानी क्यों नहीं संग्रहित कर रही है?

उन्होंने पूछा कि जब खड़ी फसलें सूख रही थीं, तो सरकार गोदावरी के पानी का उपयोग क्यों नहीं कर रही थी? उन्होंने कहा कि बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर आरोप लगाने के गुप्त इरादे से ही कांग्रेस सरकार परियोजना में पानी का भंडारण नहीं कर रही थी। गोदावरीखानी से एर्रावेली तक 180 किलोमीटर की पदयात्रा के दौरान मीडिया से बात करते हुए चंदर ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए मेदिगड्डा बैराज को एक बड़ा मुद्दा बनाया था। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद सरकार जानबूझकर चंद्रशेखर राव को दोषी ठहराने के लिए परियोजना में पानी का भंडारण नहीं कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.